शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बेंगलूरु समेत राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 21 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❋। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-291

आधिकारिक पर्दाफाश : कांग्रेस की दिमागी उपज थी भगवा आतंकवाद

कांग्रेस नेतृत्व ने भगवा आतंकवाद बोलने का दबाव दिया था: सुशील शिंदे

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आधिकारिक तौर पर यह पर्दाफाश हो गया कि भगवा आतंकवाद शब्दावली कांग्रेस नेतृत्व के शैतानी दिमाग उपज थी। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में गृहमंत्री रहे सुशील कुमार शिंदे ने भगवा आतंकवाद पर बयान देकर कांग्रेस के खतरनाक षडयंत्र का सनसनीखेज खुलासा किया है। शिंदे ने कहा कि भगवा आतंकवाद शब्द कहने के लिए कांग्रेस पार्टी नेतृत्व ने दबाव दिया था। शिंदे ने कहा कि वे इस शब्द का इस्तेमाल करना नहीं चाहते थे, लेकिन मजबूरी में ऐसा करना पड़ा। सबसे पहले कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम और फिर सुशील शिंदे ने भगवा आतंकवाद शब्द का प्रयोग किया था।

पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे सुशील कुमार शिंदे ने कहा कि उस वक्त रिकॉर्ड पर जो आया था, उन्होंने वही कहा था। ये उनकी पार्टी कांग्रेस ने बताया था कि भगवा आतंकवाद हो रहा है। शिंदे ने कहा, उस वक्त पूछा था तो उस बारे में बोल दिया था भगवा आतंकवाद। बस इतना ही

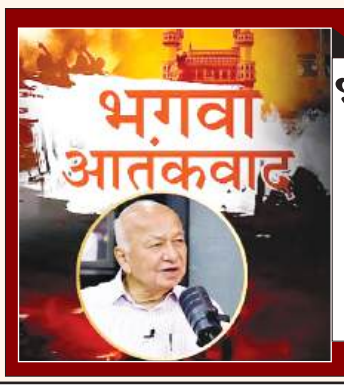

भगवा आतंकियों की लिस्ट जारी करने वाले अफसर मोदी सरकार में मंत्री हैं

है। आतंकवाद शब्द लगाया, लेकिन सही बोलें तो कांग्रेस नेतृत्व ने क्यों आतंकवाद शब्द बोलवाया, मुझे पता नहीं है। जबकि ऐसा शब्द लगाना नहीं चाहिए। यह गलत था। भगवा टेररिस्ट तो बोलना ही नहीं चाहिए था। ऐसा कोई आतंकवाद तो है ही नहीं।

उल्लेखनीय है कि भारत के गृहमंत्री रहते हुए सुशील कुमार शिंदे ने जनवरी 2013 में कहा था कि भाजपा और आरएसएस के कैंपों में हिंदू आंतकवादियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। इस बयान को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई थी। तब गृहमंत्री शिंदे ने कहा था, ये सब इतनी बार अखबार में आ गया है। ये कोई नई चीज नहीं है जो मैंने आज कही है। 20 जनवरी 2013 को जयपुर में आयोजित कांग्रेस के चिंतन शिविर के दौरान शिंदे ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर यह आरोप लगाया था। शिंदे के इस बयान पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने उन्हें मुबारकवाद दी थी। इससे पहले गृहमंत्री रहते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने साल 2010 में ▶10पर

सरकारी कब्जे से मंदिरों की मुक्ति के लिए व्यापक आंदोलन की घोषणा

अब मंदिरों की मुक्ति के लिए होगी 'सम्पूर्ण क्रांति'

- मस्जिद और चर्च जब सरकारी कब्जे में नहीं तो हिंदू मंदिर क्यों?
- हिंदू मंदिरों पर सरकारी कब्जे का सबसे बड़ा भुक्तभोगी तमिलनाडु
- हिंदू मंदिरों पर सरकारी कब्जे को अवैध बता चुकी है सुप्रीम कोर्ट
- 5 जनवरी को आंध्र प्रदेश से शुरू होगा आंदोलन, पूरे देश में फैलेगा

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लाखों हिंदू मंदिरों को सरकारी कब्जे से मुक्त कराने के लिए निर्णायक आंदोलन छेड़ने की घोषणा की गई है। विश्व हिंदू परिषद ने मंदिरों की मुक्ति के लिए सम्पूर्ण-क्रांति की तैयारी की है। विहिप ने घोषणा की है कि मंदिर मुक्ति आंदोलन आंध्र प्रदेश से शुरू होगा और क्रमशः पूरे देश में विस्तारित होगा। 5 जनवरी 2025 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से आंदोलन शुरू होगा। उसके बाद आंदोलन को तमिलनाडु पर केंद्रित किया जाएगा, क्योंकि हिंदू मंदिरों पर सरकारी कब्जे का सबसे बड़ा भुक्तभोगी तमिलनाडु राज्य है। विडंबना यह है कि मंदिरों पर सरकारी कब्जे को सुप्रीम कोर्ट तक अवैध और अनुचित बता चुकी है। भारत में देव स्थानों के साथ लगातार भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। कहने को संविधान के अनुसार भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए पंथनिरपेक्ष और प्रत्येक धर्म, रिलीजन, मजहब, पंथ के समाज के लिए समानता का अधिकार एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही गई है, किंतु व्यवहार में ऐसा बिल्कुल हो नहीं रहा। इसके विरोध में अब खुलकर विश्व हिंदू परिषद सड़कों पर उतरने जा रहा है। ▶10पर

प्रधानमंत्री मोदी ने देश और काशी को दी 6700 करोड़ की परियोजनाएं

खराब सड़कों वाला यूपी आज एक्सप्रेस-वे प्रदेश बन गया : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सपा व कांग्रेस पर जमकर साधा निशाना

गैर सियासी परिवारों के एक लाख युवाओं को राजनीति में लाऊंगा

वाराणसी, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से 6700 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी के लिए आज का दिन अत्यंत शुभ है और यह विकास की एक नई गाथा का साक्षी बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि 6700 करोड़ रुपए के विभिन्न प्रोजेक्ट्स में एयरपोर्ट, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और पर्यटन से जुड़े कई विकास कार्य शामिल हैं।प्रधानमंत्री ने यूपी के विकास की चर्चा करते हुए इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि कभी उत्तर प्रदेश को खराब सड़कों के लिए ताने सुनने पड़ते थे, लेकिन आज यह राज्य एक्सप्रेस-वे प्रदेश के रूप में जाना जाता है। यूपी में सबसे अधिक इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं, ▶10पर

प्रदेश को मिली 3,200 करोड़ की 16 परियोजनाएं

वाराणसी, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वाराणसी से राष्ट्र को 6,700 करोड़ की 23 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने वाराणसी की 3,200 करोड़ से अधिक की 16 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं शहर में आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने, ▶10पर

सीआरपीएफ स्कूल के नजदीक धमाका, कोई हताहत नहीं

एनएसजी, एनआईए और एफएसएल जांच में जुटी

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश की राजधानी दिल्ली के रोहिणी स्थित प्रशांत विहार इलाके में रविवार सुबह सीआरपीएफ स्कूल के नजदीक हुए जोरदार धमाके से सनसनी फैल गई। धमाके में किसी के जख्मी होने की खबर नहीं है। धमाके से स्कूल की दीवार में दरार पड़ गई। धमाके के बाद धुएं का गुबार भी दिखाई दिया। मौके पर एनआईए, एनएसजी और एफएसएल की टीम पहुंची। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए हैं और धमाके की वजह की पड़ताल की जा रही है। घटनास्थल से सफेद पाउडर मिला है। इस सफेद पाउडर की फॉरेंसिक जांच हो रही है। यह जांच हो रही है कि धमाका किस प्रकार का था और इसका स्रोत क्या है। विस्फोटक अधीनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में गृह मंत्रालय ने विस्फोटक की रिपोर्ट मांगी है। केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए की टीम के साथ एनएसजी की कमांडो टीम भी तफ्तीश करने और सबूतों से जुड़े इनपुट इकट्ठा ▶10पर

विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां जारी

उड़ान भर रही कई फ्लाइट्स वापस उतारी गईं

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देशभर की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। रविवार को भी कई विमानों में बम होने की धमकी दी गई। इसे लेकर एयरलाइंस ने आपातकालीन लैंडिंग प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया। धमकी मिलने के बाद कई विमानों की आपात लैंडिंग कराई गई। अकासा और विस्तारा एयरलाइंस के प्रवक्ताओं ने बताया कि फ्लाइट में बम की धमकी मिलने के बाद आपातकालीन लैंडिंग कराई गई।

रविवार को इंडिगो, विस्तारा, एयर इंडिया और अकासा समेत 20 से अधिक भारतीय विमानों में बम की धमकी मिली। इंडिगो, विस्तारा और एयर इंडिया की छह-छह उड़ानों में बम होने की धमकी दी गई। इंडिगो के प्रवक्ता ने बताया कि इंडिगो की 6ई 58 जेद्दा से मुंबई, 6ई 87 कोझिकोड से दम्मम, 6ई 11 दिल्ली से इस्तांबुल, 6ई 17 मुंबई से इस्तांबुल, 6ई 133 पुणे से जोधपुर और 6ई 112

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के प्रमुख वीडी दत्त हटाए गए

एक धमकी पर 3 करोड़ का नुकसान अब तक 200 करोड़ से अधिक डूबा

गोवा से अहमदाबाद फ्लाइट में बम होने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और सभी आवश्यक सावधानियां बरत रहे हैं।

विस्तारा एयरलाइंस के प्रवक्ता ने बताया कि छह उड़ानों यूके25 दिल्ली से फ्रैंकफर्ट, यूके106 सिंगापुर से मुंबई, यूके146 बाली से दिल्ली, यूके116 सिंगापुर से दिल्ली, यूके110 सिंगापुर से पुणे और यूके107 मुंबई से सिंगापुर फ्लाइट में बम होने की धमकी मिली। प्रोटोकॉल के अनुरूप सभी संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और सुरक्षा प्रक्रियाएं अपनाई गईं। इसके अलावा अकासा एयर के प्रवक्ता ने कहा कि उसकी कुछ उड़ानों को रविवार को सुरक्षा अलर्ट मिले। इसके बाद आपातकालीन प्रतिक्रिया दल ने स्थिति की निगरानी की। साथ ही सुरक्षा अधिकारियों से संपर्क किया। वहीं एयर इंडिया की कम से कम छह उड़ानों में बम होने की धमकी मिली। ▶10पर

तेलंगाना सरकार बताए | मुथ्यलम्मा मंदिर अपवित्र करने वाले को बिरयानी क्यों?

विरोध करने वाले हिंदुओं की प्रताड़ना क्यों?

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत में हिंदुओं को अपनी आस्था बचाए रखना हर दिन चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। कट्टरपंथी जब चाहे हिंदू आस्था को चोट पहुंचा देते हैं। चाहे शोभायात्रा हो या फिर मंदिर। गैर मुसलमानों के प्रति घृणा और सौहार्द को बिगाड़ने की साजिश समाज कंटक करते हैं। वे भारत की मूल सांस्कृतिक पहचान पर हमला कर रहे हैं।

तेलंगाना के सिकंदराबाद स्थित मुथ्यलम्मा मंदिर पर हमले का विरोध करने वाले हिंदुओं को पुलिस ने बुरी तरह पीटा। जब वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, तब उनपर लाठियां क्यों बरसाई गईं? यह प्रदर्शन हिंदू मंदिरों पर हो रहे हमलों के खिलाफ था, क्या लोकतंत्र में अपनी बात प्रशासन के सामने शांतिपूर्ण तरीके से रखना कोई गुनाह है? विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मंदिरों पर हो रहे हमलों के विरोध में तेलंगाना बंद का आह्वान किया था, क्या विहिप को यह करने का अधिकार नहीं है? सवाल है यदि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार सभी को है, तब फिर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की तरफ से हमला क्यों किया गया? आखिर वे दोषियों के

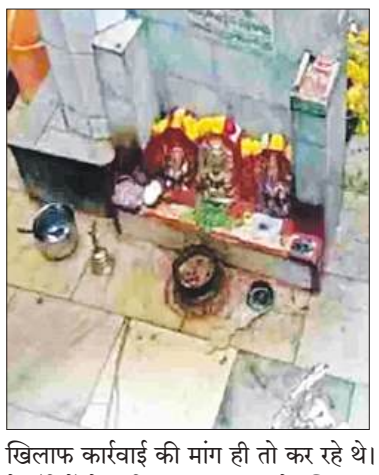

खिलाफ कार्रवाई की मांग ही तो कर रहे थे। वे मंदिरों के प्रति बढ़ती कटुता के खिलाफ रैली ही तो कर रहे थे।

हैदराबाद में नवरात्रि के अवसर पर मुथ्यलम्मा मंदिर में आधी रात को हमला कर देवी की प्रतिमा को खंडित कर दिया गया और मंदिर में भी तोड़फोड़ की गई। ऐसा करने के पहले मुस्लिम उपद्रवियों ने वहां की बिजली काट दी, सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए और फिर देवी दुर्गा की मूर्ति को क्षतिग्रस्त किया। फिर 14 अक्टूबर को सलमान सलीम ठाकुर उर्फ सलमान ने श्री मुथ्यलम्मा मंदिर में घुसकर मुख्य मूर्ति को अपवित्र करने का काम किया। वह मुंबई के पास मुंब्रा का निवासी है। पुलिस जांच में पता चला कि 30 वर्षीय सलमान एक महीने तक चलने वाली व्यक्तित्व विकास कार्यशाला में भाग लेने के लिए हैदराबाद आया था। 14 अक्टूबर को सुबह करीब 4:30 बजे, सलमान कुम्मारगुडा स्थित मंदिर के गर्भगृह में घुस गया और देव मूर्ति को नुकसान पहुंचाया। अब क्या हिंदू संगठनों को इसका प्रतिकार नहीं करना चाहिए?

विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा, पहले हिंदू मन्दिर पर जिहादी का हमला और अब पीड़ित आस्थावान हिंदू श्रद्धालुओं पर पुलिस की बर्बरता चिंताजनक, निंदनीय और अमानवीयता की सभी हदें पार करने वाला है। दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जरूरी है। इस घटनाक्रम पर भाजपा ने पुलिस के लाठीचार्ज की निंदा की है, पार्टी के विधायक राजा सिंह ने मांग की है कि उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए, जिन्होंने शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे हिंदुओं पर लाठीचार्ज किया। ▶10पर

भारत सरकार बताए | मुस्लिम कर्मचारियों को दफ्तर में नमाज पढ़ने की रियायत क्यों?

हिंदू कर्मचारियों को तिलक लगाने तक की मनाही क्यों?

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कार्यरत एयर इंडिया की महिला कर्मचारी चंचल त्यागी ने अपने उत्पीड़न की शिकायत की है। चंचल का आरोप है कि एयर इंडिया की मुस्लिम अधिकारी महजबीन उन्हें माथे पर तिलक लगाने से लगातार रोक रही है। इस मुद्दे ने अधिक तूल पकड़ा तो चंचल ने उत्पीड़न के खिलाफ दिल्ली पुलिस कमिश्नर को तहरीर दी। लेकिन दिल्ली पुलिस के कमिश्नर की खाल पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। इसके बाद चंचल त्यागी ने विवशता में वीडियो के जरिए अपनी प्रार्थना जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से न्याय की मांग की है।

सहारनपुर के जड़ौदा पांडा गांव की निवासी चंचल त्यागी एयर इंडिया में कार्यरत हैं। वो वर्तमान में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के टर्मिनल नंबर 3 पर सहायक के पद पर काम कर रही हैं। चंचल का कहना है कि उन्होंने बचपन से ही सनातन परंपराओं का पालन किया है, जिसमें रोज पूजा के बाद तिलक लगाना शामिल है। मुस्लिम अधिकारी महजबीन ने उनके

चंचल त्यागी

तिलक लगाने पर आपत्ति जताई और तिलक हटाने का दबाव डालने लगीं।

चंचल ने कहा कि वह नवरात्रि के समय से महजबीन के निशाने पर हैं। महजबीन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि एयर इंडिया में काम करने वालों को तिलक लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अगर चंचल तिलक लगाकर ऑफिस आती हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। चंचल का दावा है कि उन्हें बार-बार तिलक न लगाने के लिए मजबूर किया गया, और जब उन्होंने इस दबाव को नजरअंदाज किया, तो उनके साथ अन्य तरीकों से उत्पीड़न शुरू हो गया। चंचल त्यागी ने आरोप लगाया कि उनके काम में हस्तक्षेप किया जाने लगा, उन्हें बेवजह टोका-टोकी की जाने लगी। उन्होंने बताया कि वॉशरूम जाने तक पर उन्हें टोक दिया जाता था, और उनके काम की सही तरीके से एंट्री भी नहीं की जाती थी। 8 घंटे की ड्यूटी के बावजूद, आधे दिन की ही एंट्री की जाती थी। इसके अलावा, जब चंचल ने दिवाली की छुट्टी के लिए आवेदन किया, तो उसे भी निरस्त कर दिया गया। चंचल का मानना है कि उनके उत्पीड़न का मुख्य कारण उनका तिलक लगाना है।

चंचल त्यागी ने बताया कि महजबीन ने मुस्लिम स्टाफ को दिन में 5 बार नमाज पढ़ने की अनुमति दी है, लेकिन जब चंचल अपनी सनातन परंपरा के अनुसार तिलक लगाकर आती हैं, तो उन्हें इसके लिए सजा दी जाती है। चंचल ने वीडियो में कहा, यह कोई पाकिस्तान नहीं है, जो हम तिलक नहीं लगा सकते। हिंदू संस्कार हमारे खून में हैं, और मैं इसे नौकरी के लिए नहीं छोड़ सकती। ▶10पर

आत्मा की यात्रा पर सेमिनार आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में साध्वी संयमपूर्णा श्री जी की पावन निश्रा में लाभार्थी सुमतीदेवी, नथमल दरजाणी बाफना परिवार मोकलसर निवासी के सहयोग से आदर्श कॉलेज चामराजपेट में एक आत्मा की यात्रा अभी नहीं तो कभी नहीं सेमिनार का आयोजन किया गया।

मंगला चरण से सेमिनार का शुभारंभ साध्वी के मुखरबिंद से हुआ। मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष मनोज बाफना ने सभी का स्वागत किया।

कैलाश संखलेचा ने बताया कि साध्वीवर्या ने फरमाया हम अभी तक हमारे भीतर की आत्मा को न देख कर भौतिक सुख- दुख को

देख कर विसलित हो रहे हैं। हम दूसरों की ज्योति के सहारे अपने आप को जोड़ने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं आप अपनी इन्द्रियों पर भौतिक सुख के लिये उस पर अत्याचार कर रहे हो। क्या कभी भी आप ने रात्रि विश्राम से पहले यह चिंतन किया कि आज मैने क्या पुण्य एवं क्या पाप के कार्य किये। अंदर की आत्मा में झांक कर देखो क्या खोया क्या पाया। यह आत्मा ही परमात्मा है। आत्मा का स्वभाव आनंद है। आनंद की अनुभूति आप कहीं पर भी कर सकते हो। जिस दिन आप को आनंद की अनुभूति होने लगे तब आप एक श्रावक बन जाओगे। तब आप की साधना आराधना में आनंद की अनुभूति की महक आने लगेगी। युवक महासंघ द्वारा लाभार्थी परिवार एवं महावीर दर्शन मंडल का बहुमान किया गया।

आशीष बाफना ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन अभय गादिया ने किया। सेमिनार में सम्पूर्ण व्यवस्था मनोज बाफना, पदम मुथा, गौतम पोरवाल, दिलीप वेदमूथा, महावीर हुंडिया, चम्पालाल दांतेवाडिया, सुरेश लखानी, मनीष पोरवाल, गौरव संचेती, विकास पारलेचा, संभव रांका, आशिक पिरगल, महावीर छाजेड़, महावीर मांडोत, महाबल बेलेश वोरा, मनोज चौहान, अरविंद चोपड़ा, मुकेश पारलेचा, सुरेश चौधरी, महेंद्र छाजेड़ आदि ने संभाली।

मलनाड क्षेत्रीय तेरापंथ समिति का वार्षिक सम्मलेन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि मोहजीत कुमार जी, मुनि भव्यकुमार जी और मुनि जयेशकुमार जी के सानिध्य में मलनाड क्षेत्रीय तेरापंथ समिति के वार्षिक सम्मलेन का आयोजन चिकमंगलूरु तेरापंथ सभा भवन किया गया।

मुनि मोहजीतकुमार जी ने कहा मनुष्य को अपने भीतर परस्पर सहयोग की चेतना को जागृत करना चाहिए। यह जीवन यात्रा का प्रथम पड़ाव है, समन्वय वादी दृष्टिकोण समाज में रहने वाला व्यक्ति सामंजस्य की भावना में स्वयं की प्रतिष्ठा तथा समाज के विकास में योगभूत बनता है। समाज का अस्तित्व व्यक्ति की आचार, व्यवहार पर टिका हुआ है। इसके लिए सजगता, दायित्व बोध जरुरी है। उच्च पदों पर बैठने वाले व्यक्ति में अनुशासन क्षमता, विचारों की दृढ़ता, व्यवस्था कौशल, निस्वार्थ सेवाभाव, रचनात्मक चिंतन का विकास होना चाहिए। मलनाड समिति के अध्यक्ष महावीर भंसाली ने सभी का स्वागत किया एवं समिति की गतिविधियों की जानकारी दी। सभी तपस्वियों का सम्मान समिति की तरफ से किया गया। सभा के अध्यक्ष महेंद्र डोसी ने मलनाड क्षेत्र से पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस आयोजन के लिए मलनाड समिति ने उनका सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन समिति के संगठन मंत्री पुष्पराज गादिया ने किया। आभार मंत्री दलीचंद भटेवरा ने व्यक्त किया। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम हासन के पूर्व अध्यक्ष भरत भंसाली का दक्षिण अंचल मंत्री मनोनीत होने पर अभिनंदन किया गया।

चन्नपट्टना उपचुनाव मामला : आलाकमान और पार्टी नेताओं के फैसले का करेंगे पालन: डीके सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व सांसद डीके सुरेश, जो इस बात पर जोर दे रहे थे कि वह चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में चुनाव नहीं लड़ेंगे, ने अचानक यू-टर्न ले लिया और कहा कि वे आलाकमान और पार्टी नेताओं के फैसले का पालन करेंगे। उन्होंने कहा केपीसीसी अध्यक्ष डी.के.शिवकुमार ने शनिवार को चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र के नेताओं के साथ परामर्श किया। उस समय मुझ पर उपचुनाव लड़ने का दबाव डाला गया। मैंने अनुरोध किया है कि मुझे एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में अपने बीच रहने की अनुमति दें। मुझे विश्वास है कि कार्यकर्ता मेरी भावनाओं को समझेंगे। मैं पार्टी के लिए अपरिहार्य नहीं हूं। लेकिन पार्टी मेरे लिए जरूरी है। मैंने चुनाव लड़ने के बारे में पार्टी को

अपने विचार बता दिये हैं। नामांकन पत्र जमा करने के लिए पांच दिन और बचे हैं। आइए इंतजार करें और देखें कि जेडीएस-बीजेपी किसे नामांकित करेगी। सभी उम्मीदवारों को पहले अपना नामांकन पत्र जमा करना होगा। कांग्रेस तीन-चार दिन में अपना फैसला बताएगी। इस बीच वह एआईसीसी अध्यक्ष समेत पार्टी नेताओं से मुलाकात करेंगे। चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने मुझे लोकसभा चुनाव सहित सभी स्थितियों में ताकत दी है।

उन्होंने कहा कि मैंने शनिवार की बैठक में कार्यकर्ताओं से वादा किया है कि आने वाले दिनों में मैं आपके साथ रहूंगा। जेडीएस-भाजपा गठबंधन एनडीए ने संदूर और शिग्गांव निर्वाचन क्षेत्रों के लिए भाजपा उम्मीदवारों की घोषणा की है। ऐसा लगता है कि चन्नपट्टना को जेडीएस के लिए छोड़ दिया गया है। यहां उम्मीदवार कौन होगा, इसका फैसला पार्टी के नेता करेंगे। इससे पहले कुमारस्वामी इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे। इससे पहले जब भी उपचुनाव की बात आती थी तो डीके सुरेश फिसल जाते थे और कहते थे कि लोगों ने मुझे आराम करने की सलाह दी है। मैं वैसे ही आराम कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। केपी-सीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार भी कहते थे कि उनके परिवार से कोई उम्मीदवार नहीं होगा। लेकिन शनिवार की बैठक के बाद देखा गया कि डीके सुरेश ने परोक्ष रूप से उपचुनाव लड़ने में दिलचस्पी दिखाई। साथ ही वे इस बात पर जोर देने लगे हैं कि वे हाईकमान के फैसले से बंधे हैं। प्रथम दृष्टया यह कई दिनों से चली आ रही जिज्ञासा पर एक अस्थायी पर्दा है।

डीके सुरेश ने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्य सरकार छह महीने से अधिक समय तक सत्ता में नहीं रहेगी।

जीवन को करें नियंत्रित : डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने उत्तराध्ययन सूत्र के पांचवें अध्ययन का विवेचन करते हुए कहा कि यह निश्चित है कि दुनिया में जो आया है उसे जाना है। कोई हंसते हंसते जाता है और कोई रोते रोते। अनेक आत्माएं जो जीवन में शुभ कार्य करती है वे हंसते हंसते जाती है। जो जीवन में धर्म के कार्य करते है वे अपनी मृत्यु को भी महोत्सव बना देते है। धर्म ही एक ऐसा पुण्य का सिक्का है जो भव भव तक काम आएगा। परमात्मा कहते है हमें अकाम नहीं सकाम मरण को प्राप्त करना है। सकाम मृत्यु वह है, जो मरने के बाद भी जीवित रहती है। अनियंत्रित जीवन को नियंत्रित बना लो। जिसका जीवन नियंत्रित रहता है वह समय और आत्मा को पहचान लेता है। सभी के अंदर अरिहंत सिद्ध आत्मा है। आत्मा की दौड़ ही पुरुषार्थ है। जो वस्तु जीवन का सर्वथा नाश करती है उसका त्याग करना चाहिए। उन्होंने कहा जननी हमे जन्म देती है और माँ हमे संस्कार देती है। माँ के संस्कारों के तीन चरण है आहार की शुद्धि, सकारात्मक विचारों में रहना और स्तोत्र की साधना करना। पूर्व में रूपेशमुनि ने उत्-ाराध्ययन सूत्र का वांचन एवं गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर ने आभार व्यक्त किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

स्वास्थ्य विभाग चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने पर कर रहा काम: स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने आश्वासन दिया है कि सरकार निजी अस्पतालों के साथ समन्वय करके बेंगलूरु में चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। शनिवार शाम को बेंगलूरु में आरोग्य सौधा में निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करने वाले मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदमों पर निजी क्षेत्र के चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ और अधिक परामर्श किया जाएगा। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य के बाहर और विदेशों से लोग बड़ी संख्या में इलाज के लिए बेंगलूरु आते हैं। यहां आने वाले लोगों को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं और उपचार का आश्वासन दिया जाना चाहिए। इस संबंध में, निजी अस्पतालों

में उपचार की गुणवत्ता को प्रमाणित करने के लिए सरकार द्वारा उपाय किए जाने चाहिए। इससे मरीजों में विश्वास की भावना पैदा होगी। इसके अलावा, आईटी सिटी बेंगलूरु को स्वास्थ्य शहर के रूप में भी सराहा जा सकता है। मंत्री ने कहा कि शहर के बाहर से आने वाले मरीज बेंगलूरु में इलाज के लिए आते हैं, क्योंकि शहर में स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचा अच्छा है। दूसरे देशों में मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टर से मिलने के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में बेंगलूरु स्वास्थ्य पर्यटन के जरिए अधिक से अधिक विदेशियों को आकर्षित कर सकता है। साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बेंगलूरु आने वाले लोग राज्य के अन्य पर्यटन स्थलों पर भी जाते हैं, जिससे पर्यटन विकास में भी मदद मिलती है। मणिपाल अस्पताल, नारायण हृदयालय और अपोलो हेल्थ केयर समेत 50 से अधिक प्रतिष्ठित निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में निजी क्षेत्र के कई विशेषज्ञों ने अपनी राय व्यक्त की कि सरकार की ओर से एक आधिकारिक पोर्टल बनाया जाना चाहिए, जिसके माध्यम से सरकार खुद निजी अस्पतालों में गुणवत्तापूर्ण उपचार के लिए क्रेडिट पॉइंट दे सके। साथ ही, कुछ प्रतिनिधियों की राय थी कि सरकार को प्रत्येक प्रक्रिया/उपचार की कीमत और गुणवत्ता को प्रमाणित करना चाहिए।

मर्यादाएं मनुष्य के जीवन को चमकाती हैं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने जंबू दीप प्रज्ञप्ति के 16वें सूत्र का वाचन करते हुए कहा कि चाहे आदिनाथ भगवान का चरित्र हो, चाहे भरत का चरित्र हो सभी ने अंत में चरित्र धारण किया। मनुष्य जीवन का सार चरित्र ही है। बिना चरित्र का मनुष्य पशु से भी हिन माना गया है। इसलिए मनुष्य जीवन में मर्यादाएं मनुष्य के जीवन को चमकाती है। सभी मर्यादाएं अहिंसा के आधार पर बनी हुई होनी चाहिए। करोड़ों का गहना पहनने वाले ने यदि नीचे कपड़े नहीं पहने तो वह शोभित नहीं हो सकता। इसी प्रकार बिना अहिंसा से मनुष्य किसी भी धर्म को अपनाले वह परम सुखी नहीं बन सकता। सुख का सही मार्ग अहिंसा अर्थात किसी भी जीव को हमारी तरफ से सुख ना दे सकें तो कोई बात नहीं, परंतु किसी जीव को दुख पहुंचाना नहीं चाहिए। कोमलता और मधुरता सरलता को जन्म देती है। जहां सरलता होती है वहां अहिंसा और धर्म रहता ही है। महामंत्री संपत राज मांडोत ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अशोक गोलेछा, दर्शन गोलेछा, दिनेश कुमार, भंवरलाल मेहता, कनक जैन, धीरेंद्र कुमार सुराणा, दिलीप कुमार पगारिया और सुभाष चंद्र बोरा आदि उपस्थित थे।

द्वितीय कार्यसमिति की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के मनोनीत अध्यक्ष कमलेश चौरडिया की अध्यक्षता में द्वितीय कार्यसमिति की बैठक तेरापंथ भवन राजाजीनगर में आयोजित हुई।

बैठक की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। तेयुप परामर्शक प्रवीण नाहर द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। विजय गीत का संगान भिक्षु श्रद्धा स्वर टीम द्वारा हुआ।

सहमंत्री चेतन मांडोत ने सत्र 2024-25 की प्रथम कार्यकारिणी बैठक का वाचन किया और उसे चेतन गांधी, अनिल बोल्या द्वारा पारित कराया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने सभी का स्वागत करते हुए तेयुप के त्री-आयामी सूत्र सेवा-संस्कार-संगठन के अंतर्गत किये गए कार्यों एवं अभातेयुप द्वारा निर्देशित किये गए कार्यों की जानकारी प्रदान की। तेयुप मंत्री जयंतीलाल गांधी ने अभातेयुप द्वारा निर्देशित आगे आने वाले आयामों की जानकारी देने के साथ एटीडीसी में कैम्प, सीपीएस, टीटीएफ, युवावाहिनी आदि कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। सीपीएस के राष्ट्रीय सलाहकार एवं प्रबुद्ध विचारक सतीश पोरवाड़ ने विचार व्यक्त करते हुए कहा संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जाए और सभी कार्यकारणी सदस्यीय मिलकर एक साथ काम करें। इस अवसर पर परामर्शक प्रवीण नाहर, प्रबुद्ध विचारक अरविंद गन्ना एवं कार्यसमिति सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सीरवी समाज ट्रस्ट मारथहल्ली बेंगलूरु पूर्व वडेर प्रांगण में सीरवी समाज महासभा कर्नाटक डिवीजन 2 होसकोटे के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ढगलाराम बर्फा व सचिव ओमप्रकाश चोयल का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीरवी महासभा कर्नाटक के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार, महासचिव अमरचन्द सातपुरा, कोषाध्यक्ष पोकरराम राठौड़, सह-सचिव शेराराम आगलेचा, मीडिया प्रभारी गोवर्धन लाल बर्फा तथा संस्था के अध्यक्ष कालुराम भायल, सचिव वाल-ाराम गहलोत, पदाधिकारी, सहलाकार समिति सदस्य, महिला मंडल सदस्य एवं समाज के अनेक गणमान्य व्यकि उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *पिंजरापोल गौशाला टी. नरसीपुरा के प्रमुख संत चेतन गिरी एवं प्रेम हरि प्राणी मात्र सेवा संस्थान जोधपुर के संरक्षक संत प्रेम हरि के बेंगलूरु आगमन पर गौ सेवक महेंद्र मुणोत ने उनको सम्मानित किया।*

बेंगलूरु समेत राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश

लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजधानी बेंगलूरु सहित राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया और वायुमंडलीय दबाव में गिरावट के कारण हो रही भारी बारिश से निचले इलाकों में पानी घुस गया है। सड़कों पर पानी भर गया है और वाहनों का आवागमन बाधित है।

शिवमोग्गा, मैसूरु, दक्षिण कन्नड़, हावेरी, दावणगेरे, रामानगर, मांड्या, बेलगावी, कलबुर्गी, बागलकोट, बीदर, गदग, चामराजनगर, कोप्पल, उत्तर कन्नड़ सहित दस जिलों में बारिश हुई और कई जगहों पर फसल को नुकसान हुआ। बेंगलूरु, उडुपी, शिवमोग्गा, बेंगलूरु ग्रामीण, हासन, कोडागु, कोलार, चिक्कमगलूरु, चिकबल्लापुर जिलों में व्यापक बारिश हुई और लगातार बारिश के कारण लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सिलिकॉन सिटी में भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी घुस गया और सड़कों पर पानी भर गया।

अपार्टमेंट में पानी घुस जाने से अपार्टमेंट के निवासी एक बार फिर परेशान हो गये हैं। शनिवार रात और रविवार सुबह कई जगहों पर जाम लग गया और वाहन चालक जूझते रहे। मैसूरु रोड, आरवी कॉलेज, जयरानदास, केंगेरी रोड पर पानी भर गया और बेंगलूरु-मैसूरु रोड पर यातायात अस्त-व्यस्त हो गया। भारी बारिश के कारण वरतुर-गुंजूर मार्ग पर पानी भर गया और वाहन चालकों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सरजापुर और नागनाथपुर की सड़कें पानी से भर गईं और वाहन चालक फंसे रहे। केएस लेआउट, साई लेआउट के कई हिस्सों में घरों में पानी घुस गया और लोग रतजगा करने लगे। कार शोरूम में भी पानी भर गया और शोरूम में मौजूद कारें भी क्षतिग्रस्त हो गईं। भारी बारिश के कारण कोमाघट्टा के पास शेड में पानी बह गया है। सौभाग्य से, वहां रहने वाले

9 लोग खतरे से बच गए। बेंगलूरु शहर और आसपास के इलाकों में अगले 48 घंटों तक ज्यादातर बादल छाए रहने की संभावना है। इसके साथ ही वज्रपात की भी संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 डिग्री और 20 डिग्री दर्ज किया जाएगा। दिवाली त्योहार की तैयारी कर रहे लोग सप्ताहांत में हुई बारिश से ऊब गए हैं। लोग त्योहार के लिए जरूरी सामान खरीदने के लिए बाजार निकले। लेकिन बारिश के कारण खरीदारी नहीं हो पाई, मैजेस्टिक, जयनगर, विजयनगर, शांतिनगर, राजाजीनगर, केआर मार्केट, गांधी बाजार, राजराजेश्वरी नगर, उत्तरहल्ली, श्रीनिवास नगर, जलाहल्ली, कोरमंगला और शहर के अन्य हिस्सों में भारी बारिश हुई। भारी बारिश के कारण सड़कें बारिश के पानी से भर गईं और वाहनों के आवागमन में परेशानी हुई। शाम को भी बारिश हुई और कई जगहों पर सड़क पर पानी जमा हो गया।

अनेकल, जिगनी, बन्नेरघट्टा चंदापुरा में कई जगह बारिश के पानी के कारण सड़क पर लोग खड़े थे और राहगीर पैदल चल रहे थे। त्योहार की तैयारी कर रहे लोगों और व्यवसायियों के लिए परेशानी खड़ी हो गयी। पूजा सामग्री, सजावटी सामान और फूल-फल का कारोबार करने वाले व्यापारियों को त्योहार के मौके पर भारी कमाई की उम्मीद थी। लेकिन बारिश के कारण कारोबार मंद पड़ने की आशंका से वे चिंतित हैं।

शनिवार रात और रविवार सुबह देवनहल्ली के आसपास भारी बारिश के कारण प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण उड़ानों में अंतर आया। कई उड़ानें पुनर्निर्धारित की गईं। यलहंका फ्लाईओवर पर ट्रैफिक जाम हो गया। इससे वाहन चालकों को मशक्कत करनी पड़ी। राजाजीनगर में शिवनहल्ली सिग्नल के पास सड़क पर पेड़ों की शाखाएं गिर गईं, जिससे सड़क यातायात बाधित हो गया और निगम कर्मचारियों ने पेड़ों को हटाने का काम किया।

पूर्व सांसद ने सिद्धरामैया सरकार पर 80 प्रतिशत कमीशनखोरी का लगाया आरोप

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व सांसद नलिन कुमार कटील ने कहा कि अब उन्हें राज्य या राष्ट्रीय राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। भाजपा कार्यालय में प्रमुख हस्तियों के साथ बैठक के बाद प्रेस से बात करते हुए नलिन ने कहा मैं एक आरएसएस कार्यकर्ता के रूप में बड़ा हुआ हूं, और मेरा लक्ष्य एक आम आरएसएस कार्यकर्ता के रूप में सेवा करना जारी रखना है। भाजपा ने मुझे तीन बार सांसद और एक बार राज्य अध्यक्ष के रूप में सेवा करने का अवसर दिया है। मैं इससे अधिक क्या मांग सकता हूं? मौजूदा कांग्रेस सरकार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा पहले कांग्रेस ने हमारी सरकार पर 40 प्रतिशत कमीशन पर काम करने का झूठा आरोप लगाया था। हालांकि,

मौजूदा कांग्रेस सरकार 80 प्रतिशत कमीशन पर चल रही है। मुडा और वाल्मीकि बोर्ड से जुड़े घोटाले इसका स्पष्ट सबूत हैं। नलिन ने आगे कहा कि संजीव मतंदूर के कार्यकाल के दौरान शुरू की गई विकास परियोजनाएं, जिनके लिए पहले ही धन जारी किया जा चुका था, अब केवल उद्घाटन की जा रही हैं, कोई नई परियोजना शुरू नहीं की जा रही है। यदि मौजूदा सरकार विकास कार्य करा रही है तो उन्हें इसका सबूत भी देना चाहिए। कार्यक्रम में पूर्व विधायक संजीव मतंदूर और अन्य लोग भी मौजूद थे। नलिन ने भूटान से कच्चे सुपारी के आयात के मुद्दे को भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कैंपको ने इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया है। वाणिज्य और कृषि केंद्रीय मंत्रियों के साथ चर्चा चल रही है, और सुपारी उत्पादकों को मुआवजा प्रदान किया जाएगा।

सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार 2028 तक नहीं टिकेगी: कुमारस्वामी

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर तीखा हमला करते हुए केंद्रीय मंत्री और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने रविवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस 2028 तक नहीं टिकेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का राज्य सरकार को गिराने का इरादा नहीं है, बल्कि उनके अपने विधायक और लोग इसकी नींव को अस्थिर कर रहे हैं। कुमारस्वामी ने कहा राज्य में कांग्रेस सरकार 2028 तक नहीं टिकेगी। राज्य की जनता और विधायक ही इसे गिराएंगे। कांग्रेस विधायकों में असंतोष बढ़ रहा है। यह सच नहीं है कि हम उनकी

सरकार को गिराने की कोशिश कर रहे हैं। उनके विधायक और जनता इस सरकार की नींव को कमजोर कर रहे हैं। फंड की कमी के कारण विधायक गांवों में जाकर लोगों से नहीं मिल पा रहे हैं। 2028 से पहले फिर से मुख्यमंत्री बनने का भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा मुझे पूरा भरोसा है कि लोग मुझे एक और मौका देंगे और मैं फिर से सीएम बनूंगा। वह मौका 2028 से पहले आएगा। अगर लोग चाहते हैं, तो मैं सीएम क्यों न बनूं? मेरा 14 महीने का प्रशासन किसी और के प्रभाव में चला। भले ही सरकार किसी दूसरी पार्टी के नियंत्रण में थी, लेकिन लोग हमारे द्वारा लागू किए गए जनहितैषी कार्यक्रमों को नहीं भूले हैं। कर्नाटक एक समृद्ध राज्य है। अगर मुझे मौका दिया जाता है, तो मैं बेहतरीन काम करूंगा। आज, पैसे की लूट हो रही है और सरकारी संपत्ति जब्त की जा रही है। अगर इसे रोका जाए, तो हम ऐसे कार्यक्रम लागू कर सकते हैं, जहां लोग सरकार से सिर्फ 2,000 रुपये प्राप्त करने के बजाय कम से कम 10,000 रुपये कमा सकें। इससे पहले, कुमारस्वामी ने कर्नाटक सरकार पर हिंदुस्तान मशीन टूल्स (एचएमटी) और कुद्रेमुख आयरन एंड स्टील कंपनी (केआईओ-सीएल) के बारे में गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया, जिसके कारण राज्य की लापरवाही के कारण केआईओ-सीएल के 300-400 कर्मचारियों की नौकरियां चली गईं। उन्होंने कहा कि सरकार की हठधर्मिता के कारण 300-400 केआईओसीएल कर्मचारी सड़कों पर आ गए हैं। सरकार स्थानीय लोगों के लिए रोजगार सृजन का दावा तो करती है, लेकिन साथ ही उपेक्षा भी दिखाती है। मुख्यमंत्री को इन समस्याओं के समाधान के लिए बैठक बुलानी चाहिए। कुमारस्वामी ने कहा कि अगर कोई समस्या है, तो वे इसकी जिम्मेदारी लेंगे और मामले के बारे में सीएम सिद्धरामैया को लिखेंगे।

सत्ता खोने के डर से जाति जनगणना जारी करने का नाटक: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सत्ता खोने के डर से जाति जनगणना जारी करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन पहले इसका खुलासा होना चाहिए और सार्वजनिक चर्चा होनी चाहिए। रविवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह कोई जातीय जनगणना नहीं है। सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण, जाति जनगणना कराने का अधिकार राज्य सरकार को नहीं है। जातीय जनगणना कराने का अधिकार सिर्फ केंद्र सरकार को है। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार की जातीय जनगणना पर भी रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि वे

कुछ सर्वेक्षण कर रहे हैं और उसमें जाति जनगणना लागू कर रहे हैं। यह रिपोर्ट वैज्ञानिक भी नहीं है, आँकड़े भी पर्याप्त नहीं हैं।

इस पर कई समुदायों की ओर से आपत्ति जताई गई है। पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष रहे कांतराजु द्वारा तैयार रिपोर्ट पर आयोग के सचिव और सदस्यों के हस्ताक्षर नहीं थे। बाद में आयोग के अध्यक्ष बनकर आए जयप्रकाश हेगड़े ने आयोग के पिछले अध्यक्ष द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट को बिना कोई सर्वेक्षण कराए संशोधित कर सरकार को सौंप दिया। इस रिपोर्ट का ओक्कालिगा समुदाय ने विरोध किया था। डीसीएम डीके शिवकुमार समेत कई कांग्रेस नेताओं ने इसका विरोध किया है। अखिल भारतीय वीरशैव महासभा ने भी इसका विरोध किया है। सीएम सिद्धरामैया सभी समुदायों की शंकाओं को दूर करने का काम नहीं कर रहे हैं। आइए सभी को विश्वास में लेकर चर्चा करें। उन्होंने कहा है कि तमाम विरोध के बावजूद हम इसे लागू करेंगे। पहले रिपोर्ट का खुलासा होने दीजिए और उस पर सार्वजनिक रूप से चर्चा होने दीजिए। सिद्धरामैया का कहना है कि उन्होंने नहीं देखा है कि रिपोर्ट में क्या है। हालाँकि, यह रिपोर्ट सिद्धरामैया ने ही तैयार की थी। स्वर्गीय वीपी सिंह जब प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने सत्ता संभालने के दौरान मंडल रिपोर्ट जारी की थी। इसी तरह, अब वे कह रहे हैं कि वे जातीय जनगणना लागू करेंगे। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के भाई गोपाल जोशी की गिरफ्तारी के मद्देनजर विपक्ष द्वारा प्रहलाद जोशी से इस्तीफा मांगने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प्रहलाद जोशी का अपने भाई से कोई व्यापारिक और पारिवारिक रिश्ता नहीं है। मैं उनके परिवार को बहुत अच्छे से जानता हूं। कांग्रेस बदले की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने खिलाफ बोलने वाले पर बदला लेने के लिए एफआईआर दर्ज करा रही है।

मुडा पर ईडी का छापा

मैसूरु कार्यालय में 30 घंटे तक ली गई तलाशी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) से जुड़े एक मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने कथित तौर पर शनिवार सुबह 10 बजे से रविवार सुबह 3 बजे तक मैसूरु में मुडा कार्यालय में दस्तावेजों की तलाशी ली। अधिकारियों ने कथित तौर पर कुल 29-डेढ़ घंटे तक दस्तावेजों की तलाशी ली है, जिसमें शुक्रवार को डेढ़ घंटे और शनिवार को 17 घंटे शामिल हैं। मुडा सूत्रों ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार को सुबह 11 बजे से रात 11.30 बजे तक दस्तावेजों की तलाशी ली। छापे के दौरान, ईडी अधिकारियों ने कथित तौर पर मुडा के सभी पुराने कर्मचारियों से पूछताछ की।

सूत्रों ने बताया कि मुडा आयुक्त ए एन रघुनंदन और सचिव प्रसन्ना वी के, जिन्होंने डेढ़ महीने पहले ही कार्यभार संभाला है, ने अधिकारियों के साथ सहयोग किया। इस बीच, सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 40 से अधिक सीआरपीएफ कर्मियों और शहर के पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। यह छापेमारी मैसूरु स्थित आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ ईडी में की गई शिकायत के बाद की गई है। यह शिकायत विजयनगर के तीसरे और चौथे चरण में मुडा द्वारा आवंटित 14 वैकल्पिक साइटों से संबंधित है, जो सीएम की पत्नी बी एम पार्वती को मैसूरु तालुक के केसारे गांव के सर्वेक्षण संख्या 464 पर उनकी 3.16 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किए बिना उपयोग करने के लिए मुआवजे के रूप में आवंटित की गई थी। कृष्णा की शिकायत के आधार पर, ईडी पीएमएलए अधिनियम के प्रावधानों के तहत जांच कर रहा है। कथित घोटाले के राजनीतिक विवाद में घिरने के बाद, पार्वती ने हाल ही में सभी 14 साइटें मुडा को वापस कर दी हैं।

फर्जी निकली बेलगावी हवाई अड्डे पर बम की धमकी

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

एयरपोर्ट के निदेशक एस त्यागराजन को रविवार को बम की धमकी का संकेत देने वाला एक ईमेल मिलने के बाद पुलिस सांबरा में बेलगावी हवाई अड्डे पर पहुंची। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रोहन जगदीश ने कहा कि ईमेल फर्जी पाया गया। डीसीपी ने कहा हालांकि, पूरे एयरपोर्ट की गहन जांच की गई। कुछ भी नहीं

मिला। ईमेल फर्जी है। भेजने वाले का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। पुलिस कर्मियों को सभी गेटों और प्रवेश और निकास बिंदुओं पर तैनात किया गया था। उन्होंने परिसर में किसी भी संदिग्ध सामान या अन्य सामान की जांच की। मौके पर जिला डॉग स्क्वायड के सदस्यों को तैनात किया गया था।

उन्होंने यात्री लाउंज, प्रशासनिक विंग, रनवे और एयर कंट्रोल स्टेशनों सहित विभिन्न सुविधाओं में सूँघकर अपना रास्ता बनाया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि इंटरनेट प्रोटोकॉल पते से संकेत मिलता है कि ईमेल चेन्नई से आया था। पुलिस ने कहा एयरपोर्ट की अन्य गतिविधियाँ कुछ मिनटों के लिए बाधित रहीं। पुलिस अधिकारी ने कहा देश भर के कई एयरपोर्ट पर बम की धमकियाँ मिली हैं। ये सभी घटनाएँ झूठी हैं। त्यागराजन ने पुलिस अधिकारियों को घटना के बारे में पूरी जानकारी दी। मरिहाल पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

मेंगलूरु में ट्रेन पलटने की साजिश रेलवे ट्रैक से मिले पत्थर

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

देश में ट्रेनों को बेपटरी करने की कई साजिशों का खुलासा हो चुका है। इसी बीच ताजा मामला मेंगलूरु का है, जहां रेलवे ट्रैक पर बजरी और पत्थर रखकर ट्रेन को पलटाने की नापाक साजिश रची गई।

आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि मेंगलूरु में उल्लाल के पास रेलवे ट्रैक पर कुछ बदमाशों ने जानबूझकर बजरी और पत्थर रखे थे, जिससे इस क्षेत्र से गुजरने वाली ट्रेनों को गंभीर खतरा पैदा हो गया। शनिवार रात को उल्लाल से करीब 3 किलोमीटर दूर कपिकाड और गणेशनगर के बीच टोक्कोट्टू के पास रेलवे ट्रैक पर पत्थर बिखरे मिले। केरल की ओर आने वाली ट्रेन के उस स्थान से गुजरने पर स्थानीय लोगों ने तेज आवाज सुनी थी। तेज आवाज सुनने के बाद पहले स्थानीय निवासियों ने इसे वाहनों की आवाजाही के कारण होने वाली आवाज समझा, लेकिन आगे की जांच में पता चला कि ट्रैक को अवरुद्ध करने के लिए रखे गए पत्थरों से ट्रेन के टकराने से यह आवाज आई थी। गनीमत रही कि ट्रेन बेपटरी नहीं हुई और बड़ा हादसा नहीं हुआ। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत रेलवे पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस की जांच में पता चला कि ट्रैक पर पत्थर और बजरी रखकर ट्रेन को पलटने की साजिश रची गई थी।

घटना शनिवार रात करीब आठ बजे की है। पद्मा नाम की स्थानीय महिला ने शनिवार शाम को रेलवे ओवरब्रिज के पास कुछ अज्ञात संदिग्धों को घूमते भी देखा था। जब वह घर लौटी, तभी उसने तेज धमाके की सी आवाज सुनी। घटना के बाद दक्षिण कन्नड़ की रेलवे सलाहकार समिति के आनंद शेट्टी बागम्बिला और स्थानीय पुलिस के साथ ही जीआरपी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। स्थानीय लोगों ने घटना के बाद इलाके में सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की है। वहीं घटना की जांच की जा रही है।

सीएम की पत्नी पर जमीन अवैधता का एक और आरोप

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आरटीआई कार्यकर्ता गंगाराजू ने मैसूरु में सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती के खिलाफ एक और गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्वती ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा अनुमोदित 20 गुंटा का प्लॉट खरीदा।

गंगाराजू ने दस्तावेज में आरोप लगाया है कि सड़क और पाइपलाइन से संबंधित भूमि की रजिस्ट्री की गई थी, और जब उन्हें मामले की जानकारी हुई, तो उन्होंने पंजीकरण में संशोधन किया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीएम की पत्नी पार्वती ने 29 जून 2023 को 20 गुंटे प्लॉट की रजिस्ट्री अपने नाम कर ली है। उन्होंने शिकायत की कि 20 गुंटे यानी 21,771/99 वर्ग फुट क्षेत्र में से 8998 वर्ग फुट क्षेत्र सड़क और पाइपलाइन क्षेत्र है, जिसे पंजीकरण में जोड़ा गया है और इस संबंध में आरटीआई कार्यकर्ता गंगाराजू ने 31 अगस्त को एक आवेदन दायर किया था।

कन्नड़ अभिनेता सुदीप की मां का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ अभिनेता सुदीप की मां सरोजा का रविवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। अस्पताल और पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि वह 80 वर्ष की थीं और उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थीं। परिवार के सदस्यों, मित्रों और शुभचिंतकों के अंतिम दर्शन के लिए उनके पार्थिव शरीर को अस्पताल से जे पी नगर स्थित उनके आवास पर लाया गया और शाम को उनका अंतिम संस्कार किया किया। दिवंगत को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए फिल्म उद्योग की कई हस्तियां पहुंचीं। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई – जो सुदीप के परिवार के करीबी हैं, और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र सहित अन्य ने दुख व्यक्त किया।

मुडा मामले में लोकायुक्त की चल रही जांच अपर्याप्त: सांसद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के सांसद लहर सिंह सिरोया ने हाल ही में मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले से संबंधित आरोपों को संबोधित करते हुए जांच में जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग की।

उन्होंने कांग्रेस सांसद जी कुमार नायक की संलिप्तता के बारे में चिंता जताई, जो पहले मैसूरु के डिप्टी कमिश्नर थे।

सिंह ने कहा नहीं, मैंने कोई आरोप नहीं लगाया है। आरोप किसी और ने लगाया था और यह उच्च न्यायालय के फैसले में भी परिलक्षित होता है। उन्होंने निराशा व्यक्त की कि एक अधिकारी ने कथित तौर पर अनुसूचित जाति की जमीन जब्त करने और इसे तत्कालीन उपमुख्यमंत्री के परिवार को हस्तांतरित करने का प्रयास किया।

सिंह ने दलित कोटे के तहत नियुक्त अधिकारी की दलित समुदाय की रक्षा करने में विफल रहने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा उन्हें रोकने के बजाय, वह इसमें शामिल हो गए। यह डॉ. बीआर अंबेडकर के संविधान का अपमान और विश्वासघात है। सिंह का मानना है कि अधिकारी को इस्तीफा दे देना चाहिए और मामले पर उनसे पूछताछ की जानी चाहिए। मैं यह भी मानता हूं कि लोकायुक्त की चल रही जांच अपर्याप्त है। इसे किसी अन्य एजेंसी से कराया जाना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या मुख्यमंत्री को इस मुद्दे पर इस्तीफा दे देना चाहिए, तो उन्होंने कहा अगर मुख्यमंत्री खुद इस्तीफा दे दें और जांच का सामना करें, तो यह कांग्रेस पार्टी, राज्य की राजनीति और राष्ट्रीय राजनीति के लिए फायदेमंद होगा।

मुडा साइट घोटाला मामला

सीएम परिवार को ईडी जारी कर सकता है नोटिस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुडा साइट घोटाले का डर अभी से ही सीएम सिद्धरामैया और उनकी पत्नी पार्वती सिद्धरामैया को सताने लगा है। 18 तारीख को जब से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के कार्यालय पर छापा मारा, तब से इस मामले में आरोपी सीएम के परिवार के सदस्यों को एक नई चिंता सताने लगी है। प्रवर्तन निदेशालय सीएम सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती और बेटे यतींद्र सिद्धरामैया से पूछताछ कर सकता है और किसी भी वक्त पूछताछ में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किए जाने की संभावना तय है। इस मामले में सिद्धरामैया और उनकी पत्नी

बीएम पार्वती क्रमशः पहले और दूसरे आरोपी हैं।

लोकायुक्त पुलिस तीसरे और चौथे आरोपी सीएम के साले मल्लिकार्जुनस्वामी और जमीन के मालिक देवराज से पहले ही पूछताछ कर चुकी है। इस मामले से जुड़े दस्तावेज जुटाना लोकायुक्त पुलिस के लिए बड़ा सिरदर्द है।

कहा जा रहा है कि जिन जांचकर्ताओं ने 2010 तक के दस्तावेजों की जांच की है, ईडी अधिकारियों को फाइलों में सीएम सिद्धरामैया और उनकी पत्नी पार्वती की भूमिका के बारे में एक महत्वपूर्ण दस्तावेज मिला है। ए3 और ए4 से दस्तावेज एकत्र करने वाली लोकायुक्त पुलिस ने 2010 के बाद सीएम के साले से लेकर सीएम की पत्नी तक की संपत्ति दान की फाइलों की जांच की है। लोकायुक्त पुलिस ने सहायक निदेशक भू-अभिलेख (एडीए-लआर), भू-सर्वेक्षक, मुडा, राजस्व विभाग, उपपंजीयक अधिकारियों से भी जानकारी जुटाई। हालांकि 14 प्लॉट सीएम की पत्नी द्वारा मुडा को लौटा दिए गए हैं, लेकिन जांच अपरिहार्य बताई जा रही है। ईडी की दुविधा में सीएम के बेटे यतींद्र सिद्धरामैया भी फंस सकते हैं।

इसका मुख्य कारण यह है कि यतींद्र सिद्धरामैया पर मुडा बैठक में भाग लेने का आरोप है। वह उस बैठक में शामिल थे जहां पार्वती सिद्धरामैया को 50-50 नियम के तहत मुआवजे के रूप में 14 सीटें देने का फैसला किया गया था।

मुडा ने मैसूरु के सरस्वती नगर में 14 भूखंडों के आवंटन को लेकर बैठक की थी। मुडा घोटाले के संबंध में ईडी के अधिकारियों ने मूल मालिक बताए जा रहे देवराज के घर से कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं।

जहरीली शराब कांड पर लालू-तेजस्वी ने नीतीश सरकार पर बोला हमला

महात्मा बनने का ढोंग कर रहे सीएम

पटना (एजेंसियां)।

सारण और सीवान में हुए जहरीली शराब कांड पर सियासत जारी है। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोला। रविवार को उन्होंने कहा कि यह अत्यंत ही दुखद है। बिहार में पूरी तरह से शराबबंदी लागू कराने में सरकार अप्रभावी है। सारण और सीवन में जिन लोगों की जान शराब के कारण गईं, वह दुखद है। बिहार में जहरीली शराब त्रासदी दर्जनों लोगों की जान ले ली।

वहीं तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि बिहार के हर चौक-चौराहे पर शराब की दुकानें खुलवाने वाले तथा शराबबंदी के नाम पर जहरीली शराब से हजारों जाने लेने वाले मुख्यमंत्री अब महात्मा बनने का ढोंग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने शुरू के 10 वर्षों में बिहार में शराब की खपत बढ़ाने के हर उपाय किए और अब अवैध शराब बिकवाने के हर उपाय कर रहे है। 58 साल में बिहार में हर साल औसतन 51 दुकानें खोली गईं, लेकिन 2005-15 के 10 साल नीतीश राज में हर साल औसतन 300 दुकानें खुलीं। क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मेरे इन तथ्यों को झुठला सकते है?

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएचएफएस) की रिपोर्ट के अनुसार बिहार में शराबबंदी होने के बावजूद बिहार में महाराष्ट्र से ज्यादा लोग शराब पी रहे हैं। वर्तमान बिहार में 15.5 प्रतिशत पुरुष शराब का सेवन करते हैं। वहीं, इसकी तुलना में महाराष्ट्र, जहां शराबबंदी नहीं है, वहां शराब पीने वाले पुरुषों का प्रतिशत महज 13.9 है। बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में 15.8 प्रतिशत और शहरी इलाकों में 14 प्रतिशत लोग शराब पीते हैं, फिर भी नीतीश जी अनुसार बिहार में शराबबंदी लागू है, क्या मजाक है।

शराब के धंधे में राजद के लोग : डिप्टी सीएम

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)।

उपमुख्यमंत्री वियज कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार की सरकार नशे के खिलाफ और शराबबंदी को मजबूत करने को लेकर है। हम लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। जहरीले शराब से मौत के मामले में सरकार संवेदनशील है और कार्रवाई भी कर रही है।

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार सरकार जब से शराबबंदी कानून को राज्य में लागू करवाई है, तब से इसके पक्ष में रही है। शराब पर रोक भी लगाई गई है।

कई बड़ी गिरफ्तारी भी की गई है। अब इसको खत्म करने का सवाल भी पैदा नहीं होता है। यह कानून सभी दल की सहमति से बनी थी और इसमें आरजेडी, कांग्रेस, माले, जेडीयू और

बीजेपी भी शामिल थी, लेकिन हमारा कहना है कि बिहार में शराब के धंधेबाज में ज्यादातर राजद के लोग शामिल है और यह जानकारी भी आती रहती है। राजद के लोग इसको लेकर काम करते हैं। गोपालगंज में तो राजद वालों ने अपने एक उम्मीदवार भी शराब माफिया को बना दिया था, जिसका हमने खूब विरोध भी किया था।

बिहार के सीमांचल क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के द्वारा किए जा रहे हिंदू जागरण यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि यह तो सनातन धर्म की संस्कृति है कि हिंदू अपने धर्म की रक्षा के लिए काम करे। इससे किसी को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। हमारी महान सनातन संस्कृति का अधिकार है कि सबके हित की भावना की ध्यान में रखते हुए अपने धर्म की रक्षा के लिए काम करे। इसमें तो कोई धर्मनिरपेक्षता की बाधा नहीं आती है। जिस तरह से कुछ खास क्षेत्र में हिंदू की संख्या में जागृति की कमी और हिंदू की संख्या में कमी आई है। इसको लेकर के जागृत करना कोई गलत नहीं है।

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि उपचुनाव में हमारी जीत सभी सीट पर होगी यह सुनिश्चित है। उन्होंने कहा है कि बिहार में जिस सीट पर एनडीए का उम्मीदवार होगा, वहीं जीत होगी। क्योंकि जनता हमारे साथ में खड़ी है और जनता का विश्वास भी हम लोगों ने जीता है।

दिनदहाड़े हथियार के बल पर ज्वेलरी दुकान में लूट

सीवान (एजेंसियां)।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि सीवान जिले के नवतन थाना क्षेत्र के स्थित मदन चौक पर स्थित मनोज कुमार की ज्वेलरी की दुकान है। दुकान थाने से कुछ ही दूरी पर स्थित है। बताया जा रहा है कि दुकानदार दुकान में बैठे हुए थे। ग्राहक से डील कर रहे थे, तभी अचानक दो मोटरसाइकिल पर सवार तीन से चार अज्ञात अपराधी हथियार लेकर आए और पिस्तौल कनपटी पर तान दी।

उसके बाद दुकान से सोने और चांदी के ज्वैलरी लूट ले गए। घटना के बाद वहां अफरातफरी का माहौल काम हो गया है। वहीं अपराधी हथियार लहराते हुए आसानी से फरार होने में कामयाब हो गए हैं। घटना के बाद दुकानदार ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। वहीं लूट की सूचना के बाद घटनास्थल पर सीवान एसपी अमितेश कुमार पहुंचे। बता दें कि लूटी गई ज्वेलरी की कीमत 10 से 12 लाख रुपए की बताई जा रही है। सीवान में दिनदहाड़े ज्वेलरी दुकान से लूट के मामले में सीवान एसपी अमितेश कुमार ने बताया कि ज्वेलरी दुकान में लूट की घटना की सूचना मिली है। घटनास्थल पर तुरंत थाना प्रभारी पहुंचे हुए हैं।

नीतीश सरकार ने कोईरी समाज का गला काटा : नागमणि

जातीय सर्वे में कम कर दिखाई आबादी

पटना (एजेंसियां)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और शोषित इंकलाब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागमणि ने बिहार की नीतीश सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। नीतीश सरकार ने कोईरी समाज का किया अपमान, काटा गला- आगामी 23 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाले कोईरी आक्रोश महारैली की तैयारी को लेकर औरंगाबाद आए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने रविवार को यहां प्रेसवार्ता में कहा कि नीतीश सरकार ने कोईरी समाज को जलील और अपमानित करने के साथ ही समाज का गला काटने का काम किया है। इस वजह से नीतीश कुमार के सत्ता में रहते हुए कोईरी समाज का भला नहीं होने वाला है। नीतीश कुमार का लव-कुश की बात करना पूरी तरह ढकोसला है क्योंकि वे सिर्फ अपने समाज का भला करने का काम कर रहे हैं और कोईरी जाति की लगातार उपेक्षा हो रही है तथा कोईरी समाज को किसी भी क्षेत्र में अपेक्षित भागीदारी नहीं मिल रही है।

इतना ही नही कोईरी समाज को हाशिए पर धकेलने के लिए नीतीश सरकार ने हमारी जाति की आबादी को भी कम दिखाने का काम किया है। उन्होने कहा कि बिहार में कोईरी समाज की 12 प्रतिशत और समाज की उप जाति दांगी की आबादी 2.5 प्रतिशत है। यानी बिहार में हमारी कुल आबादी 14.5 प्रतिशत है। इसके बावजूद नीतीश सरकार ने जान बूझकर कोईरी समाज को नीचा दिखाने का पूरा प्रयास किया है। इसी प्रयास के तहत बिहार सरकार ने जातीय सर्वेक्षण को धरातल पर नही कराते हुए कुछ खास पदाधिकारियों की मिलीभगत से खानापूर्ति कर कोईरी जाति की जनसंख्या को 12 से घटाकर 4.5 प्रतिशत और दांगी की आबादी को 2.5 से घटाकर मात्र आधा प्रतिशत दिखाने का काम किया है।

इतना ही नही राज्य सरकार ने भूमिहार, राजपूत और ब्राह्मण समाज को भी अपमानित करते हुए इनकी संख्या को 5.5 से घटाकर महज 2 से 3 प्रतिशत के बीच सीमित कर दिया। मुस्लिम समाज की कलाल जाति को हिंदू बताया, कागजों पर हुआ जातीय सर्वेक्षण- उन्होंने कहा कि कलाल मुस्लिम समाज की जाति है, जिसे जातीय सर्वेक्षण में हिंदू बताया गया है, जिससे साबित होता है कि बिहार के गांवों में सर्वेक्षण हुआ ही नहीं और सिर्फ कागज पर ही इसकी खानापूर्ति कर दी गई। उन्होने स्वीकार किया कि जातीय सर्वेक्षण में यादव समाज की आबादी को 14 प्रतिशत बताया गया है, जिसे वह सहीं मानते है लेकिन कोईरी समाज की आबादी यादव समाज से 3-4 प्रतिशत ही कम है।

इस लिहाज से कोईरी समाज की आबादी कम से कम 10 प्रतिशत होनी ही चाहिए, जिसे सर्वेक्षण में इतनी संख्या में नही दिखाया जाना हमारे समाज के साथ पूरी तरह नाइंसाफी है, जिसे किसी सूरत में बर्दाश्त नही किया जाएगा। इस कारण नीतीश सरकार को हटाना जरूरी हो गया हैं और सरकार को हटाने के लिए ही उन्होने नीतीश हटाओ देश बचाओं का नारा दिया है।

कहा कि यह नारा सिर्फ नारा नही रहेगा बल्कि धरातल पर उतरेगा और कोईरी समाज को नीचा दिखाए जाने से समाज में उत्पन्न जबरदस्त आक्रोश की झलक आगामी 23 फरवरी 2025 को प्रदेश की राजधानी पटना के गांधी मैदान में आयोजित होने वाली कोईरी आक्रोश महारैली में दिखेगी। उन्होने कहा कि कोईरी समाज के साथ हुई नाइंसाफी को लेकर ही यह महारैली आयोजित की गई है। इस रैली के माध्यम से कोईरी समाज अपने अपमान का बदला लेना चाहता है और इसी उदेश्य से कोईरी समाज को एकजुट करने के लिए वे पूरे बिहार की यात्रा कर रहे है। इसी कड़ी में वें समाज को एकजुट करने औरंगाबाद आए हैं।

भाजपा ने महाराष्ट्र के लिए जारी की 99 उम्मीदवारों की सूची

मुंबई, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पहली सूची में 99 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए गए हैं। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस नागपुर साउथ वेस्ट से, राज्य भाजपा प्रमुख चन्द्रशेखर बावनकुले कामठी से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा भाजपा ने मंत्री गिरीश महाजन को जामनेर से, मंत्री सुधीर मुनगंटीवार को बल्लारपुर से, आशीष शेलार को वांद्रे वेस्ट से, मंगल प्रभात लोढ़ा को मालाबार हिल से टिकट दिया है। कोलाबा से राहुल नार्वेकर, सतारा से छत्रपति शिवेंद्र राजे भोसले को उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण को पार्टी ने नांदेड़ जिले की भोकर विधानसभा सीट से टिकट दिया है। भाजपा ने मुंबई इकाई के प्रमुख आशीष शेलार को वांद्रे वेस्ट से टिकट दिया है। आशीष शेलार महाराष्ट्र सरकार में मंत्री भी रहे हैं। भाजपा ने पाटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल को कोथरुड सीट से टिकट दिया है। वे मौजूदा महाराष्ट्र सरकार में उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री हैं। भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल सुरेश नार्वेकर को कोलाबा से प्रत्याशी बनाया है। उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना विधायकों की अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करने का जिम्मा सौंपा था। भाजपा ने कंकावली सीट से पूर्व सीएम नारायण राणे के बेटे नीतेश नारायण राणे

को टिकट दिया है।

महाराष्ट्र में एक चरण में चुनाव होंगे। 22 अक्टूबर को चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। नामांकन की आखिरी तारीख 29 अक्टूबर है। 30 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। इसके बाद नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 4 नवंबर है। वहीं मतदान की तारीख 20 नवंबर है। मतगणना की तारीख 23 नवंबर है।

महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की सरकार है। इसमें भाजपा के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा राज्य की 288 विधानसभा सीटों में से 158 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। जबकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को बंटवारें के तहत 70 सीटें मिल सकती हैं और अजित पवार की एनसीपी को 50 सीटें देने की पेशकश की गई है। इसे लेकर अभी महायुति गठबंधन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक एलान नहीं किया है।

बंगाल विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा के छह प्रत्याशी घोषित

पश्चिम बंगाल की छह विधानसभा सीटों पर आगामी 13 नवंबर को उप-चुनाव होने जा रहे हैं। इसकी तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं। केंद्रीय बलों की मदद से यह मतदान होने वाला है। चुनाव आयोग द्वारा मतदान की तारीखों की घोषणा के बाद सबसे पहले शनिवार को भाजपा ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। भाजपा ने छह विधानसभा क्षेत्रों में एक सीट पर महिला उम्मीदवार को टिकट दिया है।

भाजपा ने सिताई विधानसभा क्षेत्र में दीपक कुमार राय को अपना उम्मीदवार बनाया है। जबकि, मदारीहाट से राहुल लोहार उम्मीदवार होंगे। नैहाटी से पार्टी ने रूपक मित्रा को मैदान में उतारा है। हावड़ा से बिमल दास पार्टी के प्रत्याशी होंगे। पार्टी के मुताबिक, मेदिनीपुर क्षेत्र में शुभजीत राय इस बार मैदान में होंगे। जबकि, तालडांगरा में अनन्या राय चक्रवर्ती मुकाबला करेंगी। मेदिनीपुर से तृणमूल कांग्रेस की विधायक जून मालिया 2021 में जीतकर विधायक बनीं थीं। गत लोकसभा चुनाव में वे सांसद बनीं, इसलिए यह सीट खाली हुई है। इसी तरह से 2021 विधानसभा चुनाव में भाजपा के मनोज तिग्गा मदारीहाट से विधायक बने थे। गत लोकसभा चुनाव में वे अलीपुदुआर से सांसद बने। हाड़वा से तृणमूल कांग्रेस के हाजी नुरु इस्लाम विधायक थे, जो 2024 लोकसभा चुनाव में बरीशहाट से तृणमूल कांग्रेस के सांसद बने। हालांकि कुछ समय पहले ही उनका निधन हो गया है। बशीरहाट संसदीय सीट भी खाली हो गई है, लेकिन फिलहाल यहां पर उपचुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। नैहाटी से तृणमूल कांग्रेस के पार्थ भौमिक विधायक थे। उन्होंने 2024 में बैरकपुर से लोकसभा का चुनाव लड़ा और वे सांसद बने। उनके इस्तीफे के बाद नैहाटी की सीट खाली हुई है। इसी तरह से सिताई से तृणमूल कांग्रेस के जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया विधायक थे। वे इस बार लोकसभा में कूचबिहार से सांसद बने, जिस कारण यह सीट भी खाली हुई है। 2021 में तालडांगरा से तृणमूल के अरूप चक्रवर्ती विधायक बने थे। 2024 लोकसभा चुनाव में वे बांकुड़ा से चुनाव लड़े और सांसद बने। इस कारण इस सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है।

गौरवशाली अतीत को ध्यान रखने वाला समाज करता है प्रगति : नंदकिशोर

दरभंगा, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने आज कहा कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है जब वह अपने गौरवशाली अतीत को ध्यान रखता है और वर्तमान में खड़े होकर भविष्य के ताने-बाने को बुनता है।

श्री यादव ने रविवार को संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा के परिसर में चाणक्य मंडप में आयोजित तीन दिवसीय चंद्रगुप्त साहित्य महोत्सव के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भगत सिंह एवं चंद्रशेखर आजाद जैसे राष्ट्रभक्तों ने कभी अपने लिए नहीं, बल्कि हमेशा भारत माता के लिए सोचा।

आज विश्व में भारत की स्वीकार्यता बढ़ी है। देश का मान सम्मान भी निरंतर बढ़ रहा है। भारत राष्ट्र को विश्व भर में सुना जा रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम नई पीढ़ी को राष्ट्रीयता की भावना से उत्तर भरें। इसके लिए उनके तरीके से ही सोचने और उन्हें समझाने की आवश्यकता है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विश्व में फैले भारतीय आज अपने देश में बन रहे स्कोप को देख रहे हैं। भारत माता उन्हें पुकार रही है। वे एकता और अखंडता के लिए अवश्य ही कार्य करेंगे। जितने भी आराध्य रहे हैं उन्होंने भी भारत को सिर्फ जमीन का टुकड़ा नहीं माना। सभी ने संपूर्ण राष्ट्र को एक करने के लिए कार्य किया। भगवान राम ने उत्तर से दक्षिण तक का अपनी यात्रा से एकीकरण किया तो श्री कृष्ण ने पूर्व से पश्चिम तक राष्ट्र के एकीकरण में अपना अवदान दिया। सभी 12 ज्योतिर्लिंग, चारों पीठ इसी भारत राष्ट्र की एकता को प्रतिष्ठित और मजबूती देने के लिए हैं। प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य रामाशीष ने कहा कि भारतवर्ष को अभिशप्त हनुमान की तरह सामर्थ्य की याद दिलाकर समर्थ बनाने की आवश्यकता है और इसके लिए भारत में अपने अंक का प्रचलन होना चाहिए। भारत का अंक राम हैं। राष्ट्र का अधिष्ठान सनातन है। देश की राजनीति नहीं, बल्कि अपने अधिष्ठान धर्म को बचाने की आवश्यकता है।

भागलपुर घटना के दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई : गिरिराज

भागलपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केन्द्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने आज भागलपुर जिले के सन्हौला में एक मंदिर में कई मूर्तियों के खंडित करने की घटना को अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि इस मामले में संलिप्त दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

श्री सिंह ने रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, इस मामले में शामिल सभी अभियुक्तों की अविलंब गिरफ्तारी के लिए उन्होंने जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक को कहा है। स्थानीय लोगों का विरोध स्वभाविक है। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच और उन लोगों पर दमनात्मक कार्रवाई होती है तो मुझे रास्ते में ही अपनी यात्रा को छोड़कर सन्हौला आना पड़ेगा। इस मामले में जिस एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ा है, उसे विक्षिप्त बताया गया है। यह एक साज़िश है और इसकी जांच पड़ताल होनी चाहिए।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि उनकी हिन्दू स्वाभिमान यात्रा से कांग्रेस तथा राजद के लोग घबरा गए हैं और बिहार में दंगा कराने पर तुले हुए हैं। वे लोग केन्द्र और राज्य सरकार को बदनाम करना चाहते हैं। ऐसे में भागलपुर जिले के सन्हौला की घटना कोई साधारण नहीं है और इसके पीछे कोई तो अवश्य है। इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए और इसके लिए जिला प्रशासन से मांग की गई है। इस बीच भागलपुर जिला भाजपा अध्यक्ष संतोष कुमार ने कहा कि सन्हौला की घटना घोर निंदनीय है। इसकी जांच के लिए भाजपा की एक टीम भेजी जा रही है। ऐसी घटना को अंजाम देने वाले सभी असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग पुलिस के वरीय अधिकारियों से की गई है।

मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना का मनोबल बढ़ा: यादव

भोपाल, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना का मनोबल बढ़ा है। सेना को नवीन तकनीक के नवीनतम हथियार उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

डॉ. यादव आज यहां 3 ईएमई सेंटर में भूतपूर्व सैनिक सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विदेशी हथियारों पर भारतीय सेना की निर्भरता कम करते हुए स्वदेशी लड़ाकू विमान और हथियार निर्माण पर विशेष ध्यान दिया है। अब हम सिर्फ युद्ध का जवाब ही नहीं देते बल्कि घर में घुसकर मारते हैं। उन्होंने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों की देश भक्ति और समर्पण में वर्तमान सेना की नींव रखी है। जब भी मौका पड़ा आप सभी ने वीरता और शौर्य का परिचय देकर भारतीय लोकतंत्र की रक्षा की है। भारत के साथ और भी देश आजाद हुए थे। लेकिन वर्तमान समय में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र यदि जीवित है तो यह भारतीय सेना के कारण ही संभव हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा कर लोकतंत्र को जीवित रखा है। उन्होंने भारतीय सेना के भूतपूर्व सैनिकों के अविस्मरणीय योगदान के लिए प्रदेश की जनता की ओर से अभिनंदन किया। डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सैनिक कल्याण में सदैव अग्रणी रहा है। यहाँ सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों के लिये विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का सफल संचालन हो रहा है। उन्होंने सेना और उनके परिवारों के लिए कल्याणकारी निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि युद्ध एवं सैनिक कार्रवाई में शहीद होने वाले सेना/केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल के शहीदों के आश्रितों को एक करोड़ रुपये की सहायता राशि और एक आश्रित को शासकीय सेवा में विशेष नियुक्ति दी जाएगी। सहायता राशि का आधा अंश शहीद की पत्नी को और आधा अंश आश्रित माता-पिता को दिया जाएगा। शहीदों के माता-पिता को दी जाने वाली मासिक अनुदान की राशि बढ़ाकर 10 हजार रूपये और शहीदों की पुत्रियों एवं बहनों के विवाह पर आशीर्वाद राशि भी बढ़ाकर 51 हजार रुपये की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवासरत द्वितीय विश्व युद्ध के सैनिकों एवं उनकी पत्नियों की पेंशन 8 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह की गई है, जो देश में सर्वाधिक है। मध्यप्रदेश निवासी ऐसे माता-पिता, जिनकी पुत्री सेना में है, उनकी सम्मान निधि 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिवर्ष की गई है। राज्य शासन द्वारा विभिन्न शौर्य एवं विशिष्ट सेवा अलंकरणों से सम्मानित सैनिकों एवं उनके आश्रितों को सर्वाधिक

सम्मान राशि दी जाती है। भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं, विकलांग सैनिकों एवं आश्रितों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आर्थिक सहायता तथा छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जो पूरे देश में सर्वाधिक है।

डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में पूर्व सैनिकों के बच्चों को मेडिकल, इंजीनियरिंग, टेक्निकल एजुकेशन, लॉ सहित विभिन्न कोर्सेस में आरक्षण दिया जाता है। सभी सरकारी विभागों के ग्रुप सी एवं डी पदों पर भूतपूर्व सैनिकों को आरक्षण के साथ जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों में सहायक ग्रेड-3 स्तर पर कर्मचारियों के पदों में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। शासन की योजन-ाओं के अंतर्गत जमीन के लिए सैनिकों को आरक्षण दिया जाता है।

भारतीय नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि मध्यप्रदेश का इतिहास वीरता और साहस का रहा है। मध्यप्रदेश ने देश को अब तक 3 अशोक चक्र, 5 महावीर चक्र और 23 वीर चक्र दिए है। पिछले 25 वर्षों में 100 से अधिक सैनिकों ने अपना सर्वस्व भारत मां के चरणों में न्यौछावर कर दिया। यह सम्मान समारोह भूतपूर्व सैनिकों के समर्पण, योग्य नेतृत्व और योगदान को समर्पित है। उन्होंने सभी भूतपूर्व सैनिकों को सेना में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए धन्यवाद दिया। सुदर्शन चक्र कोर कमांडर लेफ्टीनेन्ट जनरल प्रीतपाल सिंह ने कहा कि जो सेना अपने भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान नहीं करती, वह कभी युद्ध नहीं जीत सकती। भूतपूर्व सैनिकों का ज्ञान और अनुभव सेवा के जवानों के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री डॉ. यादव हमेशा सकारात्मक मानसिकता, कल्याणकारी कार्य को सदैव हां और करने को तत्पर रहते है। श्री सिंह ने सैनिक कल्याण बोर्ड की बैठक में जवानों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने द्वितीय विश्व युद्ध में वीरता के साथ लड़ने वाले भूतपूर्व सैनिकों की कल्याणियों का सम्मान किया। उन्होंने नं. 561 सिपाही स्व. मुशीर अहमद की पत्नी फातमा बी, नं. 2659 सिपाही स्व. मो. सईद खान की पत्नी रईसा बेगम और नं. 451 सिपाही मो. सरीफ की पत्नी नफीसा बी का सम्मान कर उनका आशीर्वाद भी लिया। साथ ही मुख्यमंत्री ने भोपाल की अमर शहीदों के परिजन को भी सम्मानित किया। सम्मानित हुए परिजनों में कैप्टन स्व. देवाशीष शर्मा, कीर्तिचक्र (मरणोपरान्त) की माताजी श्रीमती निर्मला शर्मा, मेजर स्व. अजय कुमार, सेना मेडल (मरणोपरान्त) के पिता श्री आर.एन. प्रसाद, ग्रुप केप्टन स्व. वरुण सिंह, (शौर्यचक्र) के पिता सेवानिवृत्त कर्नल के.पी. सिंह, सीएफएन स्व. रामस्वरूप की पत्नि सविता देवी, सिगनलमेन स्व. रमेश कुमार की पत्नी लक्ष्मी बाई और नायक स्व. दिनेश चंद्र की पत्नी गुनमाला देवी शामिल हैं। डॉ यादव ने कहा कि शहीद सैनिकों के बलिदान, देश के प्रति सेवा और समर्पण को सदैव स्मरण किया जाएगा। भारतीय नौसेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री को सेना के शौर्य का प्रतीक स्मृति-चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम के दौरान 102 रेजीमेंट इंजीनियर के जवानों ने सिख संप्रदाय की युद्ध शैलियों का प्रदर्शन किया। जवानों के शौर्य और ऊर्जा से प्रभावित होकर मुख्यमंत्री मंच से उतरे और जवानों से मिले। उनका उत्साहवर्धन किया और जवानों के साथ ग्रुप फोटो भी ली। इस अवसर पर सेना के अधिकारी, भूतपूर्व सैनिक और उनके परिजन उप-स्थित थे।

रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा के लिए एनडीए की जीत जरूरी : शिवराज सिंह चौहान

रांची, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

झारखंड में चुनावी बिगुल बजने और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार घोषित होने के बाद विधानसभा चुनाव प्रभारी और केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी प्रत्याशियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुबह 8 बजे चर्चा की। इस दौरान शिवराज सिंह ने सभी प्रत्याशियों से आगामी विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अटल जी के नेतृत्व में राज्य बनाया तो इसे बचाने और संवारने की जिम्मेवारी भी हमारी है। उन्होंने कहा

कि रोटी, बेटी और माटी की सुरक्षा नारा नही संकल्प है। उन्होंने स्थानीय मुद्दों, रोजगार, महिला अपराध जैसे गंभीर विषयों पर फोकस कर विरोधियों को घेरने और प्रदेश में गठबंधन की सरकार के घोटालों, भ्रष्टाचार और नाकामियों को जनता के बीच पहुंचकर उजागर करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा की।

प्रदेश चुनाव सह प्रभारी हिमंत विश्व सरमा ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व में जनता एनडीए गठबंधन की सरकार प्रदेश में बनाने को तैयार बैठी है। प्रत्याशी स्थानीय मुद्दों के साथ साथ प्रदेश के ज्वलंत मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएं। प्रत्येक कार्यकर्ता का परिश्रम हमारे लिए उपयोगी है। हम सभी को साथ लेकर चलें और एक बड़े लक्ष्य को साकार करें। प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पार्टी की उम्मीदों को सभी प्रत्याशी जनता की उम्मीद बनाएं। आज जनता पार्टी से आगे है। भ्रष्ट और निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकने केलिए तैयार है। कहा कि हम सब जनता के दरवाजे तक जाएं। जनता का आशीर्वाद प्राप्त करें। कहा कि जनता मोदी जी के नेतृत्व पर भरोसा करती है। मोदी की गारंटी पर जनता को विश्वास है। कहा कि लोकसभा चुनाव में जनता ने जो ट्रेलर इंडी गठबंधन के उम्मीदवारों को दिखाया है उसकी पूरी फिल्म विधानसभा चुनाव में सामने आएगी। बैठक को क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने भी संबोधित किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

झारखंड के पूर्व विधायक जनार्दन पासवान लोजपा (आर) में शामिल हुए

रांची, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

झारखंड में चतरा के पूर्व विधायक जनार्दन पासवान आज लोजपा (रामविलास) में शामिल हो गए। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल खालिक ने दिल्ली में झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान के साथ जनार्दन पासवान को पार्टी की सदस्यता दिलाई। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद प्रधान महासचिव अब्दुल खालिक एवं झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष बिरेन्द्र प्रधान के साथ जनार्दन पासवान लोक जनशक्ति पार्टी (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्र सरकार में मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की एवं चतरा विधानसभा के लिए अपनी दावेदारी पेश करते हुए पार्टी के सिंबल के लिए निवेदन किया। उल्लेखनीय है कि जनार्दन पासवान पहली बार जनता दल के टिकट पर 1995 में चतरा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीते थे। इसके बाद वे वर्ष 2009 में राजद से दोबारा चतरा के विधायक चुने गए।

तीन करोड़ की स्मैक के साथ पति-पत्नी समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

रूद्रपुर/नैनीताल, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले के पुलभट्टा में पुलिस ने तीन करोड़ की स्मैक के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। कुमाऊं में स्मैक तस्करी की यह अभी तक की सबसे बड़ी खेप मानी जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मणिकांत मिश्रा ने रविवार को पत्रकारों से इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि शनिवार रात को पुलभट्टा के थाना प्रभारी रवीन्द्र सिंह बिष्ट की अगुवाई में पुलिस टीम द्वारा ड्रग फ्री देवभूमि अभियान के तहत शंकर फार्म के पास वाहनों की सघन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान वैगनार कार संख्या यूपी 14 सीएफ 9528 को रोका गया और उसकी तलाशी ली गयी तो 1.058 किलोग्राम स्मैक बरामद की गयी। कार में सवार तीनों अभियुक्तों को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह बरामद स्मैक को उप्र के फतेहगंज, पश्चिमी बरेली निवासी रिफाकत से खरीद कर लाये हैं और सितारगंज बेचने के लिये ले जा रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में आसमा एवं खुर्शीद निवासीगण अलीखां मोहल्ला हजरत नगर, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर और सानू निवासी मोहल्ला अंसारी, वार्ड नंबर-08, रामकटोरी, फतेहगंज, पश्चिमी बरेली, उप्र शामिल हैं। आसमा और खुर्शीद पति-पत्नी हैं। श्री मिश्रा के अनुसार रिफाकत शातिर किस्म का अपराधी है और वह पत्नी रेशमा के साथ कई बार जेल की हवा खा चुका है। रिफाकत नशे का बड़ा कारोबार करता है और उसके द्वारा स्मैक की बड़ी खेप ठाकुरद्वारा पहुंचायी जाती है। आर-ोपी रिफाकत पर पश्चिमी बरेली के फतेहगंज में विभिन्न अपराधों में 15 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस उसकी तलाश में जुट गयी है।

बाबा विश्वनाथ की कृपा से पूरा हो रहा स्वस्थ और समर्थ भारत का मिशन : मोदी

प्रधानमंत्री ने आर जे शंकर नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन किया

वाराणसी, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वाराणसी में आर जे शंकरा नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने काशीवासियों और पूरे पूर्वांचल को इस आधुनिक अस्पताल की सौगात मिलने पर बधाई दी। उन्होंने इसे काशी के लिए आधुनिकता और आध्यात्मिकता का संगम बताया और कहा कि भगवान शंकर की नगरी में स्थापित यह अस्पताल यहां के बुजुर्गों, बच्चों और गरीबों को बेहतर नेत्र चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ और समर्थ युवा पीढ़ी ही विकसित भारत के संकल्प को पूरा कर सकेगी। उन्होंने कहा कि इस मिशन में शंकराचार्य का आशीर्वाद उनके साथ है और बाबा विश्वनाथ की कृपा से यह मिशन सफल होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि काशी के लिए यह दिन विशेष है, क्योंकि इस आधुनिक नेत्र चिकित्सालय की स्थापना से पूर्वांचल को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल केवल नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा देगा। यहां मेडिकल कॉलेज के छात्रों को प्रैक्टिस का अवसर मिलेगा, वहीं सपोर्ट स्टाफ के रूप में नौकरियों के भी रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा, काशी अनंत काल से धर्म और संस्कृति की राजधानी रही है, और अब यह स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी अग्रणी हो रही है। काशी अब यूपी के बड़े आरोग्य केंद्र यानी हेल्थकेयर हब के रूप में उभर रही है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में शंकराचार्य जी के आशीर्वाद को विशेष रूप से याद किया। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह बहुत संतोष का विषय है कि शंकराचार्य जी के मार्गदर्शन में मैंने कई कार्य पूरे किए हैं। उनके आशीर्वाद से पूर्वांचल को यह आधुनिक अस्पताल मिला है। यह मेरे संसदीय क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी सौगात है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें शंकराचार्यों का सानिध्य और स्नेह प्राप्त हुआ, और यह उनके जीवन का बड़ा सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु शंकराचार्य का काशी आना और यहां के जनप्रतिनिधि के रूप में उनका स्वागत करना उनके लिए एक व्यक्तिगत संतोष का विषय है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर अपने मित्र और व्यापार जगत के प्रसिद्ध व्यक्ति राकेश झुनझुनवाला को भी याद किया। उन्होंने कहा, झुनझुनवाला जी की व्यापार जगत में एक विशिष्ट पहचान थी, लेकिन वह सेवा कार्यों से भी जुड़े थे। उनकी विरासत को उनका परिवार आगे बढ़ा रहा है, और यह अस्पताल उसी का एक प्रमाण है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर झुनझुनवाला के सेवा कार्यों की सराहना की और कहा कि उनका योगदान समाज के लिए प्रेरणादायक रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वांचल में पिछले एक दशक में हुए स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आज से 10 साल पहले पूर्वांचल में दिमागी बुखार जैसी गंभीर बीमारियों के लिए ब्लॉक स्तर पर उपचार की कोई सुविधा नहीं थी। लेकिन आज, 100 से अधिक केंद्र इन बीमारियों के इलाज के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 10,000 से अधिक बेड जोड़े गए हैं। इसके अलावा, गांवों में 5,500 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं, और 20 से अधिक डायलिसिस यूनिट अब काम कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति पुरानी सोच और अप्रोच को पूरी तरह बदल दिया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी भारत की नई राजनीति के पांच स्तंभ हैं। पहला बीमारी से पहले का बचाव, दूसरा बीमारी की समय पर जांच, तीसरा मुफ्त और सस्ता इलाज एवं दवाइयां, चौथा छोटे शहरों में अच्छा इलाज और डॉक्टरों की उपलब्धता और पांचवां टेक्नोलॉजी का विस्तार।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को बीमारी से बचाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है, क्योंकि बीमारी गरीब को और गरीब बना देती है। बीते 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, लेकिन एक गंभीर बीमारी उन्हें फिर से गरीबी में धकेल सकती है। इसी कारण सरकार पोषक खानपान और टीकाकरण पर विशेष जोर दे रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 10 साल पहले करोड़ों बच्चे टीकाकरण से वंचित थे। उन्होंने मिशन इंद्रधनुष की शुरुआत की, जिससे टीकाकरण की दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उन्होंने बताया कि यह अभियान कोरोना काल में भी काफी मददगार साबित हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीमारी का समय पर पता लगना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि उसका इलाज। इसी उद्देश्य से देशभर में आरोग्य धाम मंदिर, क्रिटिकल केयर ब्लॉक, और आधुनिक लैब का नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही डिजिटल हेल्थ आईडी और ई-संजीवनी ऐप के माध्यम से घर बैठे परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने छोटे शहरों में बड़े अस्पतालों के विस्तार का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि बीते पांच वर्षों में हजारों नई मेडिकल सीटें जोड़ी गई हैं, और अगले पांच वर्षों में 75,000 नई मेडिकल सीटें और जोड़ी जाएंगी।

इसके साथ ही, ड्रोन टेक्नोलॉजी को भी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि बिहार में भी शंकर नेत्रालय जैसे अस्पताल खोले जाएंगे, ताकि वहां के मेहनती और परिश्रमी लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके।

उद्घाटन समारोह में कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य जगद्गुरू स्वामी विजयेन्द्र सरस्वती का आशीर्वाद लेने के बाद प्रधानमंत्री ने उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, डॉ. बालासुब्रमण्यम, रेखा झुनझुनवाला और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

किसानों के कल्याण पर बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

रसायन मुक्त खेती से ही मिट्टी और मानव दोनों का भला

लखनऊ, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रसायनमुक्त खेती पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इसी से मिट्टी और मानव दोनों का भला होगा। सहफसली से किसानों की आय बढ़ेगी। सीएम योगी ने कहा, हमें गंभीर बीमारियों से बचने के लिए रसायनमुक्त खेती की ओर बढ़ना होगा। इससे किसानों की आय भी बढ़ेगी और प्राकृतिक खेती करने में उत्पादन लागत भी कम होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में कुछ प्रगतिशील किसान इस दिशा में बेहतर काम कर रहे हैं। बिजनौर में एक प्रगतिशील किसान टिश्यू कल्चर से गन्ना की खेती से तीन गुना तक उत्पादन ले रहा है।

आम तौर पर पूर्वी यूपी में 100-150 क्विंटल प्रति एकड़, पश्चिमी यूपी में 300 क्विंटल प्रति एकड़ गन्ने की पैदावार होती है। वहीं, बिजनौर का यह प्रगतिशील किसान 900 क्विंटल प्रति एकड़ तक पैदावार ले रहा है। यह किसान खुद ही गन्ने के रस से सिरका बनाकर बाजार में आपूर्ति करना है। इस तरह की उद्यमशीलता किसानों के जी-वनस्तर में बड़ा बदलाव लाने में सक्षम है।

प्राकृतिक या जैविक खेती करने वाले किसानों को अपनी उपज की मार्केटिंग करने में आने वाली दिक्कतों और उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाने के मसले पर सीएम ने कहा कि जीरो बजट और प्राकृतिक खेती में रसायनिक खाद और कीटनाशक इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं होती है। इससे लागत में प्रति एकड़ 10-15 हजार रुपए तक की कमी आ जाती है। सीएम ने कहा कि किसानों को इस तरह से ली जाने वाली पैदावार का प्रमाणीकरण (सर्टिफिकेशन) लेना जरूरी है। इससे बाजार में अपेक्षाकृत बेहतर दाम भी मिलता है। हम प्रमाणीकरण के लिए हर मंडी में व्यवस्था कर रहे हैं। किसान बीज से बाजार तक, हर स्तर पर प्रमाणीकरण करवाकर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं। एक बार इस ओर बढ़ें तो किसानों के लिए आय में वृद्धि के रास्ते खुद ही खुलते जाते हैं।

सीएम ने प्राकृतिक खेती से मिलने वाली उपज के लाभ भी साझा किए। सीएम ने कहा कि प्राकृतिक खेती से मिलने वाली उपज की गुणवत्ता अच्छी होती है। यह साफ-सुथरी भी होती है। इसकी महक भी इतनी अच्छी होती है कि उपभोक्ता भी अच्छे दाम देने को तैयार हो जाते हैं। सीएम ने कहा कि कैंसर, किडनी और लिवर की गंभीर बीमारियों से बचने के लिए रसायन मुक्त खेती की ओर जाना होगा। इससे मानव और मिट्टी दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

प्राकृतिक खेती को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए उठाए जा रहे कदम के बारे में सीएम योगी ने कहा कि सरकार इस दिशा में काफी गंभीरता से काम कर रही है। हर विद्यालय में पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं। समाचार पत्रों के माध्यम से भी विद्यार्थियों को प्राकृतिक खेती समेत तमाम विषयों की जानकारी दिए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। किसान विकास केंद्र (केवीके) और कृषि विवि के साथ मिलकर मीडिया भी इस दिशा में जागरूकता लाने में अपना योगदान दे सकता है।

लखनऊ में 250 साल पुराने शिव मंदिर पर वक्फ बोर्ड ने किया दावा

लखनऊ, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ में वक्फ बोर्ड ने 250 साल पुराने शिवालय मंदिर को अपनी सम्पत्ति होने का दावा किया है। यह मामला सआदतगंज के शिव मंदिर से जुड़ा है, जिसे वक्फ बोर्ड ने अपने दस्तावेजों में दर्ज कर लिया है।

सआदतगंज का यह शिवालय लगभग 250 वर्ष पुराना है और स्थानीय लोगों के लिए यह एक श्रद्धा का केंद्र है। जबकि, वक्फ बोर्ड ने पिछले आठ वर्षों में इस मंदिर को अपने कब्जे में लेने का दावा किया है। स्थानीय निवासी, लक्ष्मण, ने कहा कि हम नहीं समझ पा रहे हैं कि वक्फ का दावा कैसे संभव है। यह मंदिर सनातन धर्म का केंद्र है और यहां वर्षों से पूजा अर्चना होती आई है।

वक्फ बोर्ड का दावा है कि मंदिर की भूमि वक्फ की सम्पत्ति है। इसके पीछे का कारण एक कागज है जो यह दर्शाता है कि खसरा नंबर 1944 शिवालय के नाम पर दर्ज है। 2016 में वक्फ बोर्ड ने इसे अपनी सम्पत्ति घोषित किया।

इस प्रक्रिया में कुछ हलफनामे भी शामिल हैं, जिसमें कहा गया है कि यह भूमि वक्फ में दर्ज की जानी चाहिए। सैयद अब्बास आमिर का एक हलफनामा भी इस मामले में सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि शिवालय की जमीन को वक्फ में शामिल किया जाना आवश्यक है। यह दावे इस बात की ओर इशारा करते हैं कि शायद कोई प्रशासनिक लापरवाही या राजनीतिक दबाव काम कर रहा है।

एक मंदिर की जमीन वक्फ की सम्पत्ति कैसे हो सकती है? वक्फ सम्पत्ति केवल उन जमीनों पर लागू होती है जो मुसलमानों द्वारा दान की गई हों लेकिन कोई भी मुस्लिम व्यक्ति मंदिर लिए दान नहीं कर सकता, इसलिए वक्फ बोर्ड के दावे पर निश्चित रूप से सवाल उठेगा।

इस पूरे मामले को और भी गंभीर बनाता है वक्फ बोर्ड की गतिविधियां, जिसमें उन्होंने न केवल मंदिर की जमीन पर अवैध कब्जा किया। इसके बाद वक्फ बोर्ड ने यह जमीन माफिया मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशां अंसारी को पट्टे पर दे दी। आरोप है कि अफशां अंसारी ने वक्फ बोर्ड से लीज पर ली गई जमीन को प्लॉटों में बांटकर बेच दिया। यह सब तब हुआ जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी।

10 वर्ष में काशी में 44 हजार करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत: योगी

वाराणसी, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। वाराणसी में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक ओर जहां इंफ्रास्ट्रक्चर में रोजगार के नए-नए माध्यम सृजित हुए हैं, वहीं दूसरी ओर देश के अंदर आम नागरिक के जीवन से जुड़ी स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य योजनाएं भी नए रूप में देखने को मिली हैं। सौभाग्य है कि नए भारत के नेतृत्वकर्ता के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के काशी से देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपनी आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए नए काया और कलेवर के रूप में 10 वर्ष में बदलती काशी को पूरा देश-दुनिया देख रही है। सीएम योगी ने कहा कि 10 वर्ष में केवल काशी में ही 44 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। 34 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 10 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। दीपावली के ठीक पहले आज काशीवासियों को 3200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित किया। सीएम ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न प्रदान कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा कि 10 वर्ष में हमने बदलते हुए नए भारत को देखा है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार होते और मूर्त रूप लेते देखा है। भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। रोड, एयर कनेक्टिविटी, वाटरवे या रेलवे-पब्लिक ट्रांसपोर्ट, नगरीय क्षेत्रों की मेट्रो व रैपिड रेल की सुविधा हो, प्रत्येक क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर का आज आधुनिक मॉडल देखने को मिला है। दीपावली के ठीक पहले पीएम के करकमलों से काशीवासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों को 6700 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा की ऐतिहासिक विजय पर प्रदेशवासियों व काशीवासियों की तरफ से पीएम का स्वागत-अभिनंदन किया।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम के करकमलों से काशी में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन के शिलान्यास, आगरा में नए एयरपोर्ट के शिलान्यास व सहारनपुर के सरसावा एयरपोर्ट के लोकार्पण हो रहा है। इसके लिए सहारनपुर व आगरा के नागरिकों की तरफ से आभार प्रकट करता हूं। समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, अनिल राजभर, रवींद्र जायसवाल, गिरीश चंद्र यादव, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', महापौर अशोक तिवारी, विधायक नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, टी. राम, डॉ. अवधेश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

इटावा में फर्जी दस्तावेजों से नौकरी पाए आठ सरकारी शिक्षक बर्खास्त

इटावा, 20 अक्तूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी पाए आठ सरकारी शिक्षकों को जांच के बाद तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया गया है। इटावा के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ.राजेश कुमार ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इटावा जिले में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के फर्जी अंकपत्र से नौकरी पाने वाले आठ शिक्षकों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इनमें से एक शिक्षिका सेवाएं समाप्ति की कार्रवाई से पहले ही त्यागपत्र दे चुकी है। अब विभाग बर्खास्त शिक्षकों से वसूली समेत अन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। डॉ. कुमार ने बताया कि फर्जी अभिलेखों से आठ शिक्षक अलग-अलग परिषदीय विद्यालयों में नौकरी कर रहे थे।

इन शिक्षकों ने 2011 में टीईटी में फेल होने पर फर्जी प्रमाणपत्र लगाकर नौकरी हासिल की थी। उन्होंने बताया कि विभागीय स्तर पर 2020 में हुए सत्यापन में इनके अंकपत्र फर्जी मिले थे। इस पर सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की संस्तुति की गई थी।

इस दौरान आदेश के खिलाफ शिक्षक कोर्ट चले गए थे। याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायालय ने मामले में फिर से जांच के आदेश दिए थे। इस पर बीईओ मुख्यालय उदय सिंह राज की ओर से मामले की दोबारा जांच की गई।

दोबारा जांच में भी फर्जी अंकपत्र की बात पुष्ट होने पर चार अक्तूबर को नियुक्ति निरस्त करने की कार्रवाई की गई।

इन शिक्षकों में चार ताखा, दो चकरनगर, एक बसरेहर और एक भरथना विकास खंड के हैं। कार्रवाई की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी है।

चकरनगर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय चौरेलापार के शिक्षक सौरभ श्रीवास्तव, उच्च प्राथमिक विद्यालय कचहरी के उपेंद्र यादव, बसरेहर के संतोषपुरा घार की रश्मी वर्मा, भरथना के ऊमरसेंड़ा विद्यालय के योगेंद्र कुमार, ताखा के प्राथमिक विद्यालय सरावा के राजवीर सिंह, प्राथमिक विद्यालय भागा के विकास कुमार, प्राथमिक विद्यालय रिदोली के दिलीप सिंह और उच्च प्राथमिक विद्यालय कुदरैल के शैलेंद्र प्रताप पर कार्रवाई की गई है। रश्मि वर्मा ने पहले ही इस्तीफा दे दिया था। कुमार ने बताया कि शासन की ओर से नए आदेशों का इंतजार किया जा रहा है नए जो भी आदेश आयेगे उसी अनुरूप अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

रायबरेली में बैंक की बिल्डिंग में लगी आग,कोई हताहत नहीं

रायबरेली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली के चंदापुर मंदिर के सामने स्थित केनरा बैंक बिल्डिंग में रविवार को भीषण आग लगने से अफरा तफरी मच गई, तत्काल फायर ब्रिगेड गाड़ियां पहुंचने से किसी के हताहत होने की सूचना नही है।

फायर ब्रिगेड विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चंदापुर शिव मंदिर के सामने नागेश्वर कॉम्प्लेक्स बिल्डिंग में जहां केनरा बैंक स्थित है , उसके बेसमेंट में भीषण आग लग गयी। फायर ब्रिगेड विभाग को दिन में करीब 11 बजे आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां तथा आईटीआई की एक गाड़ी और बिरला सीमेंट फैक्टरी की एक गाड़ी कुल मिलाकर कर 5 गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और राहत कार्य शुरू कर दिया गया। बताया गया कि यह आग नीचे बेसमेंट में लगी थी जहां जूते आदि की दुकानें है। बेसमेंट के ठीक ऊपर कई बड़ी दुकानें है। इसी बिल्डिंग के ऊपर की मंजिल में केनरा बैंक स्थित है। आग लगने से भयंकर धुंआ चारो ओर फैल गया जिससे आसपास के लोगो मे दहशत फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने लगातार राहत व बचाव का कार्य करते हुए तत्काल आग पर काबू पाया और इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नही है।

संपादकीय

फिर सैनी की ताजपोशी

भले ही यह अप्रत्याशित हो, लेकिन यह एक टकसाली हकीकत है कि हरियाणा में भाजपा को तीसरे कार्यकाल के लिये स्पष्ट जनादेश मिला है। हो सकता है पार्टी यह कहे कि यह निर्णायक जनादेश भाजपा के शासन मॉडल के प्रति विश्वास मत के रूप में अभिव्यक्त हुआ है, लेकिन इसके बावजूद जरूरत इस बात की है कि उन मुद्दों पर मंथन किया जाए जिनको लेकर चुनाव के दौरान जनता में असहजता थी। निस्संदेह, नायब सिंह सैनी, जिनको पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की छाया में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें लेकर पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है। मगर जिस चीज से नायब सिंह सैनी को सावधान रहने की जरूरत है, वह है अति-आत्मविश्वास। हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अति-आत्मविश्वास की कीमत चुकाई है। निस्संदेह, सैनी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के पास हरियाणा में आधारभूत बदलाव से जनाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने का सुनहरा मौका है। उन्हें पूर्ण बहुमत वाली सरकार के रूप में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिये कृतसंकल्प होने की जरूरत है। दरअसल, चुनावी राजनीति में जनता के दरबार में उछले विपक्षी नेताओं के आरोप कई बार सत्तापक्ष को आत्मविश्लेषण का मौका भी देते हैं। चुनावी माहौल में जहां विपक्षी दल सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों को लेकर मुखर होते हैं, वहीं ऐसे मौके पर जनता की अभिव्यक्ति का भी अहसास होता है। भाजपा जैसे कुशल संगठन वाली कैडर आधारित पार्टी से उम्मीद की जाती है कि जिस तरह उसने चुनावों में माइक्रो मैनेजमेंट किया, उसी तरह उसकी सरकार से भी उम्मीद की जाती है कि वह समस्याओं को भी बेहद करीब से सूक्ष्म स्तर पर महसूस करेगी। बहरहाल, भाजपा की इस जीत ने एक संदेश यह भी दिया है कि महज सत्ताविरोधी रुझान ही चुनाव परिणामों की दिशा-दशा तय नहीं करते। बदलाव की आकांक्षा को सुशासन व बेहतर प्रबंधन के मुद्दे भी गहरे तक प्रभावित करते हैं। निश्चित रूप से मुख्यमंत्री की दूसरी पारी में कार्यभार संभालने वाले नायाब सिंह सैनी की सरकार पर जनाकांक्षाओं का भारी दबाव होगा। उनका प्राथमिक उद्देश्य जनता से किये गए वायदों और उनके क्रियान्वयन होगा, जिससे जनता सुशासन की उपलब्धि महसूस कर सके। निश्चित रूप से किसी योजना की सार्थकता इस बात पर निर्भर करती है कि जनता उससे किस हद तक लाभान्वित महसूस करती है। कई बार व्यवस्था की विसंगति इस मार्ग में बाधक बन जाती हैं। इसके लिये आश्वासन व क्रियान्वयन में साम्य जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, पिछले मार्च में जब सैनी ने अपने गुरु मनोहर लाल खट्टर की छत्रछाया में सरकार का दायित्व हासिल किया था तो उन्हें राजनीतिक हलकों में गंभीरता से नहीं लिया गया। लेकिन उन्होंने पिछले विधानसभा चुनावों में न केवल खुद को साबित किया बल्कि राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। निस्संदेह, हरियाणा के इस नये जनादेश के दूरगामी परिणाम होंगे। इतना ही नहीं इस जीत ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व में भी एक नया उत्साह भर दिया। यह उत्साह महाराष्ट्र व झारखंड के चुनाव अभियान में भी नजर आ रहा है। निश्चित रूप से इन चुनावों ने मुख्यमंत्री के रूप में नायब सिंह सैनी का राजनीतिक कद बढ़ाया है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से भी उन्हें सकारात्मक प्रतिसाद व संबल मिला है। वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं तो उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं। उन्हें क्षेत्र व जाति की सीमाओं से परे 'सबका साथ, सबका विकास' का लक्ष्य हासिल करना है। उनके लिये यह सुखद है कि जहां राज्य में उन्हें पिछली बार के मुकाबले ज्यादा सीटें मिलने से पूर्ण बहुमत हासिल हुआ है, वहीं केंद्र से भी उन्हें भरपूर समर्थन मिल रहा है। निस्संदेह, उन्हें 'डबल इंजन की सरकार' के मुहावरे को साकार करने का अवसर मिला है। जरूरत इस बात की कि वे पूर्व सरकार के मुखिया की छाया से निकलकर शासन की नई सर्व स्वीकार्य दिशा तय करें। वे महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम नजर आएं, जिससे राज्य में सरकार की स्वीकार्यता बढ़ सके। जिसमें पार्टी के वरिष्ठ विधायकों का अनुभव व कनिष्ठ विधायकों की ऊर्जा मददगार होगी।

> निस्संदेह, नायब सिंह सैनी, जिनको पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की छाया में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, लेकिन उनके नेतृत्व में पार्टी ने पिछली बार से अधिक सीटें लेकर पूर्ण बहुमत से सरकार बनायी है। मगर जिस चीज से नायब सिंह सैनी को सावधान रहने की जरूरत है, वह है अति-आत्मविश्वास। हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने अति-आत्मविश्वास की कीमत चुकाई है। निस्संदेह, सैनी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार के पास हरियाणा में आधारभूत बदलाव से जनाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने का सुनहरा मौका है। उन्हें पूर्ण बहुमत वाली सरकार के रूप में जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिये कृतसंकल्प होने की जरूरत है। दरअसल, चुनावी राजनीति में जनता के दरबार में उछले विपक्षी नेताओं के आरोप कई बार सत्तापक्ष को आत्मविश्लेषण का मौका भी देते हैं।

नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा

जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्रः सरकार से बड़ी उम्मीदें

ललित गर्ग

> जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है।

आखिरकार जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की धूप खिल ही गयी, पांच साल बाद केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। इस भूमिका तक पहुंचाने में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना ऐसे ही प्रयासों की सार्थक निष्पत्ति है। नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा। जम्मू एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर कर मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक समर्थन दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून, अमन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्भावना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले। जिसमें आम नागरिक खुद को सुरक्षित अनुभव करते हुए राष्ट्रीय विकास की धारा के साथ-साथ कदमताल कर सके। निश्चित ही उमर के सामने चुनौतियां बड़ी हैं, आम लोगों को भी उनकी कठिनाइयों का अंदाजा है, वहीं खुद उमर ने भी व्यावहारिक नजरिया अपनाने का संकेत दिया है। चुनाव के दौरान अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग पर कड़ा रुख अपनाने वाले उमर ने चुनाव नतीजे आने के बाद इस मसले पर अपना रुख नरम कर लिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात ऐसे नहीं हैं, जिनमें इस मुद्दे पर जोर देने का किसी को कुछ फायदा होगा। उम्मीद बढ़ाने वाली बात यह भी है कि चुनावी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए सभी पक्षों ने सहयोग का रुख अपनाने का संकेत दिया है। न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नई सरकार के साथ मिलकर काम करने का संकेत दिया है बल्कि खुद उमर ने भी उपराज्यपाल से टकराव की बजाय आपसी समझ एवं सकारात्मकता से शासन करने की मंशा जतायी है, जो जहां जम्मू-कश्मीर की जनता के हित में है वही उमर की राजनीतिक सूझबूझ, परिपक्वता एवं विवेक का परिचायक है। चाहे उपमुख्यमंत्री पद जम्मू संभाग से चुने गए विधायक सुरिंदर चौधरी को स्थान देने की बात हो या कांग्रेस के लिए कैबिनेट में स्थान खाली रखने की, उमर अब्दुल्ला यह संकेत दे रहे हैं कि वह सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। कांग्रेस ने फिलहाल सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है, लेकिन इसका कारण राज्य का दर्जा न मिलने को बताया है। उमर को हर कदम सावधानी से उठाने होंगे ताकि कोई भी स्थिति मंत्री पदों की संख्या का या इंडिया गठबंधन के घटक दलों में मतभेद एवं टकराव का न बन जाए। उमर के एक-एक फैसले पर कैबिनेट और उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र का मसला सामने आ सकता है। ऐसे में देखना होगा कि इन सबके बीच जम्मू-कश्मीर की नई सरकार उमर के नेतृत्व में कितने सधे कदमों से आगे बढ़ती है। क्योंकि सरकार को अपना दायित्व इस बात को ध्यान में रखकर निभाना होगा कि केंद्रशासित प्रदेश में उपराज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं। केंद्र शासित प्रदेश में एक दशक बाद हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं का खासा उत्साह लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूती दे रहा है। कहीं न कहीं जनता ने स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे हिंसा, अस्थिरता, आतंकवाद व अलगाववाद से छुटकारा चाहते हैं। जाहिरा तौर पर नई सरकार के सामने व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करने की चुनौती होगी। इसलिये जम्मू-कश्मीर में नई सरकार को व्यापक जनाकांक्षाओं को पूर्ण करते हुए बदली हुई शासन व्यवस्था के साथ भी साम्य स्थापित करना है। इस बात का अहसास उमर अब्दुल्ला को भी है कि शासन चलाने में अब पहले जैसी स्वतंत्रता नहीं होगी। विश्वास किया जाना चाहिए कि कम से कम सीमावर्ती घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए इस केंद्रशासित प्रदेश में वैसा टकराव देखने को नहीं मिलेगा, जैसा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार और एलजी के बीच देखने को मिलता रहा है। विश्वास करें कि नई सरकार को प्रशासनिक मामलों में नौकरशाही का पर्याप्त सहयोग मिलता रहेगा। नीति-नियंताओं को ध्यान रखना होगा कि सरकार चलाने में किसी भी तरह का अनावश्यक व्यवधान कालांतर अशांति का वाहक बनेगा। उम्मीद करें कि यथाशीघ्र पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर में प्रशासन की विसंगतियां दूर की जा सकेंगी।

दृष्टि कोण

राजनीतिक असंवेदनशीलता से बढ़ता स्वास्थ्य जोखिम

दिल्ली में कूड़े के पहाड़ गंभीर समस्या बन चुके हैं, और इस पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी चिंता जताई है। प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए गठित विशेष कार्यबल की बैठक में कचरे के निपटान में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर कचरा निपटान के लिए मौजूदा कानूनों के सख्त अनुपालन और कचरे से बिजली बनाने की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही, सड़कों और निर्माण गतिविधियों में धूल नियंत्रण के उपायों को भी प्राथमिकता देने की बात की गई। वास्तव में स्वच्छ भारत मिशन का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में वर्षों से जमा कूड़े के ढेरों को समाप्त करना था, जो अब पहाड़ की शक्ल ले चुके हैं। यह मिशन 2 अक्तूबर, 2014 को शुरू हुआ, और एक महत्वपूर्ण पड़ाव 1 अक्तूबर 2021 को आया जब एसबीएम-2.0 की शुरुआत हुई। इस योजना के तहत कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया, और यह सुनिश्चित किया गया कि भविष्य में ऐसी समस्याएं न उभरें। केंद्र सरकार ने कूड़े के ढेरों को समाप्त करने के लिए 3000 करोड़ रुपये से अधिक की योजना शुरू की थी, जिसमें राज्यों से सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की गई थी। हालांकि, राजनीतिक दांवपेच के चलते इन कूड़े के पहाड़ों का निवारण अब तक नहीं हो सका है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में केवल 15 फीसदी कूड़े के पहाड़ कम हो पाए हैं, जिसकी आवास और शहरी विकास मंत्रालय द्वारा भी पुष्टि की गई है। यह स्थिति समस्या के समाधान में अनिच्छा और समन्वय की कमी को दर्शाती है। देश में 2,421 कूड़ाघर हैं, जहां 1,000 टन से अधिक ठोस कचरा जमा है। आवास और शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, कूड़े के पहाड़ों में लगभग 15,000 एकड़ जमीन पर 16 करोड़ टन से ज्यादा कचरा फंसा है, जिसका निस्तारण एक बड़ी चुनौती है। प्रयासों के बावजूद, केवल 470 स्थानों को पूरी तरह साफ किया जा सका है, जबकि 730 साइटें अभी तक निस्तारण की प्रक्रिया से बाहर हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि नगर निकायों के पास कचरे के निस्तारण की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। कुछ राज्यों की बात करें तो इस मामले में गुजरात शीर्ष पर है, जहां 202 लाख टन ठोस कचरे में से केवल 10.73 लाख टन कचरे का ही वहां निस्तारण होना बाकी है। जबकि देश की राजधानी दिल्ली में 203 लाख टन ठोस कचरे में से 126.02 लाख टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है। महाराष्ट्र में 388 लाख टन में से 242 लाख टन, पंजाब में 73.62 लाख टन में से 37.73 लाख टन, मध्य प्रदेश में 63.23 लाख टन में से 47.68 लाख टन, जम्मू-कश्मीर में 22.10 लाख टन में से 21.08 लाख टन, उत्तराखंड में 14.12 लाख टन में से 7.36 लाख टन और छत्तीसगढ़ में 6.54 लाख टन में से 0.52 लाख टन कचरे का निस्तारण अभी बाकी है। आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार 1,250 डंप साइटों में कूड़ा निस्तारण का काम पिछले दिनों शुरू कर दिया गया है। राजधानी दिल्ली में लाख कोशिशों के बावजूद कूड़े के पहाड़ खत्म होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यहां चार बार तो समय सीमा भी बदली जा चुकी है। सरकार, नगर निगम के बीच दांवपेच के चलते अभी तय की गयी दिसम्बर, 2028 की समय सीमा में फिर बदलाव हो सकता है। दिल्ली में गाजीपुर, ओखला और भलस्वा ये तीन मुख्य लैंडफिल साइटें हैं। यहां ओखला और भलस्वा में कचरा निस्तारण का काम बंद पड़ा है। गाजीपुर लैंडफिल साइट पर निस्तारण प्रक्रिया की धीमी गति के कारण, वहां 30 लाख मीट्रिक टन कूड़े का निस्तारण होना चाहिए था, लेकिन अब तक केवल 12 लाख मीट्रिक टन कचरे का ही निस्तारण हो सका है।

कुछ अलग

महंगाई की फिक्र

ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। तभी मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है। वैसे जिस तरह कोविड संकट से उबरती दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के संकट से जूझना पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। यह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर-वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, देश के बुजुर्गों को बचत खाते में अधिक ब्याज मिलने से लाभ जरूर हो रहा है। लेकिन महंगाई का प्रभाव तो समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। वहीं थोक व फुटकर की महंगाई के आंकड़े भले ही इसके कम होने की बात कर रहे हों, लेकिन व्यवहार में फल-सब्जी व खाद्य पदार्थों की महंगाई उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर कर्ज लेने वाले लोगों को बढ़ी किस्तें भी परेशान कर रही हैं। कारोबारी और कामकाजी लोग काफी समय से आस लगाए बैठे थे कि यदि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कुछ कमी करता है तो ऋण सस्ते होने से उनके कर्ज की किस्त कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन महंगाई की चिंता कर रहा केंद्रीय बैंक ऐसे किसी कदम को उठाने से परहेज कर रहा है। लेकिन एक बात तो तय है कि महंगाई दर में कमी के दावों का अहसास आम आदमी को भी होना चाहिए। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि महंगाई के आंकड़ों पर काबू पाने का वास्तविक लाभ आम उपभोक्ता को कैसे और कब मिलेगा। कोशिश की जानी चाहिए कि त्योहार के मौसम में आम आदमी को दैनिक उपभोग की वस्तुएं मसलन खाद्यान्न, सब्जी-फल, डेरी उत्पाद व खाद्य तेल वाजिब दामों में मिले। तभी महंगाई पर नियंत्रण के सरकारी दावे सिरे चढ़ सकेंगे।

देश दुनिया से

लोकतंत्र की कसौटी पर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'

> गठबंधन सरकार के नेतृत्व के साथ– जल्द ही हरियाणा राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। जिसके पिछले सप्ताह घोषित परिणामों ने राजनेताओं और चुनाव विशेषज्ञों, दोनों को चौंका दिया। हरियाणा में मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अप्रत्याशित जीत हासिल की, जहां पर उसकी हार की उम्मीद बताई जा रही थी। वहीं जम्मू-कश्मीर में विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने अपने क्षेत्रीय सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर जीत पाई, जबकि वहां पर चुनावों में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की गई थी।

भारतीय लोकतंत्र की गरिमा बचाने वाला एक अनुग्रह है- हालांकि कुछ लोगों के लिए यह भारत की सबसे अधिक परेशान करने वाली खामियों में एक होगा – कि व्यावहारिक रूप से यहां सदा कोई न कोई चुनाव चलता रहता है। इसलिए, पिछले आम चुनाव की गूंज जैसे ही खत्म हुई – जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पद पर तो बनाए रखा, लेकिन बहुमत के बिना और गठबंधन सरकार के नेतृत्व के साथ– जल्द ही हरियाणा राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। जिसके पिछले सप्ताह घोषित परिणामों ने राजनेताओं और चुनाव विशेषज्ञों, दोनों को चौंका दिया। हरियाणा में मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अप्रत्याशित जीत हासिल की, जहां पर उसकी हार की उम्मीद बताई जा रही थी। वहीं जम्मू-कश्मीर में विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने अपने क्षेत्रीय सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर जीत पाई, जबकि वहां पर चुनावों में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की गई थी। जून के लोकसभा चुनाव में भी चुनाव पंडितों के कयास गलत निकले थे – उन्होंने भाजपा की तगड़ी जीत का अनुमान लगाया था – निश्चित रूप से भारत के मतदाता का अंदाज़ा पहले से नहीं लगाया जा सकता। अपेक्षाओं को धता बताने के और अधिक मौके भारतीय मतदाताओं को शीघ्र ही मिलने जा रहे हैं। साल खत्म होने से पहले और दो राज्यों -महाराष्ट्र और झारखंड – में चुनाव होने जा रहे हैं। उनके बाद नंबर दिल्ली का होगा, जिसके संकटग्रस्त मुख्यमंत्री ने हाल ही में इस्तीफा देकर समय से पहले चुनाव कराने की मांग की है (जो वैसे भी अगले मार्च तक होने हैं)। दूसरे शब्दों में, चुनाव एक साथ होने के बजाय – भारत के 28 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में से हर कोई अपनी सरकारें चुनता है – भारत का यह चुनावी पंचांग अब बदलने की बात हो रही है। मोदी सरकार के लिए, यह सारी चुनाव से संबंधित अनिश्चितता बहुत दूर निकल चुकी है। वह चाहते हैं कि भारत एक निश्चित चुनावी कार्यक्रम स्थापित करे, जिसके अंतर्गत लोकसभा (संसद का निचला सदन), राज्यों की विधानसभाओं और स्थानीय निकायों, सभी के लिए हर पांच साल में एक ही तारीख को मतदान हो। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने हाल ही में इस दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए एक बृहद रिपोर्ट तैयार की, जिसे पीएम मोदी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का नाम दिया है। चुनावों की बारम्बारता वास्तव में किसी राष्ट्रीय सरकार के लिए एक चुनौती है। मसलन, जहां राज्य व स्थानीय चुनावों में अधिकांशतः स्थानीय मुद्दे प्रभावी होते हैं और अक्सर इन्हें राष्ट्रीय सरकार पर एक प्रकार के जनमत संग्रह के रूप में देखा जाता है। दूसरी ओर, स्वतंत्र चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता के कारण चुनाव के दौरान शासन व्यवस्था ठप हो जाती है, ताकि कार्यकारी सरकार ऐसी नीतिगत घोषणाएं न करने पाए, जिससे कि मतदाता उनके पक्ष में मतदान करने के लिए प्रभावित हो। इसके अलावा, राष्ट्रीय नेता चुनाव वाले राज्यों में प्रचार करने में व्यस्त हो जाते हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना राजनीतिक इतिहास होता है और अक्सर, उनकी अपनी पार्टियां भी। पीएम मोदी और उनके गृह मंत्री अमित शाह अपने दस वर्षीय कार्यकाल के दौरान अंतहीन चुनावी अभियान में व्यस्त रहे, जिससे कि उनके अपने आधिकारिक कर्तव्यों के लिए बहुत कम समय बचा। प्रधानमंत्री मोदी की दलील है कि बार-बार चुनाव कराने से पैसा और समय दोनों बर्बाद होते हैं। हो सकता है उन्हें यह विचार भी आया होगा कि एक साथ चुनाव करवाने पर राष्ट्रीय पार्टियों और मुद्दों का फायदा राज्य चुनावों में मिल सकता है, ताकि राष्ट्र व्यापी चुनाव प्रचार में स्थानीय नेताओं और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना कम ही रहे। विपक्ष इस प्रस्तावित सुधार को खारिज करता है, यह इंगित करते हुए कि सभी चुनाव एक साथ करवाने पर खर्च में जो भी मामूली बचत हो पाएगी, उसके बरक्स, चुनाव अभियानों में जिस प्रकार बड़े पैमाने पर पैसा लगाए जाने से आर्थिकी को प्रोत्साहन मिलता है, उससे वंचित होने का नुकसान होगा। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि यह प्रस्ताव भारत के संघीय स्वरूप और विविधता को कुचलने का मंसूबा दर्शाता है, जोकि मोदी के एकात्मकवाद के प्रति लगाव को कार्यकुशलता के रूप में पेश करता है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह अव्यावहारिक है, जिसको हम अपने अनुभवों से जानते हैं। स्वतंत्रता उपरांत, भारत ने एक ही तारीख पर चुनाव करवाने वाली व्यवस्था कायम की थी। लेकिन यह व्यवस्था 1952 से 1967 तक, केवल पंद्रह वर्षों तक चल पाई। इसकी वजह भारत की संसदीय प्रणाली के मूल में निहित हैः सरकारों के लिए विधायी बहुमत बनाए रखना जरूरी है। यदि कोई सरकार अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले बहुमत खो देती है, तो नए चुनाव होने चाहिए।

आप का नजरिया

दुर्भाग्यपूर्ण विवाद

गत एक वर्ष से अधिक समय से भारत तथा कनाडा के बीच जारी कड़वे विवाद का जो चरम हाल ही में देखने में आया है, वह दोनों देशों के दीर्घकालीन संबंधों के हित में कदापि नहीं कहा जा सकता है। निश्चय ही यह दोनों देशों के रिश्तों में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। अपने घरेलू राजनीतिक हितों को साधने के लिये जस्टिन ट्रूडो के हालिया तल्ख आरोपों के चलते ही भारत आलोचना- निंदा जैसे कदमों से कहीं और आगे निकल गया है। भारत की यह प्रतिक्रिया स्वाभाविक ही थी जब जून 2023 में कट्टरपंथी सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर, जिसे भारत ने आतंकवादी घोषित किया था, की हत्या में शीर्ष भारतीय राजनयिकों की संलिप्तता के आरोप कनाडा सरकार द्वारा लगाये गए। नई दिल्ली ने खुले तौर पर इस कटुता को पैदा करने में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नकारात्मक भूमिका का आरोप लगाया है। जिसके मूल में उनका घरेलू राजनीतिक एजेंडा है। भारत सरकार ने उन पर आरोप लगाया है कि अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये तैयार घरेलू एजेंडे के तहत ही जस्टिन ट्रूडो भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया अपना रहे हैं। निश्चित रूप से इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम की परिणति के चलते राजनयिकों के निष्कासन ने दोनों देशों के संबंधों को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। यह निर्विवाद सत्य है कि पिछले एक साल से जारी इस विवाद को सुलझाने में कनाडा की तरफ से संयम दिखाने के प्रयास ना के बराबर ही हुए हैं। जिसकी जवाबदेही जस्टिन ट्रूडो को ही स्वीकारनी होगी। दरअसल, कनाडा में अल्पमत सरकार चला रहे जस्टिन ट्रूडो लगभग नौ वर्ष के कार्यकाल के दौरान अपने घर में लगातार अलोकप्रिय होते जा रहे हैं। यहां तक कि उनके अपने राजनीतिक दल लिबरल पार्टी में उनका मुखर विरोध हो रहा है। इसके चलते पार्टी के भीतर पद छोड़ने को लेकर लगातार दबाव बढ़ रहा है। जो उनकी अपरिपक्व राजनीति का ही पर्याय कहा जा सकता है। दरअसल, अपनी सत्ता को डांवाडोल होते देख, कनाडा के लोगों का ध्यान हटाने के लिये ट्रूडो इस तरह के अप्रिय विवादों को हवा दे रहे हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि सत्ता पर कब्जा बनाये रखने के लिये ट्रूडो सिख चरमपंथी तत्वों का तुष्टीकरण करने हेतु इस तरह के आरोपों को हवा दे रहे हैं। निश्चय ही भारत पर इस तरह के आरोप, राजनीतिक आकांक्षाओं के चलते लगाने से भारत के साथ कनाडा के संबंधों को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई करना अगले कुछ वर्षों में संभव नहीं हो सकेगा। निस्संदेह इस घटनाक्रम ने राजनयिक संकट को और गहरा किया है। इसमें दो राय नहीं कि भारत कनाडा सरकार द्वारा लगातार अलगाववादियों को समर्थन देने पर चिंता व्यक्त करता रहा है। लेकिन अपनी सरकार बचाने में जुटे जस्टिन ट्रूडो ने भारत की मांग को कभी भी गंभीरता से नहीं लिया है। जो मामला अब लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। यह अजीब बात है कि कनाडा सरकार सिख अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये आपराधिक नेटवर्क चलाने का आरोप लगा रही है। हालांकि, भारत विगत में ओटावा से भारतीय मूल के गैंगस्टरों पर लगाम लगाने के लिये कहता रहा है। बहरहाल, आक्रामक राजनीति का यह रवैया भारत-कनाडा के संबंधों को लगातार खतरे में डाल रहा है।

ट्रूदो के कनाडा में भारत के खिलाफ खालिस्तानियों को खुली छूट, भारतीय कांसुलेट के सामने किया उग्र प्रदर्शन, तिरंगे का किया गया अपमान

ओट्टावा, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की लगातार मांग के बावजूद कनाडा की जस्टिन ट्रूडो की सरकार खालिस्तान अलगाववादियों पर लगाम नहीं लगा रही है। बल्कि ऐसा लगता है कि कनाडा में खालिस्तानियों को भारत विरोधी काम करने की छूट दे रखी है। अब खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों ने वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सामने प्रदर्शन किया है, जहां खुलेआम भारतीय तिरंगे का अपमान किया गया। खालिस्तानी अलगाववादियों की इन गतिविधियों के चलते कनाडा में भारतीय राजनयिकों के लिए लगातार खतरा पैदा हो रहा है। हाल ही में खालिस्तान समर्थक प्रदर्शनकारी वैंकूवर में भारतीय कांसुलेट के सामने जमा हो गए। इस दौरान खालिस्तान समर्थकों ने भारत के प्रधानमंत्री का पुतला ले रखा था। कांसुलेट के सामने ही तिरंगे का अपमान किया गया। इस दौरान पीएम मोदी और भारत के खिलाफ नारेबाजी की गई। खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों ने ट्रूडो सरकार से पूरे कनाडा में भारतीय कांसुलेट को बंद करने की मांग की। ये प्रदर्शन ऐसे समय में हुए हैं, जब कनाडा और भारत के रिश्ते बेहद तनाव भरे दौर से गुजर रहे हैं। कनाडा ने भारत के शीर्ष राजनयिकों पर गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने का बेबुनियाद आरोप लगाया था, जिसका भारत ने कड़ा विरोध किया था। 14 अक्टूबर को भारत ने अपने छह राजनयिकों को भारत वापस बुला लिया था। इसके साथ ही कनाडा के छह राजनयिकों को भारत छोड़ने का आदेश दिया गया था। इस बीच कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि उनके देश में बाकी बचे भारतीय राजनयिक भी नोटिस पर हैं। जोली ने कहा कि उनकी सरकार ऐसे किसी भी राजनयिक को बर्दाश्त नहीं करेगी जो विएना संधि का उल्लंघन करेगा। जोली से जब पूछा गया कि क्या दूसरे राजनयिकों पर भी कार्रवाई की जा सकती है इस पर उन्होंने कहा कि वे साफतौर से नोटिस पर हैं। इनमें से 6 को निष्कासित किया गया है, जिनमें ओटावा में तैनात उच्चायुक्त भी शामिल हैं। दूसरे अधिकारी टोरंटो और वैंकूवर से हैं। जोली ने भारत की तुलना रूस से कर डाली।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन का ब्रिक्स देशों से आग्रह, राष्ट्रीय डिजिटल मुद्राओं का इस्तेमाल बढ़ाएं अमेरिकी डॉलर के वैश्विक वर्चस्व को चुनौती देने की अपील

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी डॉलर के वैश्विक वर्चस्व को चुनौती देने के लिए ब्रिक्स देशों से अपील की है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों को पश्चिमी प्रतिबंधों से मुक्त एक सीमा-पार भुगतान प्रणाली की संभावनाओं की तलाश करनी चाहिए। पुतिन का यह बयान रूस द्वारा पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के बाद आया है, जब रूस को वैश्विक वित्तीय सिस्टम से बाहर करने की कोशिश की गई थी। पुतिन ने ब्रिक्स देशों से आग्रह किया कि वे राष्ट्रीय डिजिटल मुद्राओं का इस्तेमाल बढ़ाएं और निवेश परियोजनाओं के वित्तपोषण में इनका प्रयोग करें। उन्होंने साफ कहा कि अभी ब्रिक्स मुद्रा बनाने का समय नहीं है। उनका कहना था कि इस पर विचार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है, लेकिन समूह इसके इस्तेमाल की संभावना पर काम कर रहा है। रूस द्वारा आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले पुतिन ने कहा कि उनका देश ब्रिक्स देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है ताकि एक ऐसी भुगतान प्रणाली तैयार की जा सके, जो अमेरिका और पश्चिमी देशों के नियंत्रण से मुक्त हो। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिक्स देशों के केंद्रीय बैंक एक दूसरे से जुड़े वाणिज्यिक बैंकों का नेटवर्क स्थापित करने पर काम कर रहे हैं। पुतिन के मुताबिक ब्रिक्स देशों को सतर्क रहकर और धीरे-धीरे अपने कदम बढ़ाने चाहिए, ताकि एक मजबूत और सुरक्षित वैश्विक भुगतान प्रणाली बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि अगर जल्दबाजी की गई, तो यूरोपीय संघ में मुद्रा लागू करने के दौरान जैसी समस्याएं आई थीं, उससे भी बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ब्रिक्स देशों की अर्थव्यवस्थाओं के विविध स्वरूप के कारण पुतिन ने सतर्क रुख अपनाने की सलाह दी। उनका मानना है कि राष्ट्रीय मुद्राओं का इस्तेमाल बढ़ाना और एक सुरक्षित भुगतान प्रणाली का निर्माण ब्रिक्स के भविष्य के लिए अहम कदम हो सकता है। इस शिखर सम्मेलन में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी 22 से 23 अक्टूबर को रूस के जाने वाले हैं, जिसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई भी शामिल होंगे।

जॉर्जिया में नाव टकराने से ढहा फेरी प्लेटफॉर्म, सात की मौत, कई लापता

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के सैपेलो द्वीप पर छोटे यात्री जहाज प्लेटफॉर्म के ढहने से बड़ा हादसा हो गया है जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया कि शनिवार को एक नाव से टकराने के बाद घाट पर स्थित एक गैंगवे यानी प्रवेश करने वाला प्लेटफॉर्म ढह गया। इस दौरान वहां जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए लोग पानी में गिर गए जिसकी उनकी मौत हो गई और कई लापता हैं। जॉर्जिया प्राकृतिक संसाधन विभाग के प्रवक्ता के मुताबिक कई लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और कई लोग लातपा बताए जा रहे हैं। जॉर्जिया के गवर्नर ने एक्स पर जानकारी दी कि कि वह और उनका परिवार सपेलो द्वीप पर हुई त्रासदी से दुखी हैं। राज्य और स्थानीय बचाव दल घटना पर मौजूद है और लोगों को तलाश करने का काम जारी है। उन्होंने शहर के लोगों से अनुरोध किया है कि वह उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो खो गए हैं, जो अभी भी खतरे में हैं, उनके परिवारों के लिए भी प्रार्थना करें। गवर्नर ने खोज, बचाव और रिकवरी में सहायता के लिए राज्य संसाधन भेजे हैं। इस हृदय विदारक क्षति के बाद मदद के लिए आगे आने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। बता दें कि जॉर्जिया के मैकिन्टोश काउंटी में स्थित राज्य संरक्षित अवरोधक द्वीप सैपेलो द्वीप तक केवल नाव द्वारा ही पहुंचा जा सकता है।

ब्रिक्स सदस्यता के लिए लगी होड़, पीएम मोदी के रुख पर रहेगी दुनिया की नजर रूस के कजान में 22 से 24 अक्टूबर के बीच में होगा ब्रिक्स सम्मेलन

कजान। रूस के कजान शहर में 22 से 24 अक्टूबर के बीच में ब्रिक्स सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन

में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी भी रूस जा रहे हैं। पीएम मोदी के अलावा दुनियाभर के करीब 40 और बड़े नेता भी ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंच रहे हैं। ब्रिक्स का यह सम्मेलन ऐसे समय पर होने जा रहा है जब दुनिया में बहुत अस्थिरता का माहौल है। संघर्ष और संकट बढ़ रहे हैं। इससे दुनिया में अंतरराष्ट्रीय सिस्टम में बदलाव की मांग तेजी पकड़ रही है। यही वजह है कि दुनिया के करीब 40 देश ब्रिक्स में शामिल होने की मांग कर रहे हैं। इनमें भारत के कई पड़ोसी देश जिनमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका शामिल हैं, मांग कर रहे हैं कि उन्हें ब्रिक्स की सदस्यता दी जाए।

हादसे के बाद जापान का बंद हुआ संयंत्र फिर होगा चालू, बिजली का होगा निर्माण

टोक्यो, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। फुकुशिमा परमाणु संयंत्र हादसे के बाद जापान पर ऊर्जा संकट छा गया था। दुर्घटना के बाद जापान ने परमाणु ऊर्जा के विकल्प पर फिर विचार किया था, लेकिन अब 13 साल बाद स्थिति बदल गई है। जापान का काशीवाजाकी कारिवा परमाणु संयंत्र फिर से काम करने के लिए तैयार है। यह विकास न केवल जापान के ऊर्जा संकट से निपटने के दृष्टिकोण को दर्शाता है, बल्कि भारत जैसे देशों के लिए भी एक सीख है। बता दें 2011 में फुकुशिमा में आई सुनामी के कारण परमाणु संयंत्र के रिएक्टर पिघल गए थे, जिससे रेडियोधर्मी तत्वों का प्रसार हुआ था। इस हादसे के बाद जापान ने परमाणु ऊर्जा की सुरक्षा और पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर कई सवाल उठाए थे और अपने परमाणु संयंत्रों को बंद कर दिया था। अब जापान ने अपनी ऊर्जा नीति में सुधार के साथ परमाणु ऊर्जा का उपयोग फिर से शुरू कर दिया है। काशीवाजाकी कारिवा, जो दुनिया का सबसे बड़ा उन्नत बॉयलिंग वाटर रिएक्टर है, अब नए सुरक्षा उपायों और तकनीकी सुधारों के साथ फिर से काम करने के लिए तैयार है। काशीवाजाकी कारिवा संयंत्र में अब एक 15 मीटर ऊंची दीवार बनाई गई है जो सुनामी जैसी आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करेगी। संयंत्र के डिप्टी सुप्रिंटेंडेंट मसाकी दाइतो का कहना है कि फुकुशिमा जैसे हादसों से बचने के लिए जरूरी सुधार किए गए हैं। नई बैकअप पॉवर सप्लाई और उच्च गुणवत्ता वाले वेंटिलेशन सिस्टम को जोड़ने से रेडियोधर्मी कणों की संभावना को 99.9 फीसदी तक घटाया गया है। 2011 के बाद जापान के परमाणु संयंत्र बंद हो गए थे, और देश को जीवाश्म ईंधन, सौर ऊर्जा और प्राकृतिक गैस पर निर्भर रहना पड़ा था। इसने जापान की ऊर्जा लागत को बढ़ा दिया था, जिससे करीब 42 अरब रुपए रोजाना खर्च होने लगे थे। इस संकट के बाद, जापान ने अपने परमाणु संयंत्रों की उम्र 60 साल तक बढ़ाने का फैसला लिया और 2030 तक परमाणु ऊर्जा से 20 से 22 फीसदी बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा है। भारत के लिए यह एक सीख है। जापान ने अपनी ऊर्जा नीति को सुधारते हुए परमाणु ऊर्जा की वापसी को संभव बनाया है।

भड़के पीएम नेतन्याहू बोले- ईरान ने मुझे और मेरी पत्नी को मारने की कोशिश कर गलती कर दी

तेल अवीव। इजरायली पीएम बेंजामिन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इस ड्रोन अटैक के पीछे ईरान के एजेंट हिजबुल्लाह का मकसद उनको मारना था। नेतन्याहू ने दावा किया कि उनके साथ-साथ उनकी पत्नी की भी हत्या इस ड्रोन अटैक के जरिए करने की साजिश थी। उन्होंने इस अटैक के लिए ईरान के प्रॉक्सी और एजेंट्स को जिम्मेदार कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने कहा, ईरान के एजेंट्स ने आज मेरी और मेरी पत्नी सारा की हत्या करने की कोशिश की है। ऐसा करके उन्होंने एक भारी गलती की है। यह हमला मुझे युद्ध जारी रखने से नहीं रोकेगा। मैं साफ करना चाहत हूं कि जो कोई भी इजरायलियों को नुकसान पहुंचाएगा, उसे उसकी भारी कीमत चुकानी होगी।बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और हमास पर हमले जारी रखने की बात भी दोहराई है। उन्होंने कहा, हम आतंकवादियों को खत्म करना जारी रखेंगे, हम गाजा से अपने बंधकों को वापस लाएंगे और उत्तर में भी अपने निवासियों को वापस भेजेंगे। इजरायल को जीत मिलने तक हम अपनी लड़ाई को जारी रखेंगे।हिजबुल्लाह ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निजी आवास को निशाना बनाकर ड्रोन हमला किया। हाइफा के सीजेरिया इलाके में शनिवार सुबह विस्फोट की आवाज सुनी गई, यहां नेतन्याहू का निजी आवास है। ड्रोन से जिस इमारत को निशाना बनाया गया, वह नेतन्याहू के घर का ही हिस्सा है। हिजबुल्लाह की ओर से दो और ड्रोन भी लॉन्च किए गए, जिन्हें रोक दिया गया ।

हमास-हिजबुल्लाह जंग में इजराइल को भी हुआ जानी नुकसान, जारी की लिस्ट

येरुशलम, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल ने 7 अक्टूबर से गाजा में चल रहे संघर्ष में मारे गए 747 सैनिकों, अधिकारियों और रिजर्विस्टों के नाम प्रकाशित किए हैं। इनमें से कई स्थानीय सुरक्षा अधिकारी भी शामिल हैं, जो आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में मारे गए हैं। गाजा पट्टी की सीमा पर हमास और हिजबुल्लाह हमलों के दौरान मारे गए जबकि 355 से ज्यादा लोग हमास द्वारा संचालित इलाकों में जमीनी हमलों और सीमा पर ऑपरेशनों के में मारे गए। पुलिस ने 58 अधिकारियों की सूची जारी की है, जिन्होंने गाजा सीमा पर लड़कों के साथ लड़ते हुए अपनी जान गंवाई। 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर हमला किया था, जिसमें इजराइल के 1200 लोग मारे गए थे, जिसके बाद हमास के लड़कों ने शहरों में घुसपैठ की, सैन्य ठिकानों पर हमले किए, सड़कों और घरों में नागरिकों को गोली मारी और पूरे देश में हजारों रॉकेट दागे। उन्होंने 251 नागरिकों और सैनिकों को अगवा कर बंधक बना लिया था। इसके बाद, लेबनान के हिजबुल्लाह और अन्य समूहों ने उत्तरी इजराइल पर हमले किए, जिसमें 26 सैनिक और एक स्थानीय सुरक्षा अधिकारी मारे गए। इन हमलों में 17 सैनिक जमीन पर जमीनी अभियानों में मारे गए हैं।

वेस्ट बैंक और इजराइल में भी लड़ाकों के हमले में दस सैनिक मारे गए। इसके अलावा, इराक से किए गए ड्रोन हमले में दो सैनिक मारे गए। युद्ध के दौरान कुछ अन्य घटनाएं भी हुईं, जिनमें एक सैनिक फ्रेंडली फायरिंग में मारा गया, एक सैनिक लेबनान सीमा पर गोला-बारूद की खराबी के कारण मारा गया, और दो सैनिक उत्तरी इजराइल में एक टैंक दुर्घटना में मारे गए। यह संघर्ष इजराइल और हमास के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष की गंभीरता को दर्शाता है।

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री लामिछाने को कोर्ट में पेश करने से पहले पोखरा में निषेधाज्ञा लागू

काठमांडू, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहकारी घोटाले में गिरफ्तार किए गए नेपाल के पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने को रविवार को जिला अदालत में पेश करने से पहले पोखरा के कई इलाकों में जिला प्रशासन ने निषेधाज्ञा लगा दी। लामिछाने के समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर जिला प्रशासन ने पुलिस मुख्यालय से लेकर जिला अदालत सहित अन्य कई संवेदनशील स्थानों पर निषेधाज्ञा लगा दिया है।

कास्की जिला प्रशासन कार्यालय ने बताया कि पोखरा प्रवेश करने वाले सभी रास्तों पर भी निषेधाज्ञा लागू है। स्थानीय प्रशासन ने राष्ट्रीय स्वातंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष लामिछाने के पक्ष में और उनके खिलाफ प्रदर्शन शुरू होने के बाद एक निषेध आदेश जारी किया गया है। पोखरा के कई इलाकों खासकर जिला पुलिस मुख्यालय से लेकर जिला अदालत तक के रास्तों में काफी भीड़ इकठ्ठा होने के कारण निषेधाज्ञा लगाया गया है।

मुख्य जिला अधिकारी भरत मणि पांडे ने निषेधाज्ञा आदेश जारी करते हुए तय इलाके में पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में गर्भपात बना प्रमुख मुद्दा, ट्रंप और हैरिस दे रहे तर्क

वाशिंगटन, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी तेज हो गई है और इस बार गर्भपात एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। 2011 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'रो बनाम वेड' फैसले को पलटने के बाद कई राज्यों ने गर्भपात को बैन कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप, यह मुद्दा महिलाओं के अधिकारों और स्वास्थ्य के संदर्भ में चुनावों में चर्चा का मुख्य मुद्दा बन गया है।

कमला हैरिस जो डेमोक्रेट्स की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी हैं उन्होंने अपने अभियान में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है। उनका कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को प्रभावित किया, जिससे कई राज्यों में गर्भपात पर बैन लगा है। हैरिस का दावा है कि अगर ट्रंप दोबारा सत्ता में आए तो वह गर्भपात पर संघीय बैन लगा देंगे। इस दावे से वह महिलाओं को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रही हैं, जो अमेरिका की आधी से ज्यादा आबादी हैं।

यह एक संवेदनशील विषय है इसके विपरीत, ट्रंप के समर्थक भी सक्रिय हैं। कई महिलाएं और पुरुष, जिन्होंने ट्रंप का समर्थन किया है, वह मानते हैं कि वह अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए सबसे बेहतर

विकल्प हैं। उनकी राय में ट्रंप की विचारधारा देश के लिए उपयुक्त है।

अमेरिका में चुनावी रणभूमि अब एक बार फिर महिलाओं, आर्थिक मुद्दों और स्वास्थ्य के बीच बंटी गई है। गर्भपात के मुद्दे पर महिला मतदाताओं का समर्थन जीतने की जद्दोजहद में दोनों प्रमुख दल अपनी ओर से तर्क पेश कर रहे हैं।

ईरान हमेशा फिलिस्तीन की आजादी के लिए लड़ रहे लड़ाकों के साथ खड़ा है

खामेनेई ने सिनवार को बताया शहीद, हमास इजराइल से डरेगा नहीं लड़ता रहेगा

तेहरान, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा में इजराइली हमले में हमास प्रमुख याह्या सिनवार की मौत पर ईरान के अयातुल्लाह अली खामेनेई ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने कहा है कि सिनवार के बाद भी हमास इजराइल से डरेगा नहीं वह लड़ता रहेगा और प्रतिरोध की धुरी भी मजबूती से काम करती रहेगी। खामेनेई ने ऐलान किया है कि ईरान हमेशा फिलिस्तीन की आजादी के लिए लड़ रहे लड़ाकों के साथ खड़ा है और अपनी तरफ से हमास को समर्थन देता रहेगा। सिनवार की गुरुवार को इजराइल के साथ लड़ते हुए मौत हो गई थी। ईरान ने इस हमले के लिए इजराइल को चेतावनी दी है

और याह्या सिनवार की मौत को एक शहीद का दर्जा दिया है। खामेनेई ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- हमास जिंदा था, जिंदा है और हमेशा जिंदा रहेगा। याह्या सिनवार की मौत प्रतिरोध की धुरी के लिए दुख लेकर आई है लेकिन उनकी मौत के बाद भी ये लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। इससे पहले भी शेख अहमद यासीन, फतही शकाकी, रंतिसी और इस्माइल हनिया के मौत के बावजूद से लड़ाई आगे बढ़ी और अब भी ये मोर्चा रुकने वाला नहीं है। ये लड़ाई लगातार और बिना रुके जारी रहेगी। हमास इजराइल से डरने वाला नहीं है। खामेनेई ने आगे कहा कि मैं भाई याह्या सिनवार की शहादत पर उनके परिवार और साथियों से संवेदना व्यक्त करता हूं, साथ ही इस लड़ाई के लिए अपनी जिंदगी समर्पित लोगों को बधाई भी देता हूं। कमांडर याह्या सिनवार एक ऐसे इंसान थे, जो अपनी पूरी जिंदगी लड़ते रहे और आखिरी दम तक दुश्मन का मुकाबला करते करते शहीद हो गए। याह्या को शहादत से कम कुछ कबूल हो भी नहीं सकता था। आखिर में याह्या अपने शहीद साथियों के साथ शामिल हो गए हैं। खामेनेई ने ऐलान किया है कि ईरान हमेशा फिलिस्तीन की आजादी के लिए लड़ रहे लड़ाकों के साथ खड़ा है और अपनी तरफ से हमास को समर्थन देता रहेगा। खामेनेई के इस बयान के बाद माना जा रहा है कि वह हमास और हिजबुल्लाह को फिर से मजबूत करने कड़ा कदम उठा सकता है। हालांकि ये मदद किस तरह से होगी, इस पर ईरान ने कोई इशारा नहीं किया है। याह्या सिनवार लंबे समय से गाजा में हमास का चेहरा था। इस्माइल हानिया की मौत के बाद याह्या हमास का सर्वेसर्वा था। बीते साल अक्टूबर में लड़ाई शुरू होने के बाद से याह्या लगातार इजराइल पर हमले कर रहा था। याह्या की मौत को हमास के लिए झटका है लेकिन फिलिस्तीनी गुट ने ऐलान किया है कि उसकी इजराइल के खिलाफ लड़ाई नहीं रुकेगी, वह अपनी जंग जारी रखेगा।

रोहित शर्मा ने आईपीएल 2025 के लिए फैन के सवाल का मजेदार जवाब दिया

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

इस समय भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में व्यस्त हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उनका नाम आईपीएल 2025 से जुड़ी खबरों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस बीच रोहित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और फैंस इसका जमकर आनंद ले रहे हैं।

जब से यह खबरें आई थीं कि रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस के बजाय किसी और टीम के लिए आईपीएल खेल सकते हैं। इस बीच, ड्रेसिंग रूम में एक फैन ने रोहित से सवाल किया कि वह अगले आईपीएल में किस टीम के लिए खेलेंगे। इसका जवाब रोहित शर्मा ने बड़े ही मजाकिया अंदाज में दिया। जबाव देते हुए रोहित ने मजाकिया अंदाज में कहा, तू बता दे, किससे खेलूं फैन ने तुरंत जवाब दिया, भाई आरसीबी में आ जाओ यार! इसके बाद रोहित ने हंसते हुए कहा, तुझे कौन सी चाहिए बोल... इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और फैंस इसका जमकर आनंद ले रहे हैं।

मुंबई इंडियंस की कप्तानी को लेकर भी कुछ चर्चा है। आईपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटा कर हार्दिक पंड्या को टीम की कमान सौंपी थी, लेकिन हार्दिक पंड्या टीम के लिए अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। रोहित शर्मा ने भी बल्ले से कुछ खास योगदान नहीं दिया था। पिछले सत्र में, मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल के दूसरे चरण में छह मैचों में केवल 20 रन से अधिक की पारी नहीं खेल सकी थी।

रोहित शर्मा, जो कि मुंबई इंडियंस के कप्तान रहे हैं, ने आईपीएल में पांच बार चैंपियन बनने का कारनामा किया है। मुंबई इंडियंस की आईपीएल ट्रॉफी जीत की लिस्ट में 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 शामिल हैं।

रोहित ने अब तक आईपीएल में 158 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से 87 मैचों में जीत हासिल की और 67 मैचों में हार का सामना करना पड़ा। उनका जीत प्रतिशत 55.06 प्रतिशत है। इस बातचीत ने एक बार फिर रोहित शर्मा के फैंस को रोमांचित कर दिया है, और उनकी आईपीएल 2025 में खेलने को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

गगनजीत भुल्लर एशियाई टूर खिताब की ओर अग्रसर, तीसरे दौर में बोगी रहित 66 का कार्ड खेला

बैंकॉक। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने शनिवार को ब्लैक माउंटेन चैम्पियनशिप के तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए बिना बोगी किए 66 का कार्ड खेला। इस बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर भुल्लर अपने 12वें एशियाई टूर खिताब की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने पहले दो दौर में क्रमशः 65 और 66 के स्कोर बनाए थे, जिससे उनका कुल स्कोर 19 अंडर है। भुल्लर इस समय अमेरिका के जॉन कैटलिन (65) से दो शॉट की बढ़त बनाए हुए हैं। भुल्लर का अब तक का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है, जिसमें उन्होंने तीन दौर में कुल 21 बर्डी लगाई हैं और केवल दो बोगी की हैं। इस लय को बरकरार रखते हुए वह खिताब जीतने की प्रबल दावेदारी कर रहे हैं। अन्य भारतीय गोल्फरों में खालिन जोशी ने तीसरे दौर में 73 का कार्ड खेला और नौ अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 39वें स्थान पर हैं। वहीं, करणदीप कोचर भी 73 का कार्ड खेलकर संयुक्त रूप से 65वें स्थान पर बने हुए हैं। भुल्लर की शानदार बढ़त ने उन्हें खिताब जीतने की मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया है, और अंतिम दौर में वह अपने प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए इस खिताब पर कब्जा जमाने का प्रयास करेंगे।

रचिन की नेटवर्थ 2 मिलियन डॉलर के आस पास, रचिन रवींद्र ने की शानदार बैटिंग, लगाया शतक

नई दिल्ली । टीम इंडिया के खिलाफ पहली पारी में न्यूजीलैंड के लिए शानदार बैटिंग करते हुए खिलाडी रचिन रवींद्र ने शानदार शतक लगाया। टीम इंडिया फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही है। रचिन रवींद्र ने 157 गेंदों में 134 रन की पारी खेली और अंत तक खड़े रहे। अपनी पारी में उन्होंने 14 चौके और 4 छक्के मारे। रचिन का कनेक्शन भारत से रहा है। उनके माता पिता भारत से ही थे। बाद में वह न्यूजीलैंड में जाकर बस गए। रचिन ने 5 साल की उम्र में ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। वह क्लब क्रिकेट खेलने के लिए बैंगलोर भी आया करते थे। वर्ल्डस कप के उद्घाटन मैच में ही उन्होंने इंग्लैंदड के खिलाफ शतक जड़ दिया था। इसके बाद यह बात सामने आई थी कि भारतीय टीम के दिग्गएज प्लेयर राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदुलकर के शुरुआती नाम को जोड़कर रचिन का नाम रखा गया है। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं था। रचिन नाम रचिन की मां ने सुझाया था इस बात का खुलासा उनके पिता ने किया था। न्यूजीलैंड के युवा बैटर रचिन रवींद्र जिन्होंने वर्ल्ड कप 2023 के बाद से क्रिकेट में अपनी गहरी पहचान बनाई है। रचिन रवींद्र ने 2023 में ही डेब्यू किया और ईश सोढ़ी के चोटिल होने पर वर्ल्ड कप स्क्वॉड के लिए पहले ऑप्शन बने थे। उन्होंने वर्ल्ड कप में 10 मैच में 578 रन ठोके, जिसमें दो फिफ्टी और 3 शतक शामिल थे। वह शतक बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर थे।

रुतुराज गायकवाड़ कर सकते हैं भारत ए की कप्तानी

नई दिल्ली। महीने के अंत में शुरू होने वाले दो चार दिवसीय प्रथम श्रेणी मैचों में रुतुराज गायकवाड़

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी कर सकते हैं। सभी की निगाहें भारत ए के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर होंगी जिसमें गायकवाड़ के साथ अभिमन्यु ईश्वरन और साई सुदर्शन शामिल हो सकते है ।बात दें कि कप्तान रोहित शर्मा अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले दो टेस्ट मैचों में से एक में नहीं खेल पाएंगे, जिसके बाद भारत एक रिजर्व ओपनर की तलाश है। ईश्वरन दोनों मैचों के दौरान चर्चा का विषय रहने वाले है। उन्होंने अपनी शानदार फॉर्म के दम पर शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दलीप ट्रॉफी में दो शतक लगाए और इसके बाद ईरानी कप में एक और शतक लगाया। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैचों को खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता साबित करने और पांच टेस्ट के लिए भारत की टीम में जगह बनाने का ऑडिशन माना जा सकता है। देवदत्त पडिक्कल, बाबा इंद्रजीत और रिकी भुई भारत ए टीम में मध्यक्रम की मजबूत बल्लेबाजी कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड ने भारत में 36 साल बाद जीता टेस्ट मैच, बेंगलुरु टेस्ट में भारतीय टीम को 8 विकेट से हराया

बेंगलूरु, 20 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में भारतीय टीम को 8 विकेट से हरा दिया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मैच में पांचवें अर्थात आखिरी दिन मेहमान टीम को जीत के लिए 107 रन बनाने थे, जिसे उसने 27.4 ओवर में 2 विकेट पर 110 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का अगला मुकाबला 24 अक्टूबर से पुणे में खेला जाएगा।

मैच की पहली पारी में भारतीय टीम मात्र 46 रन पर ही ऑलआउट हो गई थी। जवाब में न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 402 रन बनाए और 356 रन की बढ़त ली। इसके बाद दूसरी पारी में भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की और 462 रन बनाए। इससे भारतीय टीम को 106 रन की बढ़त मिली। इस तरह न्यूजीलैंड को जीत के लिए 107 रनों का लक्ष्य मिला। आखिरी दिन रविवार को लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम को शुरुआत में काफी परेशानी हुई। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने अपनी गेंदबाजी से कीवी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया। बुमराह ने अपनी दूसरी गेंद पर ही न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम को एलबीडब्ल्यू कर पवेलियन भेज दिया। लैथम खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद 35 के स्कोर पर बुमराह ने डेवोन कॉन्वे को एलबीडब्ल्यू कर मेहमान टीम को दूसरा झटका दिया। कॉन्वे ने 17 रन बनाए। हालांकि इसके बाद विल यंग और रचिन रवींद्र ने टीम का कोई और विकेट नहीं गिरने दिया और अपनी टीम को जीत दिला दी। विल यंग 48 रन और रचिन रविंद्र 39 रन बनाकर नाबाद रहे।

36 साल बाद भारत में जीता टेस्ट मैच - भारतीय टीम के खिलाफ भारतीय सरजमीं पर न्यूजीलैंड ने 36 साल बाद कोई टेस्ट मैच जीता है। ओवर ऑल भारत की धरती पर यह तीसरा टेस्ट मैच जीता है। इससे पहले आखिरी बार 1988 में वानखेड़े में न्यूजीलैंड ने भारत को 136 रन से हराया था। वहीं 1969 में न्यूजीलैंड ने नागपुर में भारतीय टीम को 167 रन से हराया था। इतना ही नहीं वर्ष 2000 के बाद यह पहला मौका है जब किसी मेहमान टीम ने भारत में चौथी पारी में 100+ रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया है।

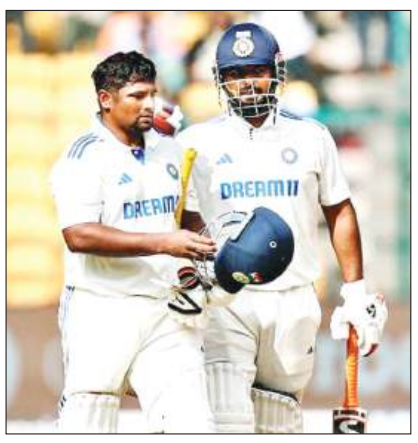

भारतीय टीम की पहली पारी - मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम पहली पारी में केवल 46 रनों पर सिमट गई थी। भारत की तरफ से ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 20 रन बनाए थे, जबकि पांच बल्लेबाजों ने खाता भी नहीं खोला और तीन बल्लेबाज तीन रनों का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। ऋषभ पंत के अलावा यशस्वी जयसवाल (13) ही दहाई का आंकड़ा छू सके, जबकि विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन खाता भी नहीं खोल सके थे। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने 5 विकेट झटके, जबकि विलियम ओरूर्के ने 4 विकेट लिए, वहीं टिम साउथी को 1 विकेट मिला।

न्यूजीलैंड टीम की पहली पारी - न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 402 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के लिए रचिन रविंद्र ने 134 रनों की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने 157 गेंदों का सामना किया और 13 चौके व 4 छक्के लगाए। उन्होंने टिम साउथी के साथ मिलकर आठवें विकेट के लिए 137 रनों की साझेदारी भी की, जिसमें साउथी की 65 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी भी शामिल थी। साउथी ने 73 गेंदों का सामना किया और 5 चौके और 4 छक्का लगाया। इन दोनों के अलावा डेवोन कॉन्वे ने 91 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। भारत की तरफ से कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा ने 3-3, मोहम्मद सिराज ने 2, रविचंद्रन अश्विन और जसप्रीत बुमराह ने 1-1 विकेट लिया।

भारतीय टीम ने दूसरी पारी में बनाए 462 रन - भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 462 रन बनाए। दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा और युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 72 रन जोड़े। यशस्वी 52 गेंदों पर 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान रोहित ने टेस्ट करियर का 18वां अर्धशतक जड़ा। रोहित अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन वह अजीब तरीके से आउट हो गए। दरअसल, रोहित ने गेंद को अच्छे से डिफेंड कर लिया था, लेकिन गेंद पीछे की ओर गई और स्टम्प्स में जा लगी। इस तरह रोहित आउट हो गए। रोहित ने 63 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 52 रन बनाए। दो विकेट गिरने के बाद विराट कोहली और सरफराज खान ने पारी को आगे बढ़ाया। इस दौरान सरफराज ने अपने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक लगाया। फिर इसके बाद कोहली ने भी पचासा जड़ दिया। इस दौरान कोहली टेस्ट में नौ हजार रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज भी बन गए। कोहली और सरफराज दोनों 100 रन से अधिक साझेदारी कर भारतीय टीम को मुश्किल से निकाल रहे थे, लेकिन तीसरे दिन के खेल की अंतिम गेंद पर कोहली ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हो गए।

सरफराज और ऋषभ पंत ने खेली बेहतरीन पारी - इसके बाद सरफराज खान और ऋषभ पंत ने शुरुआत में संभलकर खेला, लेकिन इसके बाद अपने हाथ खोलने शुरू किये। सरफराज ने 110 गेंदों पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। पंत ने भी 55 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत ने 71 ओवर में 3 विकेट पर 344 रन बना लिए थे, तभी बारिश शुरू हो गई और अंपायरों ने लंच की घोषणा कर दी। मैच दोबारा जब शुरू हुआ तो पंत और सरफराज ने उसी अंदाज से आगे भी बल्लेबाजी की। दोनों की शानदार साझेदारी से भारतीय टीम का स्कोर दूसरी पारी में 400 रन के पार पहुंच गया। इसके बाद सरफराज ने अपने 150 रन भी पूरे किए। हालांकि इसके ठीक बाद वह आउट हो गए। सरफराज ने 195 गेंद का सामना करते हुए 18 चौके और 3 छक्कों की मदद से बेहतरीन 150 रन बनाए। सरफराज के आउट होने के कुछ ही देर बाद ऋषभ पंत भी आउट हो गए। पंत नर्वस 90 का शिकार हो गए।

शतक जड़कर श्रेयस अय्यर ने दिखाया दम, टीम में वापसी की जताई इच्छा

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने लंबे समय बाद रणजी ट्रॉफी के मैच में शानदार शतक बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की अपनी प्रबल इच्छा जताई है। महाराष्ट्र के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में अय्यर ने शानदार शतक जड़ा, जो उनके लिए एक भावनात्मक पल था। पीठ की सर्जरी के बाद श्रेयस ने अपनी फिटनेस पर काफी मेहनत की है और टेस्ट क्रिकेट में एक बार फिर से जगह बनाने के लिए तैयार हैं। श्रेयस अय्यर को पिछले कुछ समय पहले बार-बार पीठ की चोट का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इसके चलते वह कई महीनों तक क्रिकेट से दूर रहे। उन्होंने अपने करियर का आखिरी टेस्ट शतक नवंबर 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में जड़ा था, और अब लगभग तीन साल बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक बनाया है। अय्यर ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, बहुत लंबे समय बाद वापसी करना मेरे लिए खास है। चोटों के कारण मैं थोड़ा निराश महसूस कर रहा था, लेकिन अब शतक बनाना बेहद संतोषजनक है। अय्यर ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा कि वह भारतीय टेस्ट टीम में वापसी के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं वापसी के लिए पूरी तरह से उत्सुक हूं, लेकिन मुझे केवल उन्हीं चीजों पर ध्यान देना है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मेरा काम है निरंतर अच्छा प्रदर्शन करना और जितना हो सके उतना क्रिकेट खेलना। इसके साथ ही शरीर की फिटनेस बनाए रखना भी बेहद जरूरी है। अय्यर का मानना है कि केवल निरंतर अच्छा प्रदर्शन ही उन्हें फिर से भारतीय टेस्ट टीम में जगह दिला सकता है। श्रेयस अय्यर ने फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में आखिरी बार भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेला था।

सुनील गावस्कर ने रिची रैफल को प्रतिष्ठित इंडिया एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान किया

हैदराबाद, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अपने अत्याधुनिक बायो-सैनिटेशन उत्पादों के लिए प्रसिद्ध रिची रैफल बायोटेक को प्रतिष्ठित इंडिया एक्सीलेंस अवार्ड - एनवायरनमेंटल एंटरप्राइज ऑफ द ईयर 2023-24 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए पर्यावरण के अनुकूल समाधान बनाने के लिए दिया गया है।

यह पुरस्कार रिची रैफल बायोटेक के निदेशक पिडिंटला चंद्रशेखर रेड्डी को होटल द पार्क में आयोजित एक शानदार समारोह में क्रिकेटर सुनील गावस्कर द्वारा प्रदान किया गया।

रसायन गहन उत्पाद में पर्यावरण के अनुकूल पहल की सराहना करते हुए, सुनील गावस्कर ने कहा, मि चंद्रशेखर द्वारा विकसित यह अभिनव, रसायन मुक्त, टिकाऊ समाधान बायोरिको पर्यावरण पर एक महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

भावी पीढ़ियों की भलाई को प्राथमिकता देकर और धरती माता की रक्षा करके, उनका दृष्टिकोण हम सभी के लिए एक स्वच्छ, हरित और अधिक जिम्मेदार भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है।

पीसीबी चाहता है भारत चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में ही खेले, प्रस्ताव दिया

यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च तक लाहौर, रावलपिंडी और करांची में होना है

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए भारत को पाकिस्तान बुलाने के लिए हर कोशिश कर रहा है। पीसीबी ने इसके संबंध में बीसीसीआई के सामने एक प्रस्ताव रखा है। पीसीबी ने कहा है कि भारतीय टीम चाहे तो अपना मैच खेलकर उसी दिन वापस इंडिया लौट सकती है। इससे चलता है कि पीसीबी हर हाल में भारत को पाकिस्तान में खेलने के लिए बुलाना चाहता है, क्योंकि उसे भी पता है कि अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आती है तो इससे उसे फायदा ही होगा।

पीसीबी ने बीसीसीआई को एक ऐसी व्यवस्था का प्रस्ताव दिया है जिसके अंतर्गत अगर भारत सुरक्षा कारणों चलते अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान में नहीं रुकना चाहता है तो वह अपने मैचों के बीच में नई दिल्ली या चंडीगढ़ में से कहीं भी मैच खेल कर वापस लौट सकता है। पीसीबी ने

बीसीसीआई को मौखिक सुझाव दिया है कि भारतीय टीम नई दिल्ली, चंडीगढ़ या मोहाली में शिविर लगा सकती है और अपने मैचों के लिए विशेष उड़ान का इस्तेमाल करके लाहौर जा सकती है। सूत्र ने कहा कि इन विकल्पों पर अधिकारियों के बीच मौखिक रूप से चर्चा हुई है। भारत का अपने मैच पाकिस्तान में खेलना तय हो सके। चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से 9 मार्च तक लाहौर, रावलपिंडी और करांची में खेली जाएगी। पीसीबी मानसिक रूप से इसके लिए तैयार है कि भारत चैंपियंस ट्रॉफी खेलने आने से इनकार कर सकता है लेकिन वह 9 मार्च को होने वाला फाइनल लाहौर से बाहर ले जाने के लिए तैयार नहीं है। भले ही भारत इसके लिए क्वालीफाई कर ले। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद बोर्ड के सदस्यों की दुबई में 18 से 21 अक्टूबर तक होने वाली बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल का मुद्दा भी उठ सकता है। पीसीबी चाहता है कि फाइनल लाहौर में ही हो। भारत फाइनल में पहुंचता भी है तो पीसीबी चाहेगा कि लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में मैच हो। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट 2008 के मुंबई हमले के बाद से बंद है।

भारत ए ने रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान ए को 7 रन से हराया

ओमान, 20 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड में एसीसी मेन्स टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के तहत खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में भारत ए ने पाकिस्तान ए को 7 रन से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 183 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया, जिसमें अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरण सिंह और कप्तान तिलक वर्मा की बेहतरीन पारियों का अहम योगदान रहा। जवाब में पाकिस्तान ए की टीम 176 रन ही बना पाई और भारत ने मुकाबला 7 रनों से जीत लिया। इस जीत के साथ भारत ए ने टूर्नामेंट में अपनी मजबूत स्थिति कायम रखी।

भारत ए की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बेहतरीन शुरुआत की। ओपनर अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरण सिंह ने पहले विकेट के लिए 6 ओवरों में 68 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। अभिषेक ने 22 गेंदों पर 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से

35 रन बनाए, जबकि प्रभसिमरण ने 19 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्कों की मदद से 36 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। कप्तान तिलक वर्मा ने भी महत्वपूर्ण 44 रन जोड़े, जिसमें 2 चौके और 2 छक्के शामिल थे। नेहल वडेहरा (25 रन) और रमनदीप सिंह (17 रन) ने भी अंतिम ओवरों में तेजी से रन बटोरकर टीम का स्कोर 183 तक पहुंचाया। पाकिस्तान के लिए सुफियान मुकीम ने 28 रन देकर 2 विकेट हासिल किए।

183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ए की शुरुआत खराब रही। कप्तान मोहम्मद हारिस ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा, लेकिन दूसरी ही गेंद पर अंशुल कंबोज ने उन्हें बोल्ड कर दिया। उमेर युसूफ भी जल्द ही 2 रन बनाकर आउट हो गए। यासिर खान ने 33 रन और कासिम अकरम ने 27 रनों की छोटी-छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलीं, लेकिन टीम एक समय 78 रनों पर 4 विकेट खो चुकी थी।

मध्यक्रम में अराफात मिन्हास ने 41 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिसमें उन्होंने 5 चौके और 1 छक्का लगाया। अब्दुल समद ने भी 25 रन बनाए, लेकिन रासिख सलाम की शानदार गेंदबाजी ने पाकिस्तान की पारी को दबाव में ला दिया। अंत में अब्बास अफरीदी ने 18 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन उनकी टीम 176 रनों पर सिमट गई और भारत ए ने यह मुकाबला 7 रनों से जीत लिया। भारत ए की इस जीत में बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। रासिख सलाम ने मैच के महत्वपूर्ण क्षणों में 2 विकेट लेकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया।

डिज्नी प्लस हॉटस्टार में जियोसिनेमा का होगा मर्जर

मुंबई । मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो ने डिज्नी हॉटस्टार को खरीद लिया है। इसके बाद कंपनी डिज्नी प्लस हॉटस्टार में जियोसिनेमा का मर्जर हो जाएगा। डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ जियोसिनेमा का मर्जर होने के बाद यह भारत के सबसे बड़ा ओटीटी प्लेटफॉर्म बन सकता है, क्योंकि दोनों ओटोटी ऐप के पास बड़ा यूजरबेस मौजूद है। इस मर्जर के बाद जियो के पास जियो के पास कुल 100 चैनल हो सकते हैं। रिलायंस जियो दो अलग-अलग ओटीपी ऐप्स नहीं चलाना चाहती हैं क्योंकि अलग-अलग ओटीटी ऐप के लिए अलग रिचार्ज पैक की जरूरत होती है। दोनों दोनों ऐप का अलग से प्रमोशन करना होगा। इससे ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। स्टार इंडिया और वियाकॉम 18 का मर्जर हो गया है।

बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही

नई दिल्ली, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बीते सप्ताह खरीफ तिलहन फसलों की आवक बढ़ने के दौरान देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहनों के भाव में गिरावट देखने को मिली। इस दौरान सरसों, सोयाबीन एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव नुकसान के साथ बंद हुए।

बाजार सूत्रों ने कहा कि खाद्य तेल-तिलहन कारोबार के समीक्षकों की यह आशंका निर्मूल साबित हुई है कि आयात शुल्क बढ़ाने के बाद खाद्य तेलों की महंगाई बढ़ जायेगी। इसके विपरीत आयात शुल्क बढ़ाये जाने के बाद मूंगफली जैसे महंगे खाद्य तेल के थोक दाम भी गुजरात और राजस्थान में टूटे हैं। गुजरात में शुल्क वृद्धि से पहले मूंगफली तेल का थोक भाव 148 रुपये लीटर बैठता था जो शुल्क वृद्धि के बाद घटकर 135 रुपये लीटर रह गया है।

इसी प्रकार राजस्थान में जिस मूंगफली तेल का थोक दाम पहले 130 रुपये लीटर था वह अब घटकर 118 रुपये लीटर रह गया है। आवक बढ़ने और महंगा होने के कारण लिवाली कमजोर होने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट रही। बीते सप्ताह सरसों दाने का

थोक भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 6,400-6,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों दादरी तेल का थोक भाव 875 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 65-65 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,115-2,215 रुपये और 2,115-2,230 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,650-4,695 रुपये और 4,350-4,585 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 250 रुपये, 150 रुपये और 100 रुपये घटकर क्रमशः 13,100 रुपये, 12,650 रुपये और 9,600 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। आवक बढ़ने के बीच महंगे मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले हानि का रुख रहा। मूंगफली तिलहन 75 रुपये की हानि के साथ 6,300-6,575 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 14,800 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 35 रुपये की गिरावट के साथ 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,325 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 300 रुपये की हानि के साथ 12,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 650 रुपये की जोरदार गिरावट के साथ 12,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस नेतृत्व ने...

सबसे पहले भगवा आतंकवाद शब्द का प्रयोग किया था।

केंद्रीय गृहमंत्री के रूप में 25 अगस्त 2010 को डीजीपी और आईजी के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए चिदंबरम ने कहा था, मैं आपको सावधान करना चाहता हूं कि भारत में युवा पुरुषों एवं महिलाओं को कट्टरपंथी बनाने के प्रयासों में कोई कमी नहीं आई है। इसके अलावा हाल में भगवा आतंकवाद सामने आया है, जो अतीत में कई बम विस्फोटों में पाया गया है। पी चिदंबरम ने समझौता एक्सप्रेस और कुछ प्रमुख मुस्लिम धार्मिक स्थलों के खिलाफ विस्फोटों की पृष्ठभूमि में भगवा आतंकवाद शब्द गढ़ा था। कांग्रेस के तत्कालीन महासचिव एवं पार्टी की मीडिया इकाई के प्रमुख जनार्दन द्विवेदी ने उस समय कहा था कि भगवा या केसरिया मुद्दा नहीं है। मुद्दा आतंकवाद है। आतंकवाद का काले के अलावा कोई रंग नहीं होता है। द्विवेदी ने यह भी कहा भगवा रंग हमारी प्राचीन परंपरा का हिस्सा रहा है और हमारी स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। चिदंबरम के स्थान पर केंद्रीय गृह मंत्री का प्रभार संभालने वाले वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुशील कुमार शिंदे ने भी 20 जनवरी 2013 को तब विवाद उत्पन कर दिया जब उन्होंने भाजपा और आरएसएस पर भगवा आतंकवाद फैलाने के लिए आतंकी प्रशिक्षण शिविर चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने जयपुर में कांग्रेस के सम्मेलन में कहा, जांच के दौरान रिपोर्ट आई है कि भाजपा और आरएसएस आतंकवाद फैलाने के लिए आतंकी प्रशिक्षण शिविर चलाते हैं। समझौता एक्सप्रेस, मक्का मस्जिद में बम लगाए गए थे और मालेगांव में भी एक विस्फोट किया गया था। उन्होंने कहा, हमें इसके बारे में गंभीरता से सोचना होगा और सतर्क रहना होगा। जब उनकी टिप्पणी पर भाजपा और आरएसएस की ओर से हमला किया गया तो शिंदे ने बाद में कहा, यह पेपर में कई बार आया है। यह कोई नई बात नहीं है जो मैंने आज कही है।

कांग्रेस नेता एवं पूर्व गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने कांग्रेस की साजिशों का खुलासा करके प्रायश्चित करने का काम किया। हालांकि कांग्रेस के जयपुर अधिवेशन में भगवा आतंकवाद बोलने के एक महीने बाद उन्होंने अपनी टिप्पणी के लिए खेद व्यक्त किया था। शिंदे ने कहा चूंकि मेरे बयान के कारण विवाद पैदा हुआ है मैं यह स्पष्टीकरण जारी कर रहा हूं और उन लोगों के लिए खेद व्यक्त कर रहा हूं जिन्होंने मेरे बयान से आहत महसूस किया। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार अपने कर्तव्यों का पालन करना जारी रखूंगा कि भारत के सामाजिक ताने-बाने में सद्भाव बरकरार रहे।विडंबना यह है कि जयपुर अधिवेशन में शिंदे की टिप्पणी के दो दिन बाद तत्कालीन केंद्रीय गृह सचिव आरके सिंह (वर्तमान में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री और भाजपा नेता) ने शिंदे की टिप्पणी को उचित ठहराने की कोशिश की थी। सिंह ने 22 जनवरी 2013 को कहा था कि पूरे भारत में विभिन्न आतंकवादी कृत्यों में 10 लोगों को आरोपी बनाया गया जिनके आरएसएस और उससे जुड़े संगठनों से करीबी संबंध थे। सिंह ने कहा था, हां समझौता एक्सप्रेस, मक्का मस्जिद और अजमेर दरगाह शरीफ विस्फोटों की जांच के दौरान हमने कम से कम 10 ऐसे लोगों के नाम पाए जो किसी न किसी समय आरए-सएस से जुड़े रहे हैं। सिंह ने यह भी कहा था, हमारे पास उनके खिलाफ सबूत हैं, गवाहों के बयान हैं।यहां तक हुआ कि गृह मंत्रालय ने आनन फानन 10 भगवा आतंकियों की लिस्ट भी जारी कर दी थी। तत्कालीन केंद्रीय गृह सचिव आरके सिंह ने इस रिपोर्ट पर मुहर लगाते हुए कहा था कि यह लिस्ट पुख्ता सबूतों के आधार पर तैयार की गई है। इस लिस्ट में संघ कार्यकर्ता सुनील जोशी, संघ प्रचारक संदीप डांगे, संघ के नगर कार्यवाह लोकेश शर्मा, संघ की संस्था वनवासी कल्याण परिषद से जुड़े स्वामी असीमानंद, संघ के वर्ग विस्तारक राजेंद्र, संघ कार्यकर्ता मुकेश वासानी, संघ के प्रचारक देवेंद्र गुप्ता, संघ प्रचारक चंद्रशेखर लेवे, संघ प्रचारक कमल चौहान और संघ कार्यकर्ता रामजी कालसंगरा के नाम शामिल थे। इनमें से कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था और उन्हें भीषण यातनाएं दी गई थीं। इस कुकृत्य में तत्कालीन गृह सचिव आरके सिंह शरीक थे, जो आज भाजपा के नेता बने बैठे हैं।आरके सिंह रिटायर होने के बाद 2013 में भाजपा में शामिल हो गए और खुद को उस शब्द से दूर कर लिया और कहा कि उन्होंने कभी इसका इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने कहा, भगवा आतंकवाद शब्द को तब के गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने गढ़ा था। मैंने कभी उस शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। भाजपा में शामिल होने के बाद सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर कड़े रुख के लिए पार्टी की सराहना की। बहरहाल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भी हिंदू आतंकवाद शब्द का इस्तेमाल किया था। बाद में उन्होंने कहा कि वे केवल संघी आतंकवाद का उल्लेख कर रहे थे। कभी भी हिंदू आतंकवाद का उल्लेख नहीं किया।

अब मंदिरों की...

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने आंध्र प्रदेश सरकार से कहा है कि वह तिरुपति बालाजी सहित राज्य के सभी मंदिर हिंदू समाज को सौंप दे। मंदिरों के प्रबंधन में सरकारों, राजनीतिक व्यक्तियों तथा गैर हिंदुओं का कोई काम नहीं है। डॉ. जैन का कहना है कि हिंदुओं के महान तीर्थ तिरुपति बालाजी मंदिर से मिलने वाले महाप्रसाद की पवित्रता के संबंध में जिस प्रकार के समाचार आए उससे संपूर्ण विश्व का हिंदू समाज आक्रोशित है। आस्थाओं की सुरक्षा तो दूर मंदिरों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई है। आंध्र प्रदेश में कई मंदिरों व हिंदू कार्यक्रमों पर जेहादियों के द्वारा आक्रमण किए गए परंतु दुर्भाग्य से अपराधियों पर अभी तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है। हिंदू आस्थाओं के साथ खिलवाड़ करने के ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण समाचार कई स्थानों से मिले हैं। इनमें से अधिकांश मंदिरों का संचालन सरकारों के द्वारा ही किया जाता है। हमारी आस्थाओं का तभी सम्मान हो सकता है जब इनका संचालन स्वयं हिंदू समाज के द्वारा किया जाएगा।

विहिप के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा, सरकार द्वारा नियंत्रित तिरुपति बालाजी सहित अनेक अन्य मंदिरों में हिंदुओं के द्वारा अत्यंत श्रद्धा भाव से अर्पित की गई देव राशि के सरकारी अधिकारियों व राजनेताओं द्वारा दुरुपयोग की अब तक कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इतना ही नहीं हिंदुओं का धर्मांतरण करने या हिंदू समाज को नष्ट करने का प्रयास कर रही संस्थाओं को इस पवित्र राशि से अनुदान देने के समाचार भी मिलते रहे हैं। हिंदू समाज के पैसे का उपयोग हिंदू धर्म को नष्ट करने वालों के पोषण के लिए किए जाने से हिंदू समाज बहुत व्यथित है। तिरुपति बालाजी सहित सरकार द्वारा नियंत्रित मंदिरों के प्रबंधन में कई गैर हिंदुओं की नियुक्ति करके हिंदू आस्थाओं के साथ खिलवाड़ भी किया गया है। डॉ. जैन ने कहा कि सरकारों द्वारा मंदिरों का नियंत्रण न केवल असंवैधानिक है अपितु हिंदू आस्थाओं के साथ खिलवाड़ भी है। माननीय न्यायपालिका ने कई मामलों में स्पष्ट किया है कि सरकारों को मंदिरों के संचालन और उनकी सम्पत्तियों की व्यवस्था से अलग रहना चाहिए। सरकारों द्वारा मंदिरों पर नियंत्रण संविधान की धारा 12, 25 वह 26 का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन है।

विहिप का आरोप है कि मंदिरों पर कब्जा करने वाली सरकारें औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रस्त हैं। मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मंदिरों को लूटा, अपमानित किया और नष्ट किया। अंग्रेजों ने चतुराई पूर्वक उन पर नियंत्रण स्थापित किया और उन्हें निरंतर लूटने की प्रक्रिया स्थापित कर दी। सनातन को समाप्त करने का संकल्प लेने वाली सेकुलर राजनीतिक पार्टियां सनातनियों के मंदिरों की आय और सम्पत्ति को लूट कर अपने घर भी भरती हैं और सनातन विरोधी एजेंडा को पूरा करने का प्रयास भी करती हैं। हिंदू सम्पत्ति का हिंदू कार्यों के लिए ही उपयोग होना चाहिए। हिंदुओं के कल्याण और महान हिंदू संस्कृति के उत्थान के कई कार्य इन मंदिरों की आय से होने चाहिए थे जिनकी अब तक सर्वथा उपेक्षा की जाती रही है।

इसके साथ साथ ही विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि स्वतंत्रता के 77 वर्ष बाद भी हिंदुओं को अपने मंदिरों को संचालन करने के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। अल्पसंख्यकों को तो अपने धार्मिक संस्थान चलाने की अनुमति है परंतु हिंदू समाज को यह संविधान सम्मत अधिकार क्यों नहीं दिया जा रहा है? जबकि, हिंदू समाज अपने लाखों मंदिरों का कुशलतापूर्वक संचालन कर रहा है? सामाजिक और राष्ट्रीय आपदा के समय इन मंदिरों का योगदान हमेशा बहुत महत्वपूर्ण रहा है। हिंदू समाज की सशक्त आवाज है कि मंदिरों का सरकारीकरण नहीं समाजीकरण होना चाहिए।विश्व हिंदू परिषद ने आंध्र प्रदेश सरकार से मांग की है कि तिरुपति बालाजी सहित समस्त हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करके हिंदू संतों व भक्तों को एक निश्चित व्यवस्था के अंतर्गत सौंप दे। इस व्यवस्था का प्रारूप पूज्य संतों ने कई वर्षों के मनन और चिंतन के बाद निर्धारित किया है। तब तक, हिंदू मंदिरों के प्रबंधन व संचालन में नियुक्त अनास्थावान लोगों / गैर हिंदुओं को अविलंब हटाया जाए और यह आदेश दिया जाए कि किसी भी गैर हिंदू व राजनेताओं को मंदिर के संचालन में कभी नियुक्त नहीं किया जाएगा। हिंदू मंदिरों के पास भोजन, प्रसाद या पूजा सामग्री की कोई दुकान गैर हिंदू की ना हो, यह सुनिश्चित करना चाहिए। हिंदू मंदिरों और कार्यक्रमों पर हमला करने वाले जेहादियों व अन्य अपराधियों पर कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए जिससे भविष्य में कोई हिंदुओं पर हमला करने की सोच भी न सके। विहिप ने यह भी कहा कि हिंदू समाज इन विषयों को लेकर आक्रोशित है और यदि ये मांगें नहीं मानी गईं तो अपना संकल्प व्यक्त करने के लिए आंध्र प्रदेश का हिंदू समाज आगामी 5 जनवरी 2025 को विजयवाड़ा में विशाल संख्या में प्रदर्शन करेगा। इसके बाद भी अगर हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त नहीं किया गया और हिंदू समाज की मांगें स्वीकार नहीं की गईं तो एक व्यापक जन आंदोलन प्रारंभ किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि देश में मंदिर मुक्ति की मांग दशकों से हो रही है, लेकिन सरकार इस मांग के उलट ज्यादा से ज्यादा मंदिरों को अपने कब्जे में ले रही है। सुप्रीम कोर्ट में भी एक के बाद एक, कई याचिकाएं दायर हो चुकी हैं। कुछ याचिकाओं में मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करके हिंदुओं के साथ धार्मिक भेदभाव को खत्म करने की अपील की गई है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने अपनी याचिका में दो विकल्प रखे। उन्होंने कहा कि सरकार तुरंत मंदिरों से अपना नियंत्रण छोड़े या फिर मस्जिदों, दरगाहों और गिरजाघरों पर भी अपना कब्जा जमाए। सामाजिक महत्व के कई प्रमुख विषयों पर याचिकाएं दाखिल करने वाले अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि इन दोनों ही स्थिति में धार्मिक आधार पर हो रहा भेदभाव खत्म हो जाएगा। उपाध्याय सामाजिक महत्व के विभिन्न विषयों पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करते रहते हैं।देश में मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण का इतिहास अंग्रेजों के जमाने से जाकर जुड़ता है। यह परंपरा आजादी के बाद भी जारी रही और बकायदा कानून बनाकर मंदिरों पर नियंत्रण जारी रखा। तमिलनाडु में अभी हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ दान बंदोबस्त कानून 1959 के तहत करीब 45 हजार मंदिरों को सरकारी नियंत्रण में संचालित किया जा रहा है। इनमें 17 जैन मंदिर भी शामिल हैं। इसके खिलाफ साधु-संतों से लेकर सामाजिक-धार्मिक संगठन तक आवाज उठाते रहे हैं। दशकों पुराने मंदिर मुक्ति अभियान के तहत सामाजिक स्तर पर चौतरफा काम हो रहा है। विश्व हिंदू परिषद से लेकर संतों के कई संगठन इस आंदोलन को आगे बढ़ा रहे हैं।

भाजपा की सरकारें भी मंदिरों को नियंत्रण मुक्त करना तो दूर, उल्टे इसका दायरा और बढ़ाती रहीं। उत्तराखंड में तत्कालीन त्रिवेंद्र सिंह रावत की सरकार ने चारधाम एक्ट लाकर और तत्कालीन मनोहर लाल खट्टर की हरियाणा सरकार ने चंडीदेवी समेत कई प्रमुख मंदिरों को अपने नियंत्रण लेने का फैसला किया था। लेकिन तमिलनाडु और कर्नाटक के चुनावों में यही भाजपा मंदिरों को मुक्त करवाने के वादे करती है। मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण के पक्ष में कई दलीलें दी जाती हैं। सरकार मंदिरों के उचित प्रबंधन और विकास का हवाला देती है। साथ ही, यह भी कहा जाता है कि सरकार का नियंत्रण होने से मंदिरों के जरिए सामाजिक न्याय को भी मजबूती दी जाती है। सरकार मंदिर प्रबंधन समितियों में सभी वर्गों और जातियों को शामिल किया जाता है ताकि हिंदू समाज में ऊंच-नीच के भेद खत्म हो सके। ये दावे बहुत हद तक सही हैं, लेकिन इस बात से भी इन्कार नहीं किया जा सकता है कि मंदिरों के ट्रस्ट सत्ताधारी दलों के अपने लोगों को सेट करने का भी साधन बन गए हैं। पार्टी के लिए काम कर रहे लोग जब मंदिर ट्रस्ट में आते हैं तो उनका ध्यान धर्मार्थ कार्यों या मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाने पर न होकर अपनी जेबें भरने पर होती हैं। इस कारण से मंदिर के धन की लूटपाट होती है। हालांकि, मंदिर मुक्ति के विरोध में सबसे बड़ी दलील भी यही है कि दान में मिलने वाले धन का पंडों-पुजारियों में बंदरबांट करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।सुप्रीम कोर्ट भी हिंदू मंदिरों पर सरकारी कब्जे को कई बार अनुचित ठहरा चुका है। सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस एसए बोबडे ने 2019 में पुरी के जगन्नाथ मंदिर मामले में कहा था, मैं नहीं समझ पाता कि सरकारी अफसरों को क्यों मंदिर का संचालन करना चाहिए? उन्होंने अपनी टिप्पणी में तमिलनाडु का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकारी नियंत्रण के दौरान वहां अनमोल मूर्तियों की चोरी की अनेक घटनाएं होती रही हैं। जस्टिस बोबडे ने तब साफ कहा था कि ऐसी स्थितियों का कारण भक्तों के पास अपने मंदिरों के संचालन का अधिकार न होना है। इससे पहले सर्वोच्च न्यायालय ने 2014 में तमिलनाडु के प्रसिद्ध नटराज मंदिर पर सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने का आदेश दिया था।

पिछले कुछ वर्षों में हिंदू संगठनों की ओर से यह मांग जोर-शोर से उठाई गई है कि हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाए। हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों ने कहा है कि सरकारी नियंत्रण में मंदिरों की पवित्रता और शुद्धता को बनाए रखना असंभव हो गया है। आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर के ताजा लड्डू विवाद ने हिंदू संगठनों की इस मांग को तेज कर दिया है। लड्डू विवाद के बाद आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने मंदिरों से जुड़े मुद्दों के लिए सनातन धर्म रक्षण बोर्ड बनाने की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की मांग को लेकर देश भर में अभियान चलाने का ऐलान किया है। वीएचपी का कहना है कि मंदिरों का सरकार के नियंत्रण में होना मुस्लिम आक्रमणकारियों और औपनिवेशिक ब्रिटिश मानसिकता का प्रतीक है।

हिंदू संगठनों का कहना है कि देशभर में लाखों मठ-मंदिर हैं जिन पर राज्य सरकार का कब्जा है लेकिन दूसरे मत-मजहब के धार्मिक स्थलों पर कोई कब्जा नहीं है। उनका कहना है कि यह हिंदू धर्म को मानने वालों के साथ भेदभाव करने जैसा है और इसे लेकर देश भर में आवाज उठाने की जरूरत है। ऐसे में बड़ा सवाल सामने आता है कि भारत में धार्मिक स्थलों का प्रबंधन कैसे होता है। मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लोग अपने धार्मिक स्थलों और इससे जुड़े संस्थानों का प्रबंधन बोर्ड या ट्रस्ट के जरिए करते हैं जबकि हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध धर्म के बड़े पूजा स्थलों के प्रबंधन में सरकार का दखल है।कई राज्यों ने ऐसे विशेष कानून बनाए हैं जो उन्हें हिंदू मंदिरों के प्रशासन, उनकी आय और खर्चों में भी नियंत्रण का हक देते हैं। यह नियंत्रण उन बोर्डों और ट्रस्टों के जरिये होता है जिनमें सरकारी प्रतिनिधि होते हैं या फिर इनका नेतृत्व कोई सरकारी अफसर करता है। तमिलनाडु में सबसे ज्यादा हिंदू मंदिर सरकारी नियंत्रण में हैं। यहां राज्य सरकार ने हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग बनाया है। तिरुपति मंदिर को तिरुमला तिरुपति देवस्थानम नाम का निकाय चलाता है और यह आंध्र प्रदेश सरकार के नियंत्रण में है। अहम बात यह है कि देवस्थानम के प्रमुख की नियुक्ति राज्य सरकार ही करती है।सवाल यह भी है कि हिंदू मंदिर सरकारों के नियंत्रण में कैसे आए? 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत में लगभग 30 लाख धार्मिक स्थल हैं और इसमें से ज्यादातर हिंदू मंदिर हैं। ब्रिटिश शासन ने मंदिरों को एक बड़ी सम्पत्ति का भंडार माना और इनकी सरकार द्वारा निगरानी का काम किया। इसके लिए ब्रिटिश सरकार ने बंगाल, मद्रास और मुंबई प्रेसिडेंसी में कई कानून बनाए और इन कानूनों के जरिए उन्हें मंदिरों के प्रशासन में दखल देने का हक मिला। लेकिन आम लोगों ने इसका जोरदार विरोध किया और इसके पीछे वजह यह बताई गई कि एक ईसाई सरकार हिंदू मंदिरों का प्रबंधन कर रही थी। 1863 में धार्मिक बंदोबस्ती अधिनियम पारित हुआ और इसके जरिये मंदिरों का नियंत्रण समितियों को सौंप दिया गया। इसके बाद भी कई कानून ब्रिटिश सरकार की ओर से बनाए गए।1947 में देश के आजाद होने के बाद ब्रिटिश सरकार वाली व्यवस्था ही कायम रही और 1925 में ब्रिटिश सरकार द्वारा बनाए गए विशिष्ट हिंदू मंदिर कानून के तहत काम होता रहा। आईआईएम, बेंगलुरू के सेंटर ऑफ पब्लिक पॉलिसी के प्रोफेसर जी. रमेश द्वारा मंदिर प्रबंधन पर लिखे गए एक पेपर के अनुसार, यह कानून और इसके बाद आए संशोधनों ने मंदिरों के प्रबंधन को देखने के लिए बोर्ड की व्यवस्था करने का हक दिया और कुछ मामलों में तो बोर्ड मंदिर के प्रबंधन को पूरी तरह से अपने हाथ में ले सकता था।मंदिरों से सरकारी नियंत्रण को समाप्त करने की मांग 1959 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने पहली बार उठाई थी। संघ की मांग की थी कि मंदिरों का नियंत्रण हिंदू समुदाय को सौंप दिया जाना चाहिए और इस संबंध में प्रस्ताव पास किया था। इसके बाद आरएसएस से जुड़ी अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने काशी विश्वनाथ मंदिर के संदर्भ में एक प्रस्ताव पास कर उत्तर प्रदेश सरकार से कहा था कि इस मंदिर को हिंदुओं को लौटाने के लिए कदम उठाए जाएं। 1988 में संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल ने फिर से इस मांग को उठाया। इससे पहले दक्षिण भारत में मंदिरों पर सरकारी नियंत्रण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो चुके थे।

वीएचपी 1970 के दशक से इस मुद्दे को लगातार उठा रही है। 2021 में उसने इस संबंध में एक प्रस्ताव भी पारित किया था। साल 2014 में भाजपा के नेतृत्व में केंद्र सरकार बनने के बाद हिंदू संगठनों ने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने की मांग को बड़े जोर-शोर के साथ उठाया है। उनकी इस मांग को बल तब मिला था जब पिछले साल तेलंगाना में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु सरकार पर हिंदू मंदिरों को अपने नियंत्रण में लेने का आरोप लगाया था लेकिन इसका तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने खंडन किया था।पूर्व भाजपा सांसद सत्यपाल सिंह ने संसद में एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया था। 2019 में उत्तराखंड में भाजपा की सरकार ने एक बोर्ड बनाकर चार धाम मंदिरों और 49 अन्य मंदिरों का प्रबंधन एक बोर्ड के अधीन कर दिया था। लेकिन इसका जोरदार विरोध हुआ और फिर इसे रद्द करना पड़ा। मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार ने 2023 में मंदिरों पर राज्य सरकार का नियंत्रण कम किया जबकि कर्नाटक की भाजपा सरकार ने भी ऐसा करने का ऐलान किया लेकिन वह अपने कार्यकाल में इस पर आगे नहीं बढ़ सकी। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत की ओर से राज्य के 51 मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से बाहर करने की घोषणा उस मुहिम का नतीजा है, जिसके तहत कुछ समय से सचेत हिंदू पूरे देश में मंदिरों की मुक्ति का अभियान चला रहे हैं। धीरे-धीरे इसमें इतनी गति आ गई है कि राजनीतिक दल भी इसे अपने वादों में स्थान देने लगे हैं। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान सदगुरु जग्गी वासुदेव ने लोगों से निवेदन किया कि वे वोट मांगने वालों से मंदिरों को राजकीय चंगुल से मुक्त कराने का वचन लें। इसी तरह अपवर्ड, जयपुर डायलॉग्स जैसे कुछ शैक्षिक-वैचारिक मंच भी इसके लिए जन-जागरण चला रहे हैं। इस बीच भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कई मंदिरों के लिए केंद्रीय बोर्ड बनाने की भी बात छेड़ी है यानी मंदिरों को अप्रत्यक्ष सरकारी नियंत्रण में लेने का प्रस्ताव। इस पर तीखी प्रतिक्रियाएं हुई हैं। इसके पीछे कुछ विशेष संगठनों को मंदिरों के संचालन में स्थायी अधिकार देने की योजना देखी जा रही है। यह आशंका निराधार नहीं।हमारे देश में स्वतंत्रता के समय से ही सोवियत मॉडल पर राज्यतंत्र के अधिकाधिक विस्तार की बुरी परंपरा बनी। उससे होने वाली हानियां, व्यापक भ्रष्टाचार और अंततः सोवियत संघ का विघटन देखकर भी हमारे राजनीतिक दलों में उसका आकर्षण नहीं घटा। कारण यही है कि राज्यतंत्र का विस्तार उनकी निजी ताकत और सुविधाएं बढ़ाता है। यह आशंका गलत नहीं कि मंदिरों को कब्जे में लेकर नेतावर्ग अपनी ताकत एवं आमदनी और बढ़ाना चाहें। इसका सबसे दुखद पहलू यह है कि जिस हिंदू समाज के बल पर भारतीय राज्यतंत्र दशकों से चल रहा है, उसी के हितों की लगातार बलि चढ़ाई जाती रही है। स्वतंत्र भारत में ही हिंदुओं को मुस्लिम और ईसाई समुदायों की तुलना में हीन दर्जे में कर दिया गया, जो ब्रिटिश राज में भी नहीं था।स्वयं भारतीय संविधान में ऐसी व्यवस्था कर दी गई कि हिंदुओं को मुस्लिमों, ईसाइयों की तुलना में कम शैक्षिक, धार्मिक, कानूनी अधिकार हैं। इस ओर संकेत करते हुए डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान को गैर-सेक्युलर कहा था, क्योंकि यह विभिन्न समुदायों के बीच भेदभाव करता है। इसी मूल गड़बड़ी का नतीजा हिंदू मंदिरों पर सरकारी कब्जा भी है। यह हिंदूवादी कहलाने वालों के शासन में भी जारी है।

खराब सड़कों...

और जल्द ही जेवर में एक भव्य इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी बनकर तैयार हो रहा है। प्रधानमंत्री ने योगी आदित्यनाथ की नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं और यूपी अब निवेश और रोजगार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है।प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि इस बार की परियोजनाओं में यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अलग-अलग एयरपोर्ट का भी शुभारंभ किया गया है, जिसमें बाबतपुर एयरपोर्ट के अलावा आगरा और सहारनपुर भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से इन राज्यों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब देश की जनता ने तीसरी बार उन्हें सेवा का अवसर दिया, तो उन्होंने तीन गुना गति से काम करने का वादा किया था। अभी केवल सवा सौ दिन ही हुए हैं, और इस दौरान 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक की योजनाओं पर काम शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा, 10 साल पहले सरकार के घोटालों की खबरें छाई रहती थीं, जबकि आज देश के विकास की खबरें घर-घर में चर्चा का विषय हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य जनता का पैसा जनता पर ही खर्च करना है और इसे पूरी ईमानदारी से करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने जोर दिया कि पिछले 10 वर्षों में देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर बड़ा काम हुआ है। हाईवे, रेलवे ट्रैक, और ब्रिज जैसी परियोजनाओं से नागरिकों को सुविधा मिल रही है और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं को राजनीति में आगे लाने की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि वे 1 लाख नए युवाओं को राजनीति में लाएंगे, जिनका राजनीति से कोई पूर्व कनेक्शन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को परिवारवादियों से सतर्क रहना चाहिए क्योंकि वे देश और युवाओं का नुकसान करते हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि समाज का विकास तभी हो सकता है जब महिलाएं और नौजवान सशक्त हों। उन्होंने बताया कि सरकार ने महिलाओं के लिए मुद्रा लोन जैसी योजनाओं के माध्यम से उन्हें व्यापार करने की सहूलियत दी है। गांव-गांव में महिलाएं अब लखपति दीदी और ड्रोन पायलट बन रही हैं। काशी की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर की ओर इशारा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी में मां अन्नपूर्णा स्वयं भगवान शिव को भिक्षा देती हैं, और इसलिए यहां नारी शक्ति का सम्मान और सशक्तिकरण विशेष महत्व रखता है। प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार जल्द ही 3 करोड़ और नए घर बनाने जा रही है, जिसमें वाराणसी की उन महिलाओं को भी शामिल किया जाएगा जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। इसके अलावा, उन्होंने मुफ्त बिजली योजना की भी चर्चा की, जिससे महिलाओं के जीवन को और अधिक सरल बनाया जाएगा।वाराणसी में सारनाथ के विकास से जुड़ी करोड़ों रुपए की परियोजनाओं का भी लोकार्पण हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा, सारनाथ का पाली और प्राकृत भाषा से गहरा नाता है, और यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमने इन्हें शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। काशी के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, और यह शहर अब शहरी विकास की एक मॉडल सिटी बनता जा रहा है। उन्होंने गंगा नदी पर अंग्रेजों के जमाने में बने मालवीय पुल के बगल में बनने वाले नये डबल डेकर ब्रिज की चर्चा करते हुए कहा कि इससे वाराणसी और चंदौली की जनता को बहुत लाभ मिलेगा।इस मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, यह हमारा सौभाग्य है कि नए भारत के नेतृत्वकर्ता नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश की काशी से देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। दीपावली के पहले पीएम के करकमलों से काशीवासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों को योजनाओं का उपहार मिलने पर सीएम योगी ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। योगी ने कहा कि एक ओर जहां इंफ्रास्ट्रक्चर में रोजगार के नए-नए माध्यम सृजित हुए हैं, वहीं दूसरी ओर देश के अंदर आम नागरिक के जीवन से जुड़ी स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य योजनाएं भी नए रूप में देखने को मिली हैं। सौभाग्य है कि नए भारत के नेतृत्वकर्ता के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के काशी से देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपनी आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए नए काया और कलेवर के रूप में 10 वर्ष में बदलती काशी को पूरा देश-दुनिया देख रही है। सीएम योगी ने कहा कि 10 वर्ष में केवल काशी में ही 44 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। 34 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 10 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। दीपावली के ठीक पहले आज काशीवासियों को 3200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है।

सीएम योगी ने अंगवस्त्र ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न प्रदान कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा कि 10 वर्ष में हमने बदलते हुए नए भारत को देखा है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार होते और मूर्त रूप लेते देखा है। भारत ने प्रत्येक क्षेत्र में विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। रोड, एयर कनेक्टिविटी, वाटरवे या रेलवे-पब्लिक ट्रांसपोर्ट, नगरीय क्षेत्रों की मेट्रो व रैपिड रेल की सुविधा हो, प्रत्येक क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर का आज आधुनिक मॉडल देखने को मिला है। दीपावली के ठीक पहले पीएम के करकमलों से काशीवासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों को 6700 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उपहार प्राप्त हो रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा की ऐतिहासिक विजय पर प्रदेशवासियों व काशीवासियों की तरफ से पीएम का स्वागत-अभिनंदन किया। सीएम योगी ने कहा कि पीएम के करकमलों से काशी में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन के शिलान्यास, आगरा में नए एयरपोर्ट के शिलान्यास व सहारनपुर के सरसावा एयरपोर्ट के लोकार्पण हो रहा है। इसके लिए सहारनपुर व आगरा के नागरिकों की तरफ से आभार प्रकट करता हूं।समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, योगी सरकार के मंत्री सुरेश खन्ना, अनिल राजभर, रवींद्र जायसवाल, गिरीश चंद्र यादव, दयाशंकर मिश्र दयालु, महापौर अशोक तिवारी, विधायक नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, टी. राम, डॉ. अवधेश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा आदि मौजूद थे।

प्रदेश को मिली ...

रोजगार के नए अवसर पैदा करने और नागरिकों की जीवनशैली को बेहतर बनाने में सहायक होंगी। प्रधानमंत्री ने वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के विस्तार के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणा की। लगभग 2,870 करोड़ की लागत से हवाईअड्डे के रनवे के विस्तार, एक नए टर्मिनल भवन के निर्माण और संबद्ध कार्यों की आधारशिला रखी गई। इससे हवाईअड्डे की क्षमता और सुविधाओं में विस्तार होगा, जिससे पर्यटकों और व्यापारियों के लिए वाराणसी और पूर्वांचल का कनेक्टिविटी और विकास में महत्वपूर्ण योगदान होगा।खेल प्रतिभाओं को बढ़ाने के लिए 219 करोड़ की लागत से वाराणसी स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के फेज दो और तीन का लोकार्पण। नेशनल सेंटर ऑफ एक्सिलेंस, खिलाड़ियों और कोच के लिए हॉस्टल सुविधा, क्रिकेट और फुटबॉल मैदान, शूटिंग रेंज, डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में 100 बेड के हॉस्टल के साथ ही पवेलियन का निर्माण। 4 करोड़ की लागत से भरथरा और चिरईगांव में स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण। 20 पार्कों के सौंदर्यीकरण और नवनिर्माण। सारनाथ में 90 करोड़ से सौंदर्यीकरण। गुरुधाम और बाणासुर मंदिर का सौंदर्यीकरण। दो करोड़ से टाउनहाल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण। 7 करोड़ से आईटीआई की हाईटेक लैब। 14 करोड़ से सीपैट में छात्रावास। 6 करोड़ से करसड़ा में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट कार्य। ककरमता में 1 करोड़ से प्ले एक्टिविटी जोन। सेंट्रल जेल में 11 करोड़ की लागत से कारागार बैरक। 4 करोड़ से कस्तूरबा गांधी में एकेडमिक ब्लॉक।

सीआरपीएफ...

करने मौके पर पहुंची। सुरक्षा एजेंसियां आसपास के कई सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी हैं। रोहिणी जिला के डीसीपी समेत अन्य अधिकारियों द्वारा ये सख्त निर्देश दिया गया है कि कोई भी सीसीटीवी का कोई भी क्लिप लीक नहीं होना चाहिए। वहीं, एफएसएल टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए हैं।

उड़ान भर...

मगर एयर इंडिया की ओर से इसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। इस सप्ताह अब तक 90 से अधिक उड़ानों में बम की धमकियां मिल चुकी हैं।बम धमकी की घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। देशभर की एयरलाइंस को एक हफ्ते में 80 से ज्यादा बम की धमकियां मिली हैं। इन घटनाओं ने यात्रियों में डर और असुविधा का माहौल पैदा किया है, जबकि एयरलाइंस और सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव बना है। इस संदर्भ में नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो और अन्य संबंधित एजेंसियाँ लगातार प्रयासरत हैं कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो सके।

इन धमकियों के बाद डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) के प्रमुख विक्रम देव दत्त का तबादला कर दिया गया है। उन्हें कोयला मंत्रालय में सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है और उनकी जगह जल्द ही एक संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारी लेंगे। बताया जा रहा है कि यह कदम हालिया बम धमकी की घटनाओं के बाद लिया गया है। शनिवार को 30 से अधिक विमानों को बम की धमकी मिली, जिससे हवाई सुरक्षा में चिंता बढ़ गई। अब तक कुल 80 विमानों को धमकियां मिल चुकी हैं। इन विमानों में विस्तारा, इंडिगो, एयर इंडिया, स्पाइसजेट, स्टार एयर, एलाएंस एयर जैसी कंपनियां शामिल थीं। इस बीच, मुंबई से कोलंबो जा रही विस्तारा की फ्लाइट में बम की खबर मिलने के बाद सभी 96 यात्रियों और 8 क्रू सदस्यों को सुरक्षित उतारा गया। इसके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को भी धमकियों का सामना करना पड़ा।

ऐसी प्रत्येक धमकी के बाद होने वाली जांच और प्रोटोकॉल को पूरा करने में काफी समय और पैसा खर्च होता है। ऐसी हर धमकी पर 3 करोड़ से ज्यादा का नुकसान होता है। एक अनुमान के मुताबिक, इन धमकियों से अब तक 200 करोड़ से अधिक का नुकसान हो चुका है। साथ ही यात्रियों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

हिंदू कर्मचारियों...

चंचल त्यागी ने अपने उत्पीड़न की शिकायत पहले एयरपोर्ट प्रशासन और फिर दिल्ली पुलिस कमिश्नर के पास की, लेकिन जब वहां से कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने एक वीडियो जारी कर अपनी व्यथा व्यक्त की और पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य सरकार से न्याय की गुहार लगाई। उनका कहना है कि नौकरी छोड़ने के अलावा उनके पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि महजबीन लगातार उनका उत्पीड़न कर रही हैं।

एयर इंडिया की मुस्लिम अधिकारी महजबीन से इस बारे में बात की गई, तो उन्होंने सभी आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना था कि कंपनी के नियम और ड्रेस कोड सभी कर्मचारियों पर समान रूप से लागू होते हैं, चाहे वह हिंदू हो या मुस्लिम। महजबीन ने कहा, कंपनी में ड्रेस कोड के तहत हिंदू कर्मचारी को तिलक लगाने और मुस्लिम कर्मचारी को टोपी पहनने की अनुमति नहीं है। एयरपोर्ट पर विभिन्न धर्मों के यात्री आते हैं, और इसलिए यह नियम बनाए गए हैं ताकि किसी भी धार्मिक प्रतीक को दिखाने से बचा जा सके। महजबीन ने यह भी कहा कि कंपनी में सभी धर्मों के लोग काम करते हैं और उन पर समान नियम लागू होते हैं। लेकिन चंचल त्यागी ने इन नियमों का उल्लंघन किया, जिसके बाद उन्हें हिदायत दी गई थी। एयर इंडिया की ओर से इस विवाद पर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। चंचल त्यागी के वीडियो के वायरल होने के बाद यह मामला तूल पकड़ गया है। सोशल मीडिया पर कई लोग चंचल के समर्थन में आ गए हैं और इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।हिंदू कर्मचारियों के साथ धार्मिक भेदभाव का प्रकरण लगातार सामने आ रहा है। अभी हाल ही में प्रयागराज में डायसिस ऑफ लखनऊ में तैनात कर्मचारी आकाश त्रिपाठी ने डायसिस ऑफ लखनऊ के बिशॉप मारिश एडगर दान और उनके बेटे एलन दान, पादरी अजीत फ्रांसिस, महिला पादरी विनीता इशुबियस पर जबरन धर्मपरिवर्तन का आरोप लगाया है। युवक पर ईसाई धर्म का प्रचार प्रसार करने का जबरन दबाव बनाया जा रहा है! पीड़ित ने मामले की तहरीर सिविल लाइंस थाने में दर्ज कराई है।

पीड़ित ने बताया कि डायसिस के कर्मचारी कई माह से मुझ पर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहे थे। इसके लिए उन्होंने मुझे संस्था में स्थाई नौकरी का प्रलोभन व मोटी रकम देने को कहा। इसका विरोध करने पर मुझे नौकरी से निकालने की धमकी दी जाने लगी। उसे कमरे में बुलाकर बिशप के अलावा एलन दान, कटरा चर्च के पादरी अजीत फ्रांसिस, अमर मोसेस, विनीता इसुबियस, आर्ची तिमोथी सहित कई लोग मौजूद थे, उन्होंने उसके ऊपर जल छिडक कर कहा कि अब तुम ईसाई बन गए हो। बिशप ने कहा कि अब प्रभु ईशू का प्रचार प्रसार करोगे, हिंदू देवी देवताओं की पूजा नहीं करोगे। अब तुम्हे स्थाई नौकरी और बीस हजार की राशि दी जाएगी। इसके दूसरे दिन तिलक लगाकर कार्यालय पहुंचने पर उसके साथ बदसलूकी की गई और कार्यालय के बाहर रोक दिया गया। त्रिपाठी ने कहा, अब मेरा कार्यालय में जाना प्रतिबंधित कर दिया गया है।मुरादाबाद के लैक्मे फैशन एकेडमी की तरह कलावा-तिलक को लेकर हिंदू छात्र-छात्राओं के उत्पीड़न के मामले रुहेलखंड में भी लगातार सामने आ रहे हैं। अमरोहा और रामपुर के दो कॉलेजों में बच्चों को तिलक-कलावा की वजह से परेशान किया गया, तो हिंदू संगठन सड़कों पर उतर आए। कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। आक्रोश का ज्वार देखकर अमरोहा में मुस्लिम प्रबंधक बैकफुट पर आ गए तो रामपुर में शिकायत पर मुस्लिम शिक्षिका को कॉलेज से हटा दिया गया है।हाथ में कलावा और माथे पर तिलक की वजह से हिंदू बच्चों के उत्पीड़न का एक मामला अमरोहा में मंडी धनौरा मार्ग पर स्थित पियर्स चड्ढा इंटर कालेज में सामने आया है। पीड़ित छात्रों ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन उनके साथ भेदभाव कर रहा था। कलावा और तिलक देखकर उनको परेशान किया जाता था और कॉलेज आने से रोका जाता था। अभिभावकों के जरिए इसकी जानकारी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को लगी तो गुस्साए कार्यकर्ता मैदान में उतर आए।अमरोहा जैसा ही प्रकरण रामपुर जिले में धमौरा स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में देखने को मिला। कॉलेज में स्टाफ की कमी के चलते प्राइवेट तौर पर एक मुस्लिम शिक्षिका फिरदौस को पढ़ाने के लिए रखा गया था। कट्टरपंथी विचारों वाली फिरदौस को हिंदू छात्रों के कलावा बांधकर और तिलक लगाकर आने से चिढ़ थी। फिरदौस ने कुछ छात्राओं को डांट-डपटकर कलावा-तिलक के बिना ही कॉलेज आने की चेतावनी दी। छात्राओं ने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी तो अभिभावकों ने पूरी स्थिति से हिंदू संगठनों को अवगत कराया। इसी तरह दमोह के गुड शेफर्ड स्कूल में हिंदू लड़कियों को टीसी में ईसाई बताने का प्रकरण सामने आ चुका है। उस स्कूल में हिंदुओं को एडमिशन नहीं दिया जा रहा।

विरोध करने वाले...

तेलंगाना भाजपा प्रवक्ता तुल्ला वीरेंद्र गौड़ ने टिप्पणी की कि कांग्रेस शासन में हिंदू और उनके मंदिर सुरक्षित नहीं हैं।निश्चित ही यह बहुत गंभीर विषय है कि जब इस मामले में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंदिर का दौरा किया था और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की थी। उन्होंने इसे शर्मनाक घटना बताते हुए साफ कहा था कि देव प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने वाला यहां चोरी करने नहीं आया था, बल्कि हिंदू समाज का अपमान करने आया था। हैदराबाद में विभिन्न स्थानों पर ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं, कुछ लोग हैदराबाद में तनाव पैदा करने और हैदराबाद में सांप्रदायिक दंगे बढ़ाने के लिए जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने राज्य की रेवंत रेड्डी सरकार से ऐसे घटित सभी मामलों में जल्दी कार्रवाई करने और दोषियों को गिरफ्तार करने के लिए ही तो कहा था, जबकि सरकार आज क्या कर रही है? उल्टे यह मांग करने वाले प्रदर्शनकारियों पर डंडे बरसा रही है और दूसरी तरफ श्री मुथ्यलम्मा मंदिर में घुसकर मुख्य मूर्ति को अपवित्र करने का काम जिसने किया उस सलमान सलीम को कांग्रेस सरकार जेल में बिरयानी खिला रही है! तेलंगाना में कांग्रेस की रेवंत रेड्डी सरकार का ये कैसा न्याय सही बात कहने वालों पर लाठीचार्ज? जबकि उसे अभी अन्य आरोपियों को पकड़ना चाहिए था!

दिवाली से पहले पांच सपने देखना बेहद शुभ और मां लक्ष्मी की कृपा का संकेत

स्वप्न शास्त्र के अनुसार हर सपना हमें एक संकेत देता है । दिवाली जैसे खास त्योहार से पहले अगर आपको सपने में कुछ खास चीजें दिखें तो यह भी बहुत शुभ संकेत माना जाता है। आज हम आपको अपने आर्टिकल में इन्हीं चीजों के बारे में जानकारी देंगे। दिवाली या दिवाली से पहले सपने में इन चीजों को देखना बेहद शुभ माना जाता है। इन सपनों का मतलब यह है कि माता लक्ष्मी आप पर अपनी कृपा बरसाने वाली हैं। आइए इन सपनों के बारे में विस्तार से बताएं। दिवाली से पहले अगर किसी को सपने में कमल का फूल दिखे तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। ऐसे सपने के बाद आपके जीवन में सुख-समृद्धि आएगी। स्वप्न शास्त्र के अनुसार यह सपना आपके वैवाहिक जीवन में भी सुख और समृद्धि लाता है।

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में पर्याप्त खुशहाली प्राप्त करना चाहता है। ऐसे में अगर आपको दिवाली से पहले सपने में पैसा या सोना दिखे तो यह बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है। ऐसे सपने के बाद आपकी झोली खुशियों से भर सकती है। ऐसे सपने के बाद व्यक्ति को धन लाभ होता है। अगर दिवाली से पहले आप सपने में कोई मंदिर देखते हैं या खुद को उसकी पूजा करते हुए देखते हैं तो यह सपना भी आपके लिए शुभ है। इस सपने का मतलब है कि आप अपने पारिवारिक जीवन में खुश रहेंगे। इसके अलावा मां लक्ष्मी की कृपा से आपके घर में धन का आगमन भी होगा। इसके अलावा अगर आपको दिवाली से पहले सपने में कोई धार्मिक स्थल दिखाई दे तो समझ लें कि आपको शुभ समाचार मिल सकता है। यह सपना आपकी आध्यात्मिक प्रगति को भी दर्शाता है। दिवाली की पूर्व संध्या पर सपने में दीपक देखना भी बहुत शुभ संकेत होता है।हिंदू धर्म में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है। दिवाली से पहले सपने में गाय देखना भी बहुत शुभ होता है। इस सपने का अर्थ है कि आप जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में लाभ प्राप्त कर सकेंगे। धन संबंधी मामलों में भी आपको सफलता का अनुभव होगा।

अगर आपको दिवाली से पहले सपने में कोई पवित्र नदी जैसे गंगा, यमुना या साफ तालाब दिखाई दे तो यह बहुत ही शुभ संकेत माना जाता है। इस सपने का मतलब है कि माता लक्ष्मी आपके कार्यों से प्रसन्न हैं। ऐसा सपना देखकर आप उनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। यह सपना आपकी वित्तीय क्षमताओं का विस्तार करने के लिए बनाया गया है।

पैसे आते ही खर्च हो जाते हैं, धन हाथ में टिकता ही नहीं, तो ये उपाय आज ही करें

महंगाई के समय में यूं तो जितना धन आए उतना कम पड़ जाता है । अगर हम बजट बनाकर चलते हैं और पैसे खर्च करते समय ध्यान रखते हैं कि फिजूल खर्ची तो नहीं हो रही, तो ऐसे में हम बचत कर सकते हैं। लेकिन इसके बावजूद भी अगर आपके पैसे नहीं टिकते, आने से पहले ही खर्चे तैयार रहते हैं तो आपको ये ज्योतिष उपाय करना चाहिए। धन का सही उपयोग कैसे किया जाए, यह एक महत्वपूर्ण सवाल है। अक्सर लोग कहते हैं कि पैसे नहीं आ रहे, लेकिन जो पैसा आता है उसका सही प्रबंधन और खर्च करने का तरीका भी बेहद ज़रूरी है। अगर आप पैसे का उपयोग अपने कपड़े खरीदने, उपहार देने या किसी महत्वपूर्ण काम में करते हैं, तो यह सही दिशा में हो रहा है। लेकिन पैसे का दुरुपयोग न करें, उसे व्यर्थ न गंवाएं।

पीली सरसों से समाधान

धन के उचित उपयोग और स्थिरता के लिए एक बहुत ही सरल उपाय है जो आपकी रसोई से ही आसानी से हो सकता है। पीली सरसों के कुछ दाने उठाकर उन्हें अपने बटुए, बैग या जहां भी आप अपना पैसा और कार्ड रखते हैं, वहां रखें। इसके बाद भगवान शिव का ध्यान करें। ऐसा करने से आपके पैसे की कभी कमी नहीं होगी और आप हमेशा धन्य महसूस करेंगे।

व्यवसाय और नौकरी में स्थिरता का उपाय

धन के आगमन को नियमित और स्थिर रखने के लिए ये उपाय करें। अगर आपको लगता है कि आपके व्यवसाय या नौकरी में अस्थिरता है, तो गोमती चक्र का उपाय इस समस्या का समाधान कर सकता है। गोमती चक्र भगवान विष्णु का प्रतीक माना जाता है।

इस चक्र के घुमावदार रेखाएं मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु के प्रतीक होती हैं। आपको एक छोटा और एक बड़ा गोमती चक्र लेना है और इसे सिंदूर में रख देना है। हमारी संस्कृति में सिंदूर को शुभ माना जाता है। इसके अलावा, आप एक गोमती चक्र को तांबे, पीतल या किसी धातु के बर्तन में रखकर अपने घर के मंदिर में स्थापित कर सकते हैं। यह एक मंडल बनाकर धन और स्थिरता को आकर्षित करता है।

रोगमुक्त जीवन के लिए ये हैं बुद्ध के 5 नियम, कभी नहीं होंगे बीमार

बुद्ध के जीवन में अद्वितीय ऊर्जा, तेजस्विता और स्वस्थता देखी गई, चाहे वह वृद्धावस्था में ही क्यों न हों। उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का रहस्य उनके जीवनशैली के नियमों में छिपा था। एक बार एक शिष्य ने उनसे पूछा कि इतने कम भोजन के बावजूद, आप हमेशा स्वस्थ और सक्रिय कैसे रहते हैं? बुद्ध ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया कि यह भोजन की मात्रा या प्रकार पर निर्भर नहीं करता, बल्कि भोजन को सही तरीके से ग्रहण करने और जीवन के कुछ नियमों का पालन करने पर निर्भर करता है। उन्होंने रोगमुक्त रहने के पांच प्रमुख नियम बताए, ये नियम क्या हैं आइए जानते हैं।

भोजन के प्रति जागरूकता

अगर आप रोगमुक्त जीवन चाहते हैं तो बुद्ध की इन बातों को ध्यान में रखते हुए भोजन करें। अगर कोई व्यक्ति किसी से बात करते हुए या अपने विचारों में डूबा हुआ भोजन करता है तो उसका मन भोजन से अलग रहता है। भोजन का प्रभाव तभी होता है जब उसे सही तरीके से ग्रहण किया जाए, मन को शांति और संतोष के साथ ही भोजन ग्रहण करना लाभकारी होता है।

सूर्यास्त के बाद भोजन न करें

बुद्ध ने कहा कि सूर्यास्त के बाद भोजन करने से बचना चाहिए। रात को भोजन करने से शरीर को उसे पचाने में समय लगता है जिससे शरीर अपनी मरम्मत की क्षमता को खो देता है।

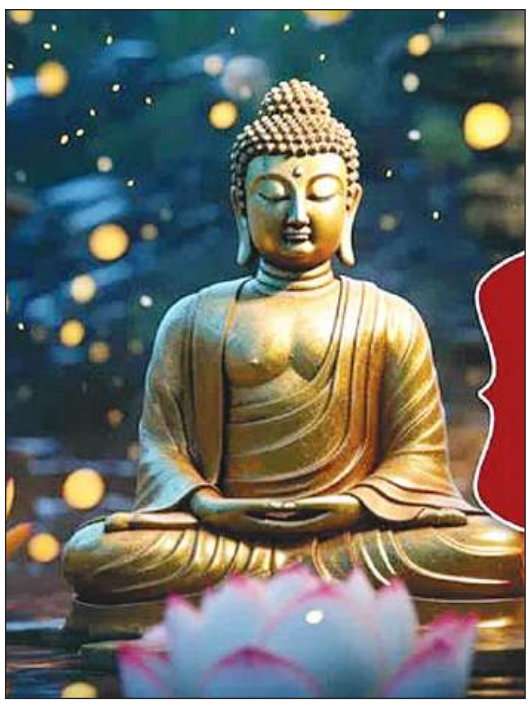

उन्होंने सुझाव दिया कि अगर रात को भोजन किया जाए तो वह हल्का और जल्दी पचने वाला हो।

सरल और पाच्य भोजन ग्रहण करें

महात्मा बुद्ध रोगमुक्त जीवन के लिए इस बात पर भी जोर देते हैं कि सबसे सरल और पचने योग्य भोजन, जैसे दाल-चावल होते हैं ऐसा भोजन करना चाहिए। यह भोजन न केवल स्वादिष्ट होता है बल्कि शरीर को आवश्यक ऊर्जा भी प्रदान करता है। उन्होंने मांसाहारी भोजन से बचने की सलाह दी क्योंकि उसमें हिंसा और पीड़ा के गुण समाहित होते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

भोजन पकाने वाले के भाव

बुद्ध ने कहा कि भोजन पकाने वाले के मनोभाव भी भोजन में समाहित होते हैं। भोजन प्यार, शांति और खुशी के भाव से बनाया गया हो, तो वह शरीर और मन दोनों को संतुष्टि देता है। वहीं, क्रोध या द्वेष के भाव से बना भोजन शरीर और मन दोनों को अशांत कर सकता है।

भोजन करते समय रीढ़ सीधी रखें

रोगमुक्त जीवन के लिए बुद्ध ने बताया कि भोजन करते समय रीढ़ सीधी रखना चाहिए। जब हमारी रीढ़ सीधी होती है तो भोजन आसानी से पेट में पहुंचता है और पचने की प्रक्रिया सुचारू रूप से होती है। झुकी हुई स्थिति में भोजन सही से नहीं पहुंचता और पाचन में समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। बुद्ध के इन नियमों का पालन करके कोई भी व्यक्ति शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकता है।

कैसा है भगवान विष्णु का विट्ठल स्वरूप?

क्यों पड़ा श्रीहरि का ये नाम, जानें पूजा का महत्व

हिन्दू धर्म में त्रिदेवों की भूमिका बहुत खास है और इनमें बात करें भगवान विष्णु की तो उन्होंने धरती और धर्म की रक्षा के लिए 10 अवतार लिए। इन अवतारों को दशावतार कहा जाता है और आप इनमें कई अवतारों के बारे में जानते भी होंगे। आपने श्रीहरि के अनेक नामों में से एक विट्ठल भी सुना होगा। खास तौर पर यह नाम महाराष्ट्र और कर्नाटक में सुनाई देता है, जहां लोग बड़े ही प्रेम और भक्ति के साथ यह नाम लेते हैं। इन क्षेत्रों में विट्ठल नाम से कई मंदिर हैं और भक्त पूरी श्रद्धा और समर्पण भाव से भगवान विट्ठल की पूजा करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं विष्णु जी का यह नाम कैसे पड़ा? इसके पीछे क्या है कथा? आइए जानते हैं

एक पौराणिक कथा में इस बात का उल्लेख मिलता है कि कैसे भगवान विष्णु का नाम विट्ठल पड़ा। कथा के अनुसार, एक बार की बात है जब भगवान विष्णु से देवी रुक्मिणी किसी बात को लेकर नाराज हो गईं। वे जब द्वारका से चली गईं तो श्रीहरि उन्हें ढुंढते हुए दिंडीवन पहुंचे और यहां उन्हें देवी रुक्मिणी मिल गईं। उसी समय वहां एक आश्रम में भगवान विष्णु का भक्त रहता था, जिसका नाम था पुंडलिक।

पुंडलिक भगवान विष्णु की खूब भक्ति करता था और साथ में अपने माता-पिता की सेवा भी करता था। ऐसे में भगवान विष्णु अपने भक्त से मिलने उसी समय देवी रुक्मिणी के साथ उनके आश्रम में पहुंचे। लेकिन तब पुंडलिक अपने माता-पिता की सेवा में व्यस्त था और ऐसे में जब श्रीहरि ने पुंडलिक से मिलने की बात कही तो भक्त ने भगवान को थोड़ा इंतजार करने को कहा।

कथा के अनुसार, पुंडलिक ने भगवान विष्णु को एक ईंट फेंककर कहा कि वह उस पर खड़े रहें और इंतजार करें। जिसके बाद भगवान ने अपने भक्त की बात मानी और ईंट पर खड़े होकर भक्त की प्रतीक्षा की और जब पुंडलिक उनके पास आया तो उससे वरदान मांगने को कहा।

पुंडलिक ने भगवान से सिर्फ छोटा सा निवेदन किया कि रुक जाएं और अपने भक्त की इस श्रद्धा को देख श्रीहरि उसी ईंट पर खड़े होकर, कमर पर हाथ रखकर, प्रसन्न मुद्रा में खड़े हो गए। कहा जाता है कि यह मुद्रा ही विट्ठल अवतार कहलाई और भगवान विष्णु का नाम 'विट्ठल' पड़ गया।

यहां से हुई थी छठ की शुरुआत, तालाब में नहाने से कुष्ठ रोगों से मिलती है मुक्ति!

श्रीकृष्ण के साथ जुड़ा है इतिहास

नालंदा जिले का बड़गांव, जो वैदिक काल से सूर्य मंदिर रहा है, आज भी श्रद्धालुओं के बीच एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहां का सूर्य मंदिर अपनी ऐतिहासिकता और धार्मिक महत्व के कारण देशभर के भक्तों को आकर्षित करता है। बड़गांव में छठ पूजा का विशेष महत्व है। मान्यता है कि यहां पूजा करने से हर मुराद पूरी होती है। हर साल, चैत और कार्तिक माह में, लाखों श्रद्धालु यहां आकर छठ महापर्व मनाते हैं। छठ पूजा का यह आयोजन विशेष रूप से यहां के पवित्र सूर्य तालाब के किनारे होता है। भक्त सवेरे-सवेरे सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देते हैं, जो कि इस परंपरा की एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

कहा जाता है कि इस स्थान पर भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा की शुरुआत हुई, जो आज पूरे भारत में एक लोक आस्था के पर्व के रूप में स्थापित हो चुकी है। बड़गांव की इस धार्मिक परंपरा का प्रभाव इतना गहरा है कि ऐतिहासिक रूप से, भगवान कृष्ण ने भी युद्ध के लिए राजगीर जाते समय इस स्थान पर आकर भगवान सूर्य की आराधना की थी। यहां राजा साम्ब ने इस क्षेत्र में एक गड्ढे की खुदाई कर एक विशाल तालाब का निर्माण कराया। यह तालाब आज भी लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है, जहां स्नान कर लोग कुष्ठ जैसे असाध्य रोगों से मुक्ति पाते हैं। तालाब की खुदाई में विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियां मिली हैं, जिनमें भगवान सूर्य, कल्प विष्णु, सरस्वती, लक्ष्मी और नवग्रह देवता शामिल हैं। राजा ने अपने दादा श्रीकृष्ण की सलाह पर तालाब के पास एक मंदिर का निर्माण कराया, जो 1934 में आए भूकंप में ध्वस्त हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तालाब से थोड़ी दूर एक नया मंदिर स्थापित किया, जहां सभी प्रतिमाओं को पुनर्स्थापित किया गया। यहां के सूर्य मंदिर में छठी माता, सूर्यदेव और सूर्यदेव के भाई की प्रतिमा स्थापित है जो कि तालाब से खुदाई के दौरान मिली थी।

यहां हर साल विशेषकर छठ महापर्व के दौरान, लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। श्रद्धालु इस पवित्र तालाब में स्नान कर पूजा अर्चना करते हैं, जिससे उन्हें अद्भुत अनुभव होता है। खासकर कार्तिक और चैत माह में यहां की रौनक बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त, अगहन और माघ माह में भी भक्त यहां आकर सूर्य देव को अर्घ्य देते हैं। बड़गांव का सूर्य पीठ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और परंपरा का गहन प्रतीक भी है। इसकी ऐतिहासिकता और श्रद्धा का यह अनूठा संगम आज भी लोगों को खींचता है।

स्वर्ग से आया है ये पेड़! घर में लगा पौधा देगा सुख, सुगंध से तनाव होगा कम

प्रकृति में ऐसे अनेकों पौधे हैं जिनकी हिंदू धर्म में पूजा अर्चना की जाती है। यह पौधे आयुर्वेद में भी बहुत अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। कुछ पौधों का संबंध तो भूत प्रेत आत्माओं से भी होता है। ऐसा ही एक पौधा डगलस देवदार, इसे क्रिसमस ट्री के नाम से भी जाना जाता है। यह पौधा देखने में बहस सुंदर होता है इसलिए इसको गार्डन में प्रमुखता से उगाया जाता है।

बहुत से लोग इस पौधे का संबंध ईसाई धर्म से जोड़ते हैं, लेकिन यह पेड़ हिंदू धर्म और स्थानीय मान्यताओं से भी जुड़ा हुआ है। धर्म विशेषज्ञ चंद्रप्रकाश ढांढण बताते हैं कि क्रिसमस ट्री का वास्तु शास्त्र में बड़ा महत्व है। इस पेड़ में धन की देवी लक्ष्मी जी का वास होता है। इस पौधे को बुरी आत्माओं को भगाने वाला पौधा भी कहां गया है। इसके अलावा क्रिसमस ट्री के पेड़ को स्वर्ग वृक्ष भी कहां जाता है। इस पेड़ की शाखाओं व तने पर सुइयों की तरह छोटे-छोटे कांटे बने होते हैं। यह इस पौधे को चौक आंगन व गार्डन व गमले में आसानी से लगाया जा सकता है। यह एक सदाबहार पौधा होता है।

घर में कैसे लगाएं क्रिसमस ट्री का पौधा

क्रिसमस ट्री गमले और मिट्टी दोनों तरीके से लगाया जा सकता है। गमले में लगाने के लिए लगभग एक-तिहाई हिस्सा ताज़ी मिट्टी और खाद का प्रयोग करें, फिर पौधे की जड़ों पर लगी मिट्टी को थोड़ा हटा लें और फिर गमले में रोपण कर दें और फिर पानी जरूर दें। क्रिसमस ट्री को हफ्ते में एक बार पानी देना चाहिए। इसको धूप की रोशनी में रखना चाहिए इससे पौधा अच्छा ग्रोथ करेगा। इसकी पत्तियां हरे से पीले रंग में बदलने लगे, तो इसकी देखभाल अच्छी तरह से करना चाहिए।

वास्तु के अनुसार धार्मिक महत्व

धर्म विशेषज्ञ चंद्रप्रकाश ढांढण ने बताया कि वास्तु शास्त्र के अनुसार क्रिसमस ट्री को समृद्धि वाला पौधा कहा गया है। इस पौधे को घर चौक आंगन में उत्तर पूर्व की दिशा में लगाना अच्छा होता है। क्रिसमस ट्री में धन की देवी लक्ष्मी का वास बताया गया है। इस पौधे को घर चौक आंगन में लगाना से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और पूरे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसलिए वास्तु शास्त्र के अनुसार क्रिसमस ट्री का पौधा लगाना शुभ माना गया है।

क्रिसमस में क्यों सजाते हैं ये पौधा

क्रिसमस ट्री को स्वर्ग वृक्ष भी कहां गया है। 25 दिसंबर को ईसा मसीह के जन्मदिन पर इस पौधे को विशेष सजाने का रिवाज है। इस पौधे पर सेब लटकाए जाते हैं। साथ ही रंगीन पत्तियों, कागज और लकड़ी के तिकोना तख्ते से भी सजाते हैं। कई जगह इस पेड़ को मोमबत्ती, ट्रॉफी और केक को रिबन और कागज की पत्तियों से सजाते हैं।

औषधीय गुणों से भरपूर

आयुर्वेदिक डॉक्टर किशन लाल ने बताया कि क्रिसमस ट्री के तने और फल का बना काढ़ा सांस, मानसिक तनाव, और यूरिन से जुड़ी समस्याओं में आराम देता है। इस पौधे के काढ़ा पीने से शरीर की सूजन खत्म होती है और किडनी, पेट से जुड़ी परेशानियां भी दूर हो जाती है। इसके अलावा क्रिसमस ट्री के पेड़ से आने वाली सुगंध काफी अच्छी होती है, इसकी सुगंध से तनाव कम होता है। इसमें बैक्टीरिया, कीड़े, और कवक को दूर भगाने के गुण होते हैं। इसलिए इसे आंगन में जरूर लगाना चाहिए।

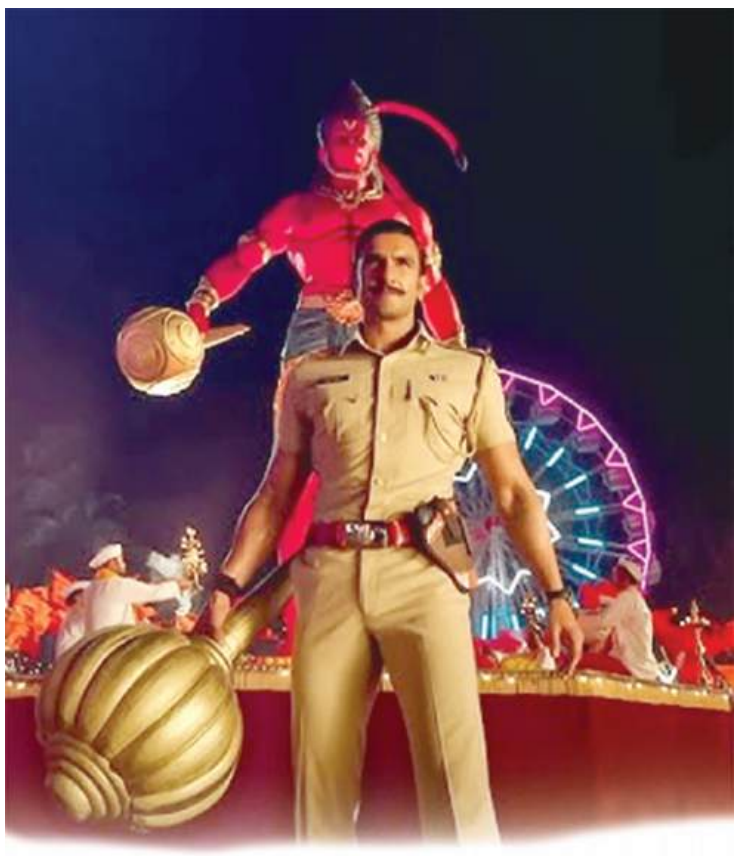

सिंघम अगेन का जय बजरंग बली सॉन्ग रिलीज

हनुमान चालीसा की धुन कर देगी रोंगटे खड़े

रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्म सिंघम अगेन का पहला गाना जय बजरंगबली रिलीज हो गया है। यह गाना हनुमान चालीसा से प्रेरित है। 1 नवंबर, 2024 को फिल्म की रिलीज से पहले जय बजरंग बली सॉन्ग को रिलीज करते हुए मेकर्स ने सिंघम अगेन को लेकर उत्सुकता जगा दी है। यह गाना शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की परंपरा को जारी रखते हुए, फिल्म के एक्शन सीन के लिए टोन सेट करता है।जय बजरंग बली सॉन्ग हनुमान चालीसा से प्रेरित है जो इस ट्रैक में चार चांद लगा रही है। इस ट्रैक में रणवीर सिंह को हनुमान की तरह दिखाया गया है जो अजय देवगन से मिलते हैं और सीता के रूप में करीना को वापस लाने में उनकी मदद करते हैं। ट्रैक रिलीज होते ही फैंस कमेंट सेक्शन में खूब तारीफ कर रहे हैं। एक ने लिखा- वाव सुपर डुपर हिट। एक ने लिखा- राम और हनुमान जी की जोड़ी का हम इंतजार कर रहे हैं। एक ने कमेंट किया- ब्लॉकबस्टर मूवी।हाल ही में सिंघम अगेन का ट्रेलर रिलीज हुआ जिसे फैंस ने बहुत प्यार दिया। मेकर्स ने सिंघम अगेन का ट्रेलर 7 अक्टूबर को रिलीज किया। ट्रेलर में कलयुग के रामायण और मराठा साम्राज्य का जबरदस्त कॉम्बिनेशन देखने को मिला है। ट्रेलर में अजय देवगन जहां राम, करीना कपूर मॉर्डन सीता (आनवी), टाइगर श्रॉफ - लक्ष्मण, रणवीर सिंह- बजरंगबली, अक्षय कुमार- जटायु को रिप्रेजेंट कर रहे हैं। वहीं, अर्जुन कपूर को रावण का रोल अदा कर रहे है। दीपिका पादुकोण लेडी सिंघम के अवतार में नजर आई है। ट्रेलर देशभक्ति और गहन ड्रामा से भरपूर है। फिल्म के ट्रेलर को महज 24 घंटे के अंदर 138 मिलियन व्यूज मिले हैं और ये अब तक का सबसे बड़ा ट्रेलर भी है इसका रनटाइम 4 मिनट 58 सेकंड लंबा है।सिंघम अगेन में अजय देवगन, करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं। सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया से क्लैश करेगी।

बाहुबली 3 के लिए फिर साथ आएंगे प्रभास और एसएस राजामौली

निर्माता का खुलासा

साउथ के सुपरस्टार कहे जाने वाले प्रभास की फिल्म बाहुबली: द बिगिनिंग को 10 जुलाई, 2015 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, जिसकी सफलता के बाद 2017 में इस फिल्म की सीक्वल बाहुबली 2: द कन्क्लूजन आया और इसे भी दर्शकों का खूब प्यार मिला। इन दोनों फिल्मों का निर्देशन एसएस राजामौली ने किया था।अब खबर आ रही है कि बाहुबली की तीसरी कड़ी बाहुबली 3 पर जल्द काम शुरू होने वाला है।बाहुबली 3 के लिए प्रभास एक बार फिर राजामौली के साथ हाथ मिलाने वाले हैं।इस बात का खुलासा जाने-माने फिल्म निर्माता केई ज्ञानवेल राजा ने किया है, जो इस वक्त सूर्या, दिशा पाटनी और बॉबी देओल जैसे सितारों से सजी फिल्म कंगुवा को लेकर चर्चा में हैं।हाल ही में एक साक्षात्कार में ज्ञानवेल ने बाहुबली 3 पर मुहर लगाई। इसके साथ उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म की कहानी पर काम जल्द शुरू हो जाएगा।ज्ञानवेल ने कहा, फिल्म बाहुबली 3 बन रही है। पिछले हफ्ते मैंने फिल्म के निर्माताओं के साथ बातचीत की है। उन्होंने बाहुबली और बाहुबली 2 को एक के बाद एक बनाया, लेकिन अब निर्माता कुछ अंतराल के बाद बाहुबली 3 की योजना बना रहे हैं।बता दें कि बाहुबली ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 118.7 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं बाहुबली 2 510.99 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।

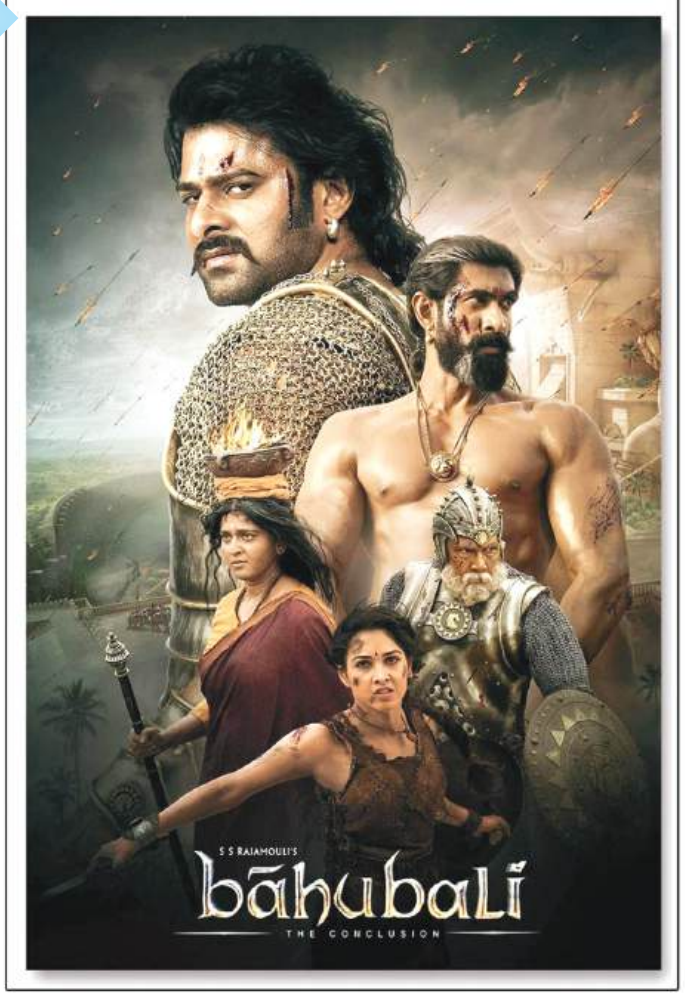

बॉक्स ऑफिस पर विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने वसूल ली लागत, जिगरा का संघर्ष जारी

बीते 11 अक्टूबर को 2 हिंदी फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थीं। एक विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और दूसरी जिगरा। दोनों फिल्मों से दर्शकों की उम्मीदें बंधी थीं, लेकिन इनमें से किसी ने भी बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं किया और ना ही दर्शकों या समीक्षकों से इन्हें हरी झंडी मिली।फिल्में रिलीज के दूसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुकी हैं।आइए जानते हैं टिकट खिड़की पर दोनों फिल्मों का हाल।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और जिगरा दोनों ही सिनेमाघरों में मुश्किल दौर से गुजर रही है। हालांकि, दोनों की तुलना करें जिगरा, विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से पीछे चल रही है।

फिल्मों को सिनेमाघरों में आए करीब 8 दिन गुजर चुके हैं। दोनों ही फिल्मों का खूब प्रचार हुआ, लेकिन परिणाम निल बटा सन्नाटा ही रहा। मतलब साफ है कि फिल्म में दम न हो तो कोई प्रमोशन और कोई भी तिकड़म काम नहीं आ सकता।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, जिगरा ने 8वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को 1।15 करोड़ रुपये की कमाई की है, जो अब तक की कमाई का सबसे कम आंकड़ा है। यह अब तक 23।60 करोड़ रुपये बटोर पाई है।उधर विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की रफ्तार जिगरा से थोड़ी तेज दिखी है। फिल्म ने शुक्रवार को 1।35 करोड़ रुपये की कमाई की है और कुल मिलाकर इसने करीब 28।35 करोड़ के आसपास का कारोबार कर लिया है।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को करीब 20-30 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया। मतलब यह कि फिल्म ने अपना बजट वसूल लिया है।उधर जिगरा का बजट 90 करोड़ रुपये बताया जा रहा है और 8 दिनों में ये अपनी लागत का आधा पैसा भी नहीं कमा सकी है। ऐसे में साफ है कि फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर हाल-बेहाल है, वहीं विक्की विद्या का वो वाला वीडियो जिगरा को पछाड़कर आगे निकल गई है।जिगरा की कहानी है बहन सत्या (आलिया भट्ट) और उसके भाई अंकुर (वेदांग रैना) की। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक हादसे के बाद सत्या अपने भाई अंकुर के लिए एक ऐसा सुरक्षा कवच बन जाती है, जिसे भेद पाना असंभव है।उधर विक्की विद्या।।। की कहानी विक्की (राजकुमार राव) और विद्या (तृप्ति डिमरी) पर आधारित है, जो अपनी शादी के बाद पहली रात को यादगार बनाने के लिए वीडियो बनाते हैं, लेकिन वह वीडियो खो जाता है।

सुजॉय घोष की फिल्म किंग में शाहरुख खान निभाएंगे हत्यारे की भूमिका

अभिनेता शाहरुख खान पिछली बार फिल्म डंकी में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया।85 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 212।42 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।पिछले कुछ समय से शाहरुख अपनी फिल्म किंग को लेकर चर्चा में हैं, जिसके निर्देशन की कमान सुजॉय घोष ने संभाली है।अब इस फिल्म में शाहरुख के किरदार से जुड़ी महत्वपूर्ण खबर सामने आ रही है।रिपोर्ट के मुताबिक, किंग में शाहरुख एक हत्यारे की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते दिखाई देंगे।किंग खान को एक बार फिर खलनायक के किरदार में देखने के लिए प्रशंसक उत्साहित हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने बाजीगर, अंजाम और डर जैसी फिल्म में नकारात्मक किरदार निभाया है।इस फिल्म की कहानी सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर होने वाली है।शाहरुख की किंग इसलिए ज्यादा खास है, क्योंकि इसके जरिए वह पहली बार अपनी बेटी और अभिनेत्री सुहाना खान के साथ काम करने वाले हैं।इस फिल्म में अभिषेक बच्चन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभय वर्मा भी फिल्म का हिस्सा हैं।किंग की कहानी लिखी जा चुकी है और अगले साल की शुरुआत में यानी जनवरी, 2025 में फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी।यह फिल्म ईद, 2026 के खास मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

आगामी फिल्म किंग

कंगुवा का दूसरा गाना वामोस ब्रिंकर बेबी 21 अक्टूबर को होगा रिलीज, सूर्या करते दिखेंगे पार्टी

तमिल सुपरस्टार सूर्या अपनी अपकमिंग फिल्म कंगुवा की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। कंगुवा अगले महीने रिलीज होने जा रही है। इससे पहले साल 2024 की सबसे महंगे बजट की फिल्म कंगुवा का दूसरा गाना वामोस ब्रिंकर बेबी रिलीज होने जा रहा है। कंगुवा के मेकर्स स्टूडियो ग्रीन ने गाने वामोस ब्रिंकर बेबी का टाइटल पोस्टर भी शेयर किया है। साथ ही पोस्टर पर गाने की रिलीज डेट भी लिखी हुई है। सॉन्ग वामोस ब्रिंकर बेबी कब रिलीज होगा।वामोस ब्रिंकर बेबी के पोस्टर पर नजर डाले थे, सूर्या एक गाड़ी पर हाथ में बोतले लिए झूमते दिख रहे हैं और वहीं उनकी बगल में उनकी हीरोइन बैठी हुई है। सनसेट का नजारा पोस्टर को रोमांटिक बना रहा है, लेकिन यह एक पार्टी सॉन्ग बताया जा रहा है, जिसे पुष्पा के म्यूजिक डायरेक्ट देवी सिंह प्रसाद ने कंपोज किया है। बता दें, सॉन्ग वामोस ब्रिंकर बेबी आगामी 21 अक्टूबर को रिलीज होने जा रहा है।अपने सोशल मीडिया पर मेकर्स ने फिल्म के दूसरे सिंगल, वामोस ब्रिंकर बेब की रिलीज की घोषणा करते हुए एक कमाल का पोस्टर शेयर किया है। साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा है, रात भर नाचने के लिए तैयार हो जाइए, कंगुवा से दूसरा सिंगल 21 अक्टूबर को होगा रिलीज, देवी सिंह प्रसाद म्यूजिकल।शिवा के डायरेक्शन में बनी फिल्म कंगुवा में बॉबी देओल विलेन बनकर सूर्या से लड़ते दिखेंगे। साथ ही फिल्म में दिशा पटानी और कॉमेडी एक्टर योगी बाबू भी नजर आएंगे। फिल्म कंगुवा 14 नवंबर को रिलीज होने जा रही हैं।बता दें, कंगुवा के प्रोड्यूसर ज्ञानवेल राजा ने दावा किया है कि फिल्म वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 2000 करोड़ रुपये का बिजनेस करेगी। अगर ऐसा हुआ तो कंगुवा इंडियन सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन जाएगी।

रेखा, जया, परवीन नहीं इस एक्ट्रेस ने बिग बी के साथ दी 11 हिट फिल्में

अमिताभ बच्चन के साथ किसी हीरोइन की जोड़ी का सवाल आता है तो सबसे पहले नाम रेखा का याद आता है। बिग बी के कुछ डाई हार्ड फैन्स को शायद परवीन बाबी का नाम भी याद आता होगा। कुछ लोगों को अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की रियल लाइफ जोड़ी ही रील लाइफ में भी ज्यादा पसंद आती होगी। लेकिन आपको जानकर ताज्जुब होगा कि अमिताभ बच्चन के साथ सबसे ज्यादा हिट फिल्म देने वाली एक्ट्रेस में इन तीन में से किसी का भी नाम शामिल नहीं है। जिस एक्ट्रेस ने अमिताभ बच्चन के साथ एक या दो नहीं बल्कि पूरी 11 फिल्में हिट दी हैं, वो एक्ट्रेस कोई और ही है। जिसने बिग बी की ऑनस्क्रीन लव इंटरेस्ट के अलावा उनकी मां का भी किरदार अदा किया है।

ये है वो एक्ट्रेस

हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं वो हैं राखी। राखी भी फिल्म इंडस्ट्री की एक दमदार और हिट अदाकारा रही हैं। जिन्होंने एक लंबी फिल्मी पारी खेली है। अपनी फिल्मी पारी में उन्होंने धर्मेंद्र, शशि कपूर, शत्रुघ्न सिन्हा और अमिताभ बच्चन जैसे तमाम बड़े सितारों के साथ काम किया है। अपने फिल्मी करियर में राखी ने अमिताभ बच्चन के साथ करीब 13 फिल्मों में काम किया। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि इन 13 फिल्मों में से सिर्फ दो ही फिल्म फ्लॉप रहीं। इसके अलावा 11 फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खूब जम कर पैसे कूटे हैं।

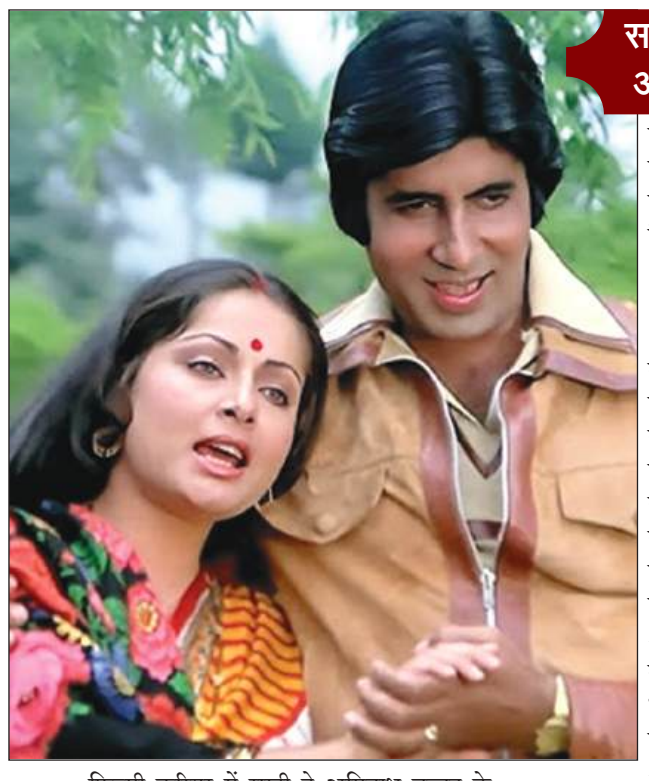

सबसे ज्यादा किया ऑनस्क्रीन रोमांस

प्रेमिका से लेकर मां तक का किरदार

राखी ने अमिताभ बच्चन के साथ हर तरह का रोल निभाया है। वो फिल्मों में अमिताभ बच्चन का लव इंटरेस्ट रहीं तो उनकी मां बनकर भी आईं। फिल्म कभी कभी, बरसात की एक रात, कसमें वादे, बेमिसाल और त्रिशूल जैसी मूवीज में राखी पर्दे पर बिग बी की हीरोइन बनकर आईं। इसके बाद मूवी शान में राखी ने अमिताभ बच्चन की भाभी का दमदार रोल अदा किया। फिल्म शक्ति अगर आपको याद हो तो बता दें कि इस फिल्म में राखी बिग बी की मां बनी थीं और दिलीप कुमार की पत्नी।

राजस्थान के धौलपुर में बस और टेम्पो की भिड़ंत में 12 लोगों की मौत

भरतपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में धौलपुर जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात बस और टेम्पो के टकराने से आठ बच्चों एवं तीन महिलाओं सहित 12 लोगों की मौत हो गई जबकि एक बच्चे सहित दो लोग घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार बाड़ी के करीम कॉलोनी गुमट निवासी इरफान और उसके परिवार के करीब पन्द्रह लोग सरमथुरा थाना क्षेत्र के बरौली में शादी समारोह में बहन का भात भरने गए थे। वहां से वे देर रात बाड़ी लौट रहे थे कि उनका टेम्पो राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 11बी पर सुन्नीपुर गांव के पास रात करीब ग्यारह बजे धौलपुर से जयपुर जा रही एक बस की चपेट में आ गया। पीछे दूसरे टेम्पो में आ रहे इरफान के भाई और वहां से गुजर रहे अन्य वाहनों में सवार लोगों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी को धौलपुर के अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि हादसे में इरफान उर्फ बंटी (38), उसकी पत्नी जूली (34), बेटी आसमा (14), बेटा सलमान (8), साकिर (6), इरफान का भतीजा अजान (5), जरीना (35), उसकी बेटियां आसियाना (10), सूफी (7), बेटा सानिफ (9), परवीन (32) और उसके बेटे दानिश (10) की मृत्यु हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल साजिद (10) और बस चालक को जयपुर भेजा गया है। हादसे पर राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डा प्रेम चंद बैरवा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा हरियाणा के प्रभारी डा सतीश पूनियां, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ सहित कई नेताओं ने हादसे पर गहरा दुख प्रकट करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की।

पीएम मोदी ने किया मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए देने का ऐलान

जयपुर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान के धौलपुर जिले में हुए हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपए तथा घायलों को 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा राजस्थान के धौलपुर में हुआ हादसा हृदय विदारक है। इसमें मासूम बच्चों सहित जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की निगरानी में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव सहायता में जुटा है। प्रधानमंत्री ने इस हादसे के प्रत्येक मृतक के परिजन को पीएमएनअ-रएफ से दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है जबकि घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

भाजपा सरकार विचलित,तीन दिन में मंत्रियों को विभाग नहीं मिले : जेपी

हिसार, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश उर्फ जेपी ने रविवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार विचलित है और इसीलिए ऐसा पहली बार हुआ है कि शपथ ग्रहण के तीन दिन बाद भी मंत्रियों को विभाग नहीं मिले हैं।

हिसार पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री जेपी ने कहा कि हरियाणा के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि सरकार बन गई है, बीते तीन दिनों से विभाग मंत्रियों को नहीं बांटे गए हैं। कुल 12 दिनों से विधायकों की शपथ नहीं हुई है। यानी इन्हें भी पता है कि सरकार ठगी से बनाई हुई है। सरकार इससे विचलित है। उन्होंने कहा कि जनता के साथ जो अन्याय किया है, जनता भाजपा से अपमान का बदला लेगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने धनबल और ईवीएम में हेराफेरी की हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने इसको लेकर चुनाव आयोग में शिकायत दी है। प्रदेश में 14 ऐसी सीटें चिन्हित की गई, जिन पर गड़बड़ी की आशंका है। उन्होंने कहा कि वह तो यही मांग करते हैं कि भविष्य में बैलेट (मतपत्र) से चुनाव हो, ताकि कोई गड़बड़ी न हो। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया भाजपा ने धनबल का प्रयोग करते हुए कांग्रेस प्रत्याशियों को हराने के लिए पैसे देकर कई कई प्रत्याशी मैदान में उतार दिए। इन दोनों कारण से विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार हुई। एक सवाल के जवाब में जेपी ने कहा कि चुनाव में कांग्रेस की हार की पड़ताल करने वाली फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की रिपोर्ट पार्टी का 'दरूनी मामला है और उसे सार्वजनिक नहीं किया जाएगा।

पंचायतों में रुके हुए विकास कार्य जल्द पूरे किए जाएं : मुख्यमंत्री

सीएम नायब सैनी ने अधिकारियों के साथ की बैठक, दिए दिशानिर्देश

चंडीगढ़, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की 2.0 सरकार बनने के बाद सीएम अब लोगों से किए वादों को पूरा करने और लोगों की समस्याओं को हल करने की जुगत में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री अलग-अलग विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। इस सिलसिले में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास संत कबीर कुटीर में स्थानीय निकाय और पंचायती विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की।

पंचायत विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रुके हुए विकास कार्यों में तेजी लाई जाए। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 22 अक्तूबर से नगर निकायों में समाधान शिविर शुरू करने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि लोग इन शिविरों में आकर अपनी समस्याओं को अधिकारियों को बता सकें और उनकी परेशानियों को तुरंत हल किया जा सके। इसके बाद मुख्यमंत्री प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्तों के साथ भी बैठक करेंगे। यह बैठक 24 अक्तूबर को चंडीगढ़ में होगी। प्रदेश के सभी नगर निगम आयुक्त चंडीगढ़ में होने वाली इस बैठक में शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य प्रदेश के नगर निगमों में हो रहे कार्यों की समीक्षा और उन्हें जल्द पूरा करना होगा।

किसानों के खिलाफ तुगलकी फरमान वापस ले सरकार : सैलजा

चंडीगढ़, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव व सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने रविवार को कहा कि हरियाणा सरकार को किसानों के खिलाफ जारी तुगलकी फरमान तुरंत वापस लेना चाहिए। कुमारी सैलजा ने यहां जारी बयान में कहा कि सरकार ने 17 अक्तूबर को शपथ ग्रहण के बाद पहला कदम ही किसान विरोधी उठाया और पराली जलाने पर एफआईआर के साथ रेड एंट्री कर किसानों को अगले दो सीजन तक एमएसपी पर फसल बेचने से रोकने का आदेश जारी किया जो न केवल तानाशाही है, बल्कि छोटे किसानों की रोज़ी-रोटी पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि सरकार यदि वायु प्रदूषण को लेकर इतनी सतर्क और सजग है तो यमुना नदी में ज़हरीला पानी छोड़ने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं करती? उन्होंने आशंका व्यक्त की कि किसानों को भारतीय जनता पार्टी को वोट न देने की सजा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार सीधे तौर पर किसानों को डराने का काम कर रही है।

सलूंबर सीट पर भाजपा में बगावती तेवर

नरेंद्र मीणा समर्थकों की बैठक में फूट-फूट कर रोए

सलूंबर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। अविभाजित उदयपुर जिले की सलूंबर सीट पर उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में बगावत के संकेत सामने आ रहे हैं। पार्टी के नेता नरेंद्र मीणा जिन्हें टिकट नहीं मिला, ने कार्यकर्ताओं के बीच एक बैठक बुलाई, जहां उनकी भावनाएं फूट पड़ीं और वह फूट-फूट कर रोने लगे। मीणा की नाराजगी इस बात को लेकर है कि उन्होंने पार्टी के लिए वर्षों तक मेहनत की, लेकिन उन्हें उपचुनाव में मौका नहीं दिया गया। मीणा द्वारा बुलाई गई बैठक में उनके समर्थकों की भीड़ जुटी थी। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि मैंने पार्टी के लिए कठिन परिश्रम किया, लेकिन अब मुझे उपचुनाव में मौका नहीं दिया गया। उनकी इस बात से कार्यकर्ताओं में मायूसी छा गई और माहौल बेहद भावुक हो गया। मीणा के समर्थकों ने उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की और पार्टी के प्रति विश्वास बनाए रखने की अपील की।

उपचुनाव में भजनलाल, गहलोत, बेनीवाल रोत सहित कई नेताओं की साख दांव पर

जयपु, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में आगामी 13 नवंबर को होने वाले सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल, विपक्ष कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के संयोजक एवं सांसद हनुमान बेनीवाल, भारत आदिवासी पार्टी (बाप) के नेता एवं सांसद राजकुमार रोत सहित कई नेताओं की राजनीतिक एवं चुनावी साख दांव पर लगी है।

हालांकि इस उपचुनाव में भाजपा को केवल सलूंबर सीट को बरकरार रखने का दबाव रहेगा जबकि कांग्रेस पर झुंझुनूं, देवली-उनियारा, दौसा और रामगढ़ सीटों को बरकरार रखने का दबाव होगा। इसी तरह खींवसर से रालोपा एवं चौरासी से बाप को अपनी सीट को बरकरार रखने का दबाव होगा। ऐसे में उपचुनाव में कांग्रेस पर अपनी सीटें जीतने का दबाव अधिक रहेगा मगर भाजपा के सत्ता में होने के कारण उस पर जीत का दबाव अन्य पार्टियों से ज्यादा रहेगा। भाजपा के नेताओं का कहना है कि इस उपचुनाव में उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं हैं लेकिन अगर उनकी सत्ता में होते हुए भी वे उपचुनाव नहीं जीतते हैं तो यह उनकी राजनीतिक साख में गिरावट होगी और इससे राज्य सरकार की साख भी प्रभावित होगी। उपचुनाव में प्रदेश के मुखिया के नाते मुख्यमंत्री श्री शर्मा, प्रदेश में भाजपा के मुखिया मदन राठौड़, प्रभारी के रुप में श्री अग्रवाल, भाई के चुनाव मैदान में होने से कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा, अलवर से सांसद होने के नाते केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत की राजनीतिक एवं चुनावी साख दांव पर है।

इसी तरह कांग्रेस के नेता श्री गहलोत की पार्टी के वरिष्ठ नेता होने एवं श्री डोटासरा की प्रदेश कांग्रेस के मुखिया, श्री रंधावा की प्रदेश प्रभारी होने तथा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर जिले से होने, झुंझुनूं सांसद बृजेन्द्र सिंह ओला, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, टोंक-सवाईमाधोपुर सांसद हरीश मीणा की चुनावी साख दांव पर है। कांग्रेस के इन नेताओं के अलावा श्री पायलट की भी इस उपचुनाव में राजनीतिक साख दांव पर है क्योंकि दौसा उनका गृह जिला आता है और वह टोंक से विधायक भी है।

कैप्टन अजय यादव ने कांग्रेस से इस्तीफा वापस लिया

चंडीगढ़, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। तीन दिन पूर्व कांग्रेस से इस्तीफा देने की घोषणा करने वाले हरियाणा के पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव ने शनिवार रात अपना इस्तीफा वापस लेते हुए कहा कि वह जन्म से कांग्रेसी हैं और अंतिम सांस तक कांग्रेसी रहेंगे। कांग्रेस के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) मोर्चा नेता के बेटे चिरंजीव ने हाल में सम्पन्न विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर रेवाड़ी से चुनाव लड़ा था, लेकिन हार गए थे। दस साल बाद सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही कांग्रेस को 90-सदस्यीय विधानसभा में 37 सीटें ही मिल पाईं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 48 सीटें जीतकर तीसरी बार सरकार बनाई। कैप्टन यादव ने तीन दिन पूर्व पार्टी में उपेक्षा की शिकायत करते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता समेत सभी पदों से इस्तीफे की घोषणा की थी।

कल रात हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि वह दुखी थे कि आला कमान ने ओबीसी विभाग के लिए किए उनके कार्य की कदर नहीं की और विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद बोले गए कड़वे शब्दों के कारण उन्होंने यह कदम उठाया लेकिन बाद में ठंडे मन से उन्होंने निर्णय किया कि वह कांग्रेस पार्टी और खासकर सोनिया गांधी के लिए कार्य करते रहेंगे।

टिकट मिलते ही बोले भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा

मैं नहीं, खींवसर की जनता लड़ रही है चुनाव

खींवसर, 20 अक्टूबर (एजेंसियां)। नागौर की खींवसर विधानसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रेवंतराम डांगा को प्रत्याशी के रूप में चुना है। टिकट मिलते ही डांगा ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि मैं नहीं, खींवसर की जनता चुनाव लड़ रही है। उन्होंने इस चुनाव को खींवसर के लोगों की लड़ाई बताया और खुद को जनता का प्रत्याशी घोषित किया। जानकारी के मुताबिक, रेवंतराम डांगा टिकट की घोषणा के बाद देर रात खरनाल पहुंचे और लोकदेवता तेजाजी महाराज के मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। अगले दिन जयपुर रवाना होने से पहले उन्होंने दोबारा मंदिर में पूजा की और फिर समर्थकों के साथ नागौर के नाथूराम मिर्धा स्मारक पहुंचे। उन्होंने वहां नाथूराम मिर्धा की प्रतिमा पर माला अर्पित की।

खींवसर सीट पर इस बार का मुकाबला भी बेहद कड़ा होने की उम्मीद है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी रेवंतराम डांगा ने आरएलपी (राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी) छोड़कर भाजपा का दामन थामा था और पार्टी ने उन्हें टिकट दिया था। उस चुनाव में आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल मात्र 2,059 वोटों से जीत पाए थे। अब भाजपा ने फिर से डांगा पर भरोसा जताया है। खींवसर सीट पर आरएलपी का दबदबा रहा है। 2019 के उपचुनाव में हनुमान बेनीवाल के भाई नारायण बेनीवाल ने कांग्रेस को हराकर यह सीट 4,630 वोटों से जीती थी। इससे पहले 2018 के विधानसभा चुनाव में हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस के सवाई सिंह चौधरी को 16,948 वोटों से हराया था। बेनीवाल पहले भाजपा से और फिर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भी चुनाव जीत चुके हैं।

हालांकि, हालात अब बदल रहे हैं। 2019 के बाद बीजेपी ने खींवसर में अपनी जड़ें मजबूत की हैं। पार्टी ने ज्योति मिर्धा जैसे बड़े कांग्रेस नेताओं को अपने पाले में लाकर आरएलपी के कई नेताओं को भी जोड़ लिया है। पिछले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आरएलपी के कई नेता बीजेपी में शामिल हुए, जिनमें रेवंतराम डांगा भी थे। बीजेपी के इस कदम ने पार्टी को तीसरे स्थान से उठाकर खासी मजबूती दी, जिससे हनुमान बेनीवाल मुश्किल से चुनाव जीत पाए। रेवंतराम डांगा को इस चुनाव में ज्योति मिर्धा का भी समर्थन मिल रहा है। मिर्धा ने बीजेपी के संगठन को खींवसर में मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। स्थानीय संगठन अब पूरी तरह से डांगा के साथ जुट गया है। उनकी जमीनी पकड़ और स्थानीय समर्थन से बीजेपी इस बार खींवसर सीट पर बड़ी जीत की उम्मीद कर रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज काफी सोच समझकर ही लोगों से बातचीत करनी चाहिए दिमाग को शान्त ही रखना पडेगा। आपके जीवनसाथी से तनाव कारण बन सकता हैं. आप-अपने परिचितों के साथ लेन-देन में सावधानी बरतें अन्यथा बाद में सम्बन्धों में गिरावट आ सकती है. किसी मित्र के सहयोग से आमदनी बढ सकती हैं धन की स्थिति में सुधार होगा. किसी अनुभवी की राय आपके लिए फायदेमंद रहेगी. स्वास्थ्य मे सुधार होगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज मन से दृढ होकर किसी भी काम को करेंगे वह अवश्य ही सफल होगा , परिणाम सार्थक और सकारात्मक होगा. जीवनसाथी के साथ थोड़ा समय बिताने, उसकी समस्याओं को ध्यान से सुनने और भावनाओं को बेहतर तरीके से समझने से संबंधों में मधुरता आएगी. आपके व्यक्तिगत जीवन में तनाव कम रहेगा , सामाजिक और राजनीति दोनो प्रकार का ही लाभ दिखेगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आपने घर के बड़े बुजुर्गों के साथ धार्मिक यात्रा करनी पड़ेगी । माता-पिता की बातो को अनदेखा न करें । किसी काम को शुरू करने से पहले माता-पिता का आर्शीवाद लें, आपको फायदा जरूर होगा. अचानक धन लाभ का योग बन रहा है. आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिसके साथ बात करके आपकी दिनभर की थकान दूर हो जायेगी. परिस्थितियां भी आपके अनुकूल रहेगी. आपको दूसरो की मदद करतें रहना चाहिए मित्रों को निराश नही करना चाहिए ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज परिवार के सदस्यों से वाद विवाद हो सकता हैं जिससे मन दुखी होगा । पिछले कुछ समय से जिन गलतफहमियों की वजह से आपके रिश्ते ठीक नहीं चल रहे थे आज वह दूर हो सकते हैं. यात्रा कष्टदायी हो सकती है. अचानक सामने आने वाले कामों के लिए खुद को पहले से तैयार कर लें. जमीन संबंधी कोई लेन-देन कर रहे हैं, तो पहले अच्छे से उस जगह की जांच-पड़ताल कर लें. आज यात्रा कष्टदायक रहेगी जरूरी होतो गुड का सेवन करके यात्रा का आरंभ करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बुद्धि का जबर्दस्त परिचय आप समाज के सामने देंगे आप की प्रतिष्ठा बढेगी । प्रभावशाली वाणी होने के कारण लोगों से आप अपनी बात मनवा सकेंगे. इन कारणों से आप अपने व्यवसाय में अच्छा कर पाएंगे और प्रचुर लाभ कमा पाएंगे. यात्रा से भी लाभ मिलेगा. संतान या शिक्षा को लेकर यदि आप कोई प्रयास कर रहे थे, तो आपकी मेहनत का फल मिलने वाला है. परन्तु जीवनसाथी या मित्रों के साथ बिना वजह विवाद हो सकता है. स्वास्थ्य एकदम तंदुरुस्त रहेगा

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज हनुमान मंदिर मे गाय के घी का दीपक प्रज्वलित करें कार्य सिद्ध होंगे आज आप खुद को फिट महसूस करेंगे. नजदीकी लोगों के साथ समय बिताने से आपको ख़ुशी मिलेगी.कार्यालय में किसी काम को लेकर आपकी तारीफ होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. जो लोग सरकारी काम से जुड़े हैं, उनको कोई बढ़िया ऑडर मिल सकता है. घर में शुभ-प्रसंगों का आयोजन हो सकता है. जीवन में खुशियां बरकरार रहेगी. नंदी को गेहूँ का भूसा खिलाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज स्थान परिवर्तन का योग बनेगा आप स्थान परिवर्तन नही चाहते हैं तो नी मंगलवार को हनुमानजी को सिन्दूर चढ़ाए , घर मे सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी परन्तु किसी बात को लेकर जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद होंगे. आत्मसम्मान मे कमी महसूस होगी . शाम को परिवार के साथ समय बितायेंगे. स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी चल रही है तो आज उससे राहत मिलेगी. आज कोई नजदीकी या प्रिय व्यक्ति मानसिक शांति बनाए रखने में मददगार होगा. मन उदास है तो शिव मंत्र का स्मरण करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का समय सफलताओं वाला हैं परन्तु पारिवारिक मामलों से संबंधित झगड़ा हो सकता है. यदि आप उनसे दूर रहेंगे तो आप प्रसन्न रहेंगे. सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्ति के लिए समय प्रतिकूल है नई परियोजनाएं अमल में लाएंगी. व्यवसाय में उन लोगों को अपने उद्यमों में बढ़ावा मिलेगा और नई व्यापार केन्द्र स्थापित करेंगे. बहुत बेचैनी हो तो किसी धार्मिक ग्रन्थों का आश्रय करें अथवा अपने ईष्टदेव का स्मरण करें

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नक्षत्र बल आप को पूरा सहयोग देगा अपना व्यापार बढ़ाने के लिये आपको नये अवसर मिलेंगे. रिश्तों में आपसी प्रेम बढेगा उधार दिया हुआ पैसा अचानक ही वापस मिल जायेगा. कोई रिश्तेदार आपके घर पर अचानक से आ सकते हैं. इससे घर का वातावरण कुछ बदल सकता है. बच्चे काफी खुश नजर आयेंगे. बिजनेस के क्षेत्र में बड़े-बड़े लोगों से मिलने में मदद मिलेगी, आपकी तरक्की सुनिश्चित है. प्रातः मंदिर के दर्शन करके दिन का शुभ आरंभ करना चाहिए रिश्ते मजबूत होंगे.शाम के वक्त परिवार के साथ डिनर का प्रोग्राम बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

हनुमानजी को चमेली की पुष्प माला अर्पित करें जिससे पैसों का दबाव खत्म हो जाएगा. राहत मिल सकती है. पैसों के क्षेत्र में कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं. आज आप बड़ा फायदा दिलाने वाली डील कर सकते हैं. भूमि भवन आदि खरीदने के योग बन रहे हैं. आत्म-विश्वास बनाए रखें, आज आप किसी भी चुनौतीपूर्ण परिस्थिति का सामना आसानी से कर पाएंगे. रात्रि मे गहरी निंद्रा के लिए हल्का सुपाच्य भोजन करना होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप के विरोधी आप पर पैनी नजर बनाए हुए हैं अतः कार्य आरंभ से पूर्व अन्तिम क्षणों मे अपनी कार्य शैली को तुरन्त ही बदल ले आप के विरोधी पस्त हो जाएंगे । आज कुछ लोग बहुप्रतीक्षित सफलता प्राप्त करेंगे. आज आप वचनबद्धता से घिरे रह सकते हैं. किन्तु शुभ स्वास्थ्य हेतु तनाव मुक्त रहने की कोशिश करें. आपको परिवार और व्यापार में संतुलन बनाने की आवश्यकता पड़ सकती है. इसके साथ समाज ही आप को सामाजिक गतिविधियों मे सहयोगी बनना पडेगा

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप की पद प्रतिष्ठा में उन्नति हो सकती है. बिजनेस में अच्छी प्रगति के योग हैं. जीवनसाथी से भी मदद मिलती रहेगी. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. आपको अपने काम में सफलता जरूर मिलेगी. पैसों से जुड़े किसी मामले को सुलझाने के लिहाज से आज का दिन अच्छा है. आपकी कुछ नए-पुराने दोस्तों से भी मुलाकात हो सकती है. आज आप को काम से फुर्सत मिल जाए तो परिवार के साथ कहीं घूमने का प्लान भी बनना चाहिए।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 21 अक्टूबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 02:31 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रातः 06:50 तक
योग : वरियान प्रातः 11:09 तक
करण : कौलव 03:19 तक
चन्द्रराशि : वृषभ सायं 06:15 तक
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:50 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 सूर्यास्त 05:57 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:024 , सूर्यास्त 05:49 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 05:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- चातुर्मास व्रती को कार्तिक मास में दाल खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जहरीली शराब से मौत का मामला

जानबूझकर लोग जहर पीते हैं: खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता

पटना/एजेंसियां।

बिहार में जहरीली शराब पीने से लगातार लोगों की मौत हो रही है। इसको लेकर विपक्ष के नेता शराबबंदी को लेकर सरकार पर लगातार प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहे हैं। इसी कड़ी में बिहार सरकार के खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने शराब पीने से मौत मामले में बेतुका बयान दिया है।

उन्होंने कहा है कि जब लोग जहर पी लेगा तो उसकी मौत तो होगी ही ना। उन्होंने कहा कि जानबूझकर लोग जहर पी लेता है। जिससे उसकी मौत हो रही है। बेगूसराय में शराबबंदी को लेकर पत्रकारों ने जब मंत्री सुरेंद्र मेहता से सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि देखिए नीतीश कुमार जी की सरकार मुस्तैद है। चोरी छिपे शराब पीकर जान गवा रहा है। फिर भी शराब बनाने वाले और बेचने वाले पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। सुरेंद्र मेहता ने कहा कि शराबबंदी को लेकर सरकार पूरी तरह से मुस्तैद है। पूरे लंबे समय से सरकार शराबबंदी के खिलाफ अभियान चला रही है। पैसा लग रहा है। सरकार पूरी ताकत लगा रही है। इसके बाद भी लोग जाकर जहर पी लेता है। शराब बनाने और बेचने वालों पर सरकार द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है। लेकिन लोग जानबूझकर जाकर जहर पीकर जान दे रहा है। अब खेल मंत्री के इस बयान की विपक्ष के नेता निंदा कर रहे हैं।

देहरादून में उत्तराखंड युवा संसद 2.0 का आयोजन

पटना/एजेंसियां।

उत्तराखंड युवा संसद में अभिनव नारायण झा बतौर जज की भूमिका में मौजूद रहे। उन्होंने लोकसभा के अध्यक्ष की भूमिका निभाई। उत्तराखंड राज्य के वित्त मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल एवं उत्-राखंड राज्य बाल आयोग की सभापति गीता खन्ना ने उन्हें सम्मानित किया। अभिनव नारायण झा अधिवक्ता हैं। अभी तक देशभर में 200 से ज्यादा युवा संसद में बतौर जज शिरकत कर चुके है। आईआईटी, आईआईएम, एनएलयू, केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रतिष्ठित कॉलेज और स्कूल में आमंत्रित हो चुके है। सम्मेलन में देश के 19 राज्यों से कुल 595 युवा प्रतिनिधि शामिल हुए थे। अभिनव ने बताया कि आयोजन का नेतृत्व संस्थापक सुदीप चंद्रा द्वारा किया गया। जबकि प्रमुख सलाहकार और कार्यक्रम प्रमुख के रूप में रुद्रांश शुक्ला की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके अलावा इस सम्मेलन के आयोजन में नीरज वत्स, सौरव प्रकाश, उत्कर्ष मिश्रा और शुभम बिष्ट भी सक्रिय रूप से शामिल थे। कार्यक्रम का उद्देश्य देशभर के युवाओं को एक मंच पर लाकर राष्ट्रीय और सामाजिक मुद्दों पर चर्चाएं करने और समाधान की दिशा में विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करना था। इस आयोजन ने युवाओं के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों ने समृद्ध विचारों का आदान-प्रदान किया और भविष्य में सामाजिक बदलाव के लिए ठोस कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तराखंड सरकार में वित्त मंत्री एवं शहरी विकास व आवास मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल तथा उत्तराखंड के बाल विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष गीता खन्ना ने संयुक्त रूप से किया। इससे पहले देहरादून में इतने बड़े स्तर पर युवा संसद का आयोजन नहीं हो पाया था और उत्तराखंड युवा संसद ने न सिर्फ एक कीर्तिमान स्थापित किया है, बल्कि युवाओं को एक सन्देश दिया है। अभिनव नारायण झा की इस सम्मान को लेकर उनके गांव में हर्ष का माहौल है।

सड़क हादसे में महिला की मौत, दो घायल

गोपालगंज/एजेंसियां।

जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के भठवां ओवरब्रिज पर अज्ञात वाहन ने एक बाइक में टक्कर मार दी। इस घटना में एक 25 वर्षीय महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना में बाइक चला रहे महिला का देवर और दो वर्षीय बच्चा भी घायल हो गया। जानकारी लगने पर मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने घायल लोगों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। इधर मौके पर पहुंची कुचायकोट पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार गोपालगंज जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर चैलवा गांव निवासी संतोष सिंह की पत्नी चिंटू देवी अपने देवर मनोज सिंह के साथ दो वर्षीय बच्चे को लेकर इलाज के लिए गोप-ालगंज जा रही थी। बाइक मनोज सिंह चला रहे थे। अभी वे लोग भठवां ओवरब्रिज के पास पहुंचे थे कि किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में तेज टक्कर मार दी। जिससे चिंटू देवी जमीन पर गिर पड़ी। पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उन्हें रौंद दिया, जिससे घटनास्थल पर ही चिंटू देवी की मौत हो गई। जानकारी लगने पर मौके पर पहुंची कुचायकोट पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज भेज दिया। परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीत्कार मच गया। परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है। दो वर्षीय बच्चे के सर से मां का साया उठ जाने से गांव में भी मातम पसरा हुआ है।

चलती कार में अचानक लगी भीषण आग

कार सवार युवकों ने कूदकर बचाई जान

पटना/एजेंसियां।

पटना से फतुहा के करौटा जा रही एक चलती कार में शनिवार देर रात अचानक बाइपास थाना क्षेत्र के पैजावा के पास आग लग गई। कार में आग लगते ही कार के अंदर बैठे चार युवको ने सड़क के किनारे गाड़ी खड़ी की और आनन-फानन में गाड़ी से कूद कर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना अग्नि दस्ते को दी। सूचना मिलने के बाद अग्नि दस्ते की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस

बीच कार पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। बताया जा रहा है कि करौटा निवासी चार युवक पटना आए थे। इस बीच शनिवार की देर रात वह सभी वापस कार से करौटा लौट रहे थे। जैसे ही कार बाइपास थाना के पैजावा महिंद्रा शोरूम के पास पहुंची। कार के आगे का वाइपर अचानक चलना शुरू हो गया। वाइपर को बंद करने का प्रयास किया गया लेकिन वाइपर बंद नहीं हुआ। कार चला रहे एक युवक ने कार में ब्रेक लगाने की कोशिश की तो वह भी नहीं लगा।

इस बीच कार के आगे के भाग से अचानक तेजी से धुआं निकलना शुरू हो गया। कार से धुआं निकलता देख कार चला रहे युवक ने जल्दी से गाड़ी को सड़क के किनारे खड़ा कर दी। सीट बेल्ट खोलकर सभी चार युवक गाड़ी से बाहर निकले। इस बीच गाड़ी में धुआं चारों तरफ से भर गया और कार धू-धू कर जलने लगी। वहां उपस्थित लोगों ने इसकी सूचना बाइपास थाने को दी। कार में सवार युवक कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि ऐसा प्रतीत हो रहा कार के आगे के भाग में किसी हिस्से में शॉर्ट सर्किट लग गई होगी। इस कारण कार में आग लग गई।

उन्होंने बताया कि उनके अलावा कार में शशि रंजन, शुभम कुमार एवं मुकुल कुमार सवार थे। सभी युवक सुरक्षित कार से बाहर निकल गए।

बाइपास थाना प्रभारी ने बताया कि कार में सवार सभी युवक सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की बात बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कार में रखे गए मोबाइल, कार के सभी कागजात जलकर नष्ट हो गए।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से महिला की मौत

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के भठवां ओवरब्रिज पर अज्ञात वाहन ने एक बाइक में टक्कर मार दी। इस घटना में एक 25 वर्षीय महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना में बाइक चला रहे महिला का देवर और दो वर्षीय बच्चा भी घायल हो हुआ है। जानकारी लगने पर मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने घायल लोगों को इलाज के लिए सदर अस्पताल गोप-ालगंज पहुंचाया। इधर मौके पर पहुंची कुचायकोट पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार गोपालगंज जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर चैलवा गांव निवासी संतोष सिंह की पत्नी चिंटू देवी अपने देवर मनोज सिंह के साथ दो वर्षीय बच्चे को लेकर इलाज के लिए गोपालगंज जा रही थी। बाइक मनोज सिंह चला रहे थे। अभी वे लोग भठवां ओवरब्रिज के पास पहुंचे थे कि किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में तेज टक्कर मार दी। जिससे चिंटू देवी जमीन पर गिर पड़ी। पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उन्हें रौंद दिया, जिससे घटनास्थल पर ही चिंटू देवी की मौत हो गई। जानकारी लगने पर मौके पर पहुंची कुचायकोट पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल गोपालगंज भेज दिया। परिजनों को घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीत्कार मच गया। परिवार के लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है। दो वर्षीय बच्चे के सर से मां का साया उठ जाने से गांव में भी मातम पसरा हुआ है।

महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत

नालंदा/एजेंसियां।

यहां रविवार को एक महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। मामला नालंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत सद्भावना नगर पनहेस्सा गांव का है। मृतका की पहचान प्रदीप चौधरी की (24) वर्षीया पत्नी ज्योति देवी के रूप में की गई है। मायके वाले दहेज हत्या का आरोप लगा रहे हैं। घटना के संदर्भ में मृतका के भाई ने बताया कि पिछले साल ज्योति की शादी हुई थी।

शादी के बाद कुछ दिनों तक सब कुछ ठीक ठाक रहा। इसके बाद ससुराली परिवार पैसे की डिमांड करने लगे। साथ ही ज्योति को प्रताड़ित किया जाने लगा। इस बीच फरवरी महीने में एक पुत्री ने जन्म लिया। इसके उपरांत 50 हजार की डिमांड करने लगे और मायके से पैसे लाने का दबाब बनाया जाने लगा। 4 दिन पूर्व भी मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया था। रविवार की सुबह ससुराली परिवार ने गला घोंट हत्या कर दी और हत्या को आत्महत्या में तब्दील करने के लिए शव को फंदे से टांग दिया। आसपास के लोगों से रविवार की सुबह घटना की जानकारी मिली। पावापुरी ओपी के दुर्गापुर निवासी वीनेश चौधरी की पुत्री ज्योति की शादी नालंदा थाना क्षेत्र के पनहेस्सा गांव निवासी प्रदीप चौधरी के साथ साल 2023 के फरवरी महीने में हुआ था। नालंदा थानाध्यक्ष निशी कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल भेज दिया गया है। शव जमीन पर पड़ा हुआ था। पति समेत 7 लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। मायके वाले दहेज हत्या का आरोप लगा रहें हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामलें की जांच में जुट गई है।

फोन कर घर से बाहर बुलाया फिर कर दी ठेकेदार की हत्या

गोपालगंज/एजेंसियां।

जिले के थावे थाना क्षेत्र के पैठानपट्टी गांव में बेखौफ अपराधियों ने एक ठेकेदार को घर से बुलाकर गोली मार दी। गोली लगने से ठेकेदार की मौके पर ही मौत हो गई।

मौत के बाद परिजन एवं ग्रामीण लोग आक्रोशित हो गए। वहीं, हत्या की वारदात के बाद से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक का नाम छोटे आलम है जो थावे थाना क्षेत्र के पठानपट्टी के ही पश्चिम टोला गांव का निवासी था। बताया जाता है थावे थाना क्षेत्र के पैठाणपट्टी गांव निवासी 28 वर्षीय छोटे आलम कुछ माह पहले तक सऊदी अरब में रहता था। वहां से वो अपने गांव वापस लौट आया था। अपने गांव में

रहकर ही कारपेंटर ठेकेदारी का काम करता था। इसी बीच शनिवार की देर रात अपने घर पर ही था। इसी दौरान पठानपट्टी के एक युवक ने उसे फोन कर घर से बाहर बुलाया। फिर उसको नजदीक से गोली मार दी। गोली लगने से छोटे आलम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं इस मामले में गोपालगंज सदर एसडीपीओ प्रांजल त्रिपाठी ने बताया कि थावे थाना क्षेत्र के पैठानपट्टी गांव में युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि परिजनों के बयान पर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। इस मामले में एसआईटी का गठन किया गया है। बहुत जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

गैस एजेंसी के मालिक को मारी गोली, जख्मी

सीतामढ़ी/एजेंसियां।

जिले के सोनबरसा में स्थित गैस एजेंसी के मालिक को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया। घटना जिले के सोनबरसा थाना क्षेत्र के भलूआहा गांव की है। जहां अपने ऑफिस में बैठे गैस एजेंसी के मालिक को अज्ञात चार बदमाशों ने गोली मार दी। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने ऑफिस के अंदर घुसकर कनपटी पर गोली मारी है। जिसके वजह से बाएं कान में गोली घुस गई और दाहिने कान में जाकर अटक गई है। आनन फानन में पीड़ित को स्थानीय ग्रामीण और कर्मियों द्वारा इलाज के लिए सीतामढ़ी शहर स्थिति एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। जहां फिलहाल

डॉक्टर ने उसे खतरे से बाहर बताया है। डॉक्टर ने कहा कि मरीज के कान में फंसी गोली का ऑपरेशन कर निकाल दिया गया है। गोली से जख्मी गैस एजेंसी के मालिक जय नारायण महतो के 47 वर्षीय पुत्र दीप नारायण महतो के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय सोनबरसा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों से घटना के बारे में जानकारी ली। वहीं, पुलिस की दूसरी टीम अस्पताल पहुंचकर जख्मी का बयान दर्ज किया। फिलहाल घटना के कारणों का पता नहीं चल सका हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस ने 23 किलो गांजा के साथ तीन तस्कर को किया गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के डेहरी पुलिस मुख्यालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में रोहतास एसपी रौशन कुमार ने प्रेसवार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर डेहरी मुफस्सिल थाने की पुलिस ने डेहरी के पाली पुल के समीप से स्विफ्ट कर के साथ तीन गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

जिनके पास से पुलिस ने 22 किलो 941 ग्राम गांजा बरामद किया है। वहीं रोहतास एसपी ने बताया कि पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार गांजा तस्करों ने बताया

कि उड़ीसा से कम कीमतों पर गांजा खरीद कर उत्तर प्रदेश के वाराणसी सप्लाई करने का कार्य करते थे।

जिन्हें रोहतास पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार तीनों गांजा तस्करों में से दो का अपराधिक इतिहास लंबा चौड़ा रहा है। गिरफ्तार गांजा तस्कर सासाराम के मुरादाबाद अयोध्या सिंह उर्फ माला, दिनारा का रहने वाला विशाल पाल एवं औरंगाबाद जिले के बारुण थाना क्षेत्र के दिग्धी गांव का रहने वाला अरुण कुमार कुशवाहा है। गिरफ्तार तीनों गांजा तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com